जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

Rashtradoot

जयपुर, गुरुवार 25 दिसम्बर, 2025

OSWAL SOAP GROUP
SINCE ओसवाल 1956
हर रिश्ते का रखे ख्याल...
ओसवाल सोप ग्रुप
VOCAL FOR LOCAL
6 करोड़ परिवारों का विश्वास
क्वालिटी प्रोडक्ट्स की विशाल श्रृंखला
जब अपने घर का हो सवाल, तो सिर्फ ओसवाल
69 वर्षों का विश्वास
5Ltr. 1Ltr. मूंगफली तेल
1Ltr. 5Ltr. 500ml कच्ची घानी तेल
1Ltr. 5Ltr. 500ml रिफाइंड सोयाबीन तेल
1Ltr. रिफाइंड सोयाबीन तेल पाउच
1kg बासमती चावल
1kg ओसवाल चावल
800g पोहा
1kg चाय पत्ती
250g डस्ट चाय
1kg देसी खांड
1kg धागा मिश्री
500g हल्दी पाउडर
1kg मिर्च पाउडर
500g धनिया पाउडर
1kg जीरा
1kg सोया चंक्स
1kg मैज स्टार्च पाउडर
1kg सैंधा नमक
1kg काला नमक
1kg मूंग दाल
1kg हरी मूंग दाल
1kg उड़द धुली दाल
1kg तुअर दाल
1kg चना दाल
1kg काबुली चना
साँभर मसाला
चना मसाला
रायता मसाला
चाट मसाला
गरम मसाला
पाव भाजी मसाला
250ml अल्कलाइन वॉटर
1kg ओसवाल सोप
1kg व्हाइट सोप
1kg मल्टीकलर सोप
1kg वॉशिंग पाउडर
1kg डिटर्जेंट पाउडर डिटर्जेंट केक
1Ltr. डिटर्जेंट लिक्विड
500ml डिशवॉश लिक्विड
1kg डिशवॉश टब डिशवॉश केक
100g बाथ सोप
75g ग्लिसरिन बाथ सोप
250ml लिक्विड हैंड वॉश
200ml शॉवर जैल
500ml ग्लास क्लीनर
1Ltr. टॉयलेट क्लीनर
नीरवी पशु आहार
हैप्पी टच फ्लोर वाइपर
फूल झाड़ू
1Ltr. फ्लोर क्लीनर
50g अगरबत्ती धूपबत्ती
250gm नेफ्थलीन बॉल्स
Oswal
ओसवाल सोप ग्रुप
अधिक जानकारी के लिए
+91 91161 71956, 96802 01956 पर कॉल करें
विपणन :
उत्तम चन्द देसराज
अब घर बैठे मँगवाये ओसवाल उत्पाद
OswalSoap.com पर जाएं या स्कैन करें और ओसवाल ऐप डाउनलोड करें
GET IT ON Google Play
नकली माल से सावधान

फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 76 संख्याः 143 प्रभात जयपुर, गुरूवार 25 दिसम्बर, 2025 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

ARBiT

Why Does Surya Wear High Boots? Notwithstanding the range of his poses, whether in the early centuries of the Common Era or the tenth, Surya was always shod

Strangest Laws in History That Actually Existed

Potatoes And Tomatoes The Plant That Grows Both Tomatoes and Potatoes

पड़ोसी देशों के "स्टेटस" (हैसियत) में भारी अंतर, अमधुर संबंध होने का कारण होता ही है

पर, बाँग्लादेश में इस भावना पर अब पाकिस्तान व रूढ़िवादी तत्वों का काबिज होना जरूर गहरी चिंता पैदा करता है

- इस पूरे प्रकरण में, थोड़ा ढांढस इस बात से बनता है कि दीपू चंद्र दास की बेरहम, पाशविक हत्या से इतना हड़कंप मचा कि बाँग्लादेश की अंतरिम सरकार को रक्षात्मक मुद्रा में आना पड़ा व उसे दास के परिवार को सुरक्षा प्रदान करने की घोषणा करनी पड़ी और परिवार को सहायता देने की बात भी कही।
- अंतरिम सरकार ने हत्या को अंजाम देने वालों को गिरफ्तार कर, दंड देने की घोषणा भी की तथा चौदह आरोपियों को गिरफ्तार भी किया गया है।
- पर, यह भी सच है कि जिस तेजी से सामुदायिक हिंसा फैली, आगजनी हुई और हिंदुओं पर आक्रमण हुआ, इससे साफ उजागर हुआ कि देश में अस्थिरता और कानून व्यवस्था का नितांत अभाव है, जिसका रूढ़िवादी ताकतें पूरा लाभ उठा रही हैं।
- पड़ोसी राज्य में फैलती हिंसा व अस्थिरता की भारत अनदेखी नहीं कर सकता। क्योंकि, भारत में शांति व स्थिरता के लिए बाँग्लादेश में "अस्थिरता" समाप्त होना जरूरी है।

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 दिसम्बर। बांग्लादेश में हाल में हुई घटनाओं और एक हिंदू युवक पर किए गए अमानवीय अत्याचार और उसकी मौत ने दोनों पड़ोसी देशों के कूटनीतिक संबंधों को बिगाड़ दिया है। इस मौत के बाद दिल्ली में बांग्लादेश उच्चायोग के सामने अपने आप ही लोग इकट्ठा हो गए और विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया।

दूसरी ओर, ढाका में एक बांग्लादेशी युवा नेता की मौत के बाद भारत के खिलाफ हिंसक प्रदर्शन हुए। ढाका में भारतीय उच्चायोग के खिलाफ नारेबाज़ी की गई और भारत के उत्तर-पूर्व से सटे चिटगांव बंदरगाह शहर में भारतीय उच्चायोग पर भीड़ ने हमला कर दिया।

बांग्लादेश में अचानक फैली व्यापक हिंसा उस देश की ज़मीनी हकीकत और उसकी अंदरूनी अस्थिरता को दिखाती है। बांग्लादेश में लगातार बने हुए संकट को भारत नज़रअंदाज़ नहीं कर सकता है और इस पर आंखें मूंद कर नहीं बैठ सकता। भारत की अपनी सुरक्षा भी बांग्लादेश की स्थिरता पर निर्भर करती है।

दोनों देशों ने औपचारिक रूप से कूटनीतिक रिश्ते बनाए रखे हैं, लेकिन संबंध अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गए हैं। भारतीय लोगों की अचानक और कड़ी प्रतिक्रिया के कारण बांग्लादेश की अंतरिम सरकार को पीड़ित परिवार के लिए सुरक्षा और कुछ सहायता की घोषणा करनी पड़ी।

सरकार अब अपराधियों को पकड़ने और उन्हें सज़ा देने का वादा कर रही है। इस मामले में शामिल पाए गए करीब चौदह लोगों को गिरफ्तार किया गया है, हालांकि माना जा रहा है कि इसमें और भी लोग शामिल हो सकते हैं।

लेकिन घटनाओं के इस सिलसिले ने पहले से ही नाज़ुक और असहज चल रहे पड़ोसी संबंधों को और खराब कर दिया है, जहाँ आम लोगों के बीच भारत-विरोधी भावनाएँ पहले से मौजूद

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सिद्धार्थ महाजन जयपुर विकास प्राधिकरण आयुक्त बने

जयपुर (कासं)। राज्य सरकार ने बुधवार शाम आदेश जारी कर भारतीय प्रशासनिक सेवा (आई.ए.एस.) के पांच अधिकारियों का तबादला किया। इस आदेश के मुताबिक, केंद्रीय प्रतिनियुक्ति से लौटे सिद्धार्थ महाजन को जयपुर विकास प्राधिकरण (जे.डी.ए.) आयुक्त बनाया गया है। इस पद पर पूर्व में कार्यरत आयुक्त आनंदी को सहकारिता विभाग राजस्थान की रजिस्ट्रार और शासन सचिव के पद पर लगाया गया है। इसके साथ ही जयपुर

- आनंदी का सहकारिता तथा राकेश शर्मा डीआईपीआर आयुक्त पद पर तबादला।

विकास प्राधिकरण में अतिरिक्त आयुक्त की सेवाएं दे रहे राकेश शर्मा को सूचना एवं जनसंपर्क विभाग राजस्थान (डी.आई.पी.आर.) के आयुक्त एवं संयुक्त शासन सचिव के पद की जिम्मेदारी सौंपी गई।

आईएएस मंजू राजपाल को कृषि-उद्यानिकी एवं पंचायतीराज (कृषि) विभाग राजस्थान के प्रमुख शासन सचिव पद पर लगाया है। राजस्थान राज्य बीज निगम लि. के अध्यक्ष का जिम्मा भी मंजू राजपाल ही संभालेंगी। इसी प्रकार बाबूलाल गोयल को राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग में सचिव बनाया गया है। राज्य सरकार

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

उद्धव व राज के एक होने की प्रक्रिया अचानक नहीं फलीभूत हुई

गत विधानसभा चुनाव में और स्थानीय निकाय चुनावों में दोनों को मुँह की खानी पड़ी थी, अतः दोनों महसूस कर रहे थे कि एक होंगे तभी जीवित रहेंगे

- इस प्रक्रिया में, भाजपा ने "कैटलिस्ट" (उत्प्रेरक) की भूमिका अदा की, एक से पाँचवी कक्षा तक हिंदी को स्कूलों में तीसरी भाषा के रूप में अनिवार्य करके।
- उद्धव व राज को मौका मिल गया और वो एक मंच पर दिखे, "मराठी मानुष" की बात करने के लिए।
- अगर उद्धव व राज "मिलन" सार्थक साबित हुआ, मुंबई म्युनिसिपल चुनाव में तो शरद पवार व अजित पवार भी इस "थीम" का अनुसरण करने के लिए प्रेरित हो सकते हैं।
- साथ ही, उद्धव ठाकरे ने भी शिंदे शिव सेना के असंतुष्ट तत्वों से बातचीत शुरु कर दी हैं, "घर वापसी" के लिए।

-श्रीनंदन झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 दिसंबर। बृहन्मुम्बई म्युनिसिपल कॉरपोरेशन (बीएमसी) सहित, 29 नगर निगमों के चुनाव 15 जनवरी को होने जा रहे हैं और अब तक अलग-अलग चल रहे चचेरे ठाकरे भाइयों, उद्धव और राज ठाकरे, ने हाथ मिला लिया है, पर क्या इससे महाराष्ट्र की राजनीति में कोई नया मोड़ आएगा?

लम्बे समय तक लड़ते रहे इन चचेरे भाइयों के एक साथ आने की संभावना की खबरें जून से ही शुरु हो गई थीं, जब कक्षा 1 से 5 तक हिंदी को अनिवार्य तीसरी भाषा बनाने के महायुति सरकार के फैसले का विरोध करने के लिए उद्धव और राज एक ही मंच पर दिखाई दिए थे। हालांकि भाजपा नेताओं ने यह सफाई देने की कोशिश की थी कि हिंदी सम्बन्धी फैसले को जानबूझकर गलत तरीके से पेश किया जा रहा है, लेकिन दोनों ठाकरे भाइयों ने इस मुद्दे को "मराठी मानूस" के नारे के साथ जोड़ दिया और अपने राजनीतिक भविष्य को फिर से मजबूत करने के मकसद से पूरी तरह भुना लिया।

पिछले विधानसभा चुनावों में शिवसेना यूबीटी और राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना, दोनों को करारी हार मिली थी। हाल ही में, 286 नगरपालिकाओं और नगर पंचायतों में हुए स्थानीय निकाय चुनावों में भी दोनों दलों को ऐसा ही झटका लगा। ऐसे में सवाल यह है कि क्या यह नई एकजुटता ठाकरे भाइयों की किस्मत फिर से बदल पाएगी?

इसका जवाब तो 16 जनवरी को तब मिलेगा, जब नगर निगम चुनावों के नतीजे आएंगे, लेकिन इतना साफ दिखाई दे रहा है कि उद्धव और राज के साथ आने से उन्हें लड़ने का एक नया और बेहतर मौका जरूर मिला है।

इस मेल-मिलाप का सीधा असर यह हुआ है कि महाविकास अघाड़ी में कांग्रेस अलग-थलग पड़ गई है और अब वह निगम चुनाव अपने दम ही पर लड़ेगी। बीएमसी चुनावों में ठाकरे भाइयों की सफलता के आधार पर, आगे और भी बदलाव हो सकते हैं। मसलन, एनसीपी के शरद पवार और अजित पवार गुटों के एक होने की संभावना पर भी चर्चा चल रही है। वहीं, उद्धव ठाकरे ने शिंदे गुट की शिवसेना के असंतुष्ट नेताओं से भी घर वापसी कर, मूल शिवसेना में शामिल होने की अपील की है। कुल मिलाकर, राज्य की राजनीति में नए सिरे से शक्ति संतुलन बनने की संभावनाएँ खुल गई हैं।

भाजपा ने इस घटनाक्रम को ज़्यादा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'मैं दिल्ली में दो दिन भी रहता हूँ तो इन्फैक्शन हो जाता है'

केन्द्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने दिल्ली के प्रदूषण पर रोष जताया और पूछा, आखिर दिल्ली में इतना प्रदूषण क्यों है

- उन्होंने कहा, मैं परिवहन मंत्री हूँ, 40 प्रतिशत प्रदूषण तो हमारे कारण है, जीवाश्म ईंधन (पैट्रोल डीज़ल आदि) के कारण है, हम हर साल 22 लाख करोड़ रूपए का पैट्रोल डीज़ल आयात करते हैं, यह कैसा राष्ट्रवाद है, क्या हम वैकल्पिक ईंधन और बायो फ्यूल का इस्तेमाल कर आत्मनिर्भर भारत नहीं बना सकते हैं।
- गडकरी ने पत्रकार उदय मुहरकर की किताब "माय आईडिया ऑफ नेशन फर्स्टः रीडिफाईनिंग अनएलॉयड नैशनलिज़्म" के विमोचन के दौरान यह बयान दिया।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 दिसम्बर। दिल्ली की जहरीली हवा पर सत्तारूढ़ भाजपा के भीतर से भी कड़ी टिप्पणियाँ आई हैं। केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में दो दिन रहने से उन्हें इन्फ्रैक्शन हो जाता है।

वरिष्ठ पत्रकार उदय महुरकर की किताब 'माई आइडिया ऑफ नेशन फर्स्टः रीडिफाइनिंग अनएलायड नेशनलिज़्म' के विमोचन के अवसर पर गडकरी ने कहा कि आज का सबसे बड़ा राष्ट्रवाद यह होगा कि हम देश के निर्यात को बढ़ाएं और आयात को घटाएं। उन्होंने कहा, "मैं (दिल्ली में) केवल दो दिन रहूं, तो मुझे संक्रमण हो जाता है। दिल्ली प्रदूषण से क्यों जूझ रही है?"

उन्होंने कहा, "मैं परिवहन मंत्री हूं, 40 प्रतिशत प्रदूषण हमारे कारण है... जीवाश्म ईंधन के कारण। हम 22 लाख करोड़ रुपये जीवाश्म ईंधन आयात करने और प्रदूषण बढ़ाने पर खर्च कर रहे हैं। यह किस तरह का राष्ट्रवाद है?" उन्होंने अफसोस जताया कि लोग ईको-फ्रेंडली प्रौद्योगिकियों को अपनाने के लिए तैयार नहीं हैं। उन्होंने प्रश्न किया, "क्या हम वैकल्पिक ईंधन और जैव ईंधन को काम में लेकर आत्मनिर्भर भारत नहीं बना सकते?"

एक अन्य महत्वपूर्ण टिप्पणी में गडकरी ने कहा कि यह कहना गलत है कि हर मुस्लिम आतंकवादी होता है। उन्होंने कहा, इस चीज का वर्गीकरण या ग्रेड-निर्धारण होना चाहिये कि कोई व्यक्ति कितना कट्टर तथा जहरीला है। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम हमारे आदर्श हैं; डॉ. कलाम जैसे लोगों की संख्या बढ़ानी होगी। शिक्षा को उनके पास

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सरकार ने किया बांके बिहारी मंदिर का अधिग्रहण

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 दिसंबर। 22 दिसंबर, 2025 को उत्तर प्रदेश सरकार ने बांके बिहारी मंदिर ट्रस्ट एक्ट को आधिकारिक रूप से अधिसूचित कर दिया। मथुरा जिले के वृंदावन का बांक बिहारी मंदिर भारत के सबसे पवित्र कृष्ण मंदिरों में से एक है और अब यह मंदिर सरकार के नियंत्रण में आ गया है।

- यूपी सरकार ने यह अधिग्रहण बांके बिहारी टैम्पल ट्रस्ट एक्ट के प्रावधानों के तहत किया है, हालांकि हिंदू एक्टिविस्ट इसे धार्मिक स्वायत्तता का उल्लंघन बता रहे हैं।

हिंदू राइट्स ऐक्टिविस्ट्स का कहना है कि यह सरकार का हस्तक्षेप है, धार्मिक स्वायत्तता का उल्लंघन है, एक खतरनाक मिसाल की शुरुआत है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

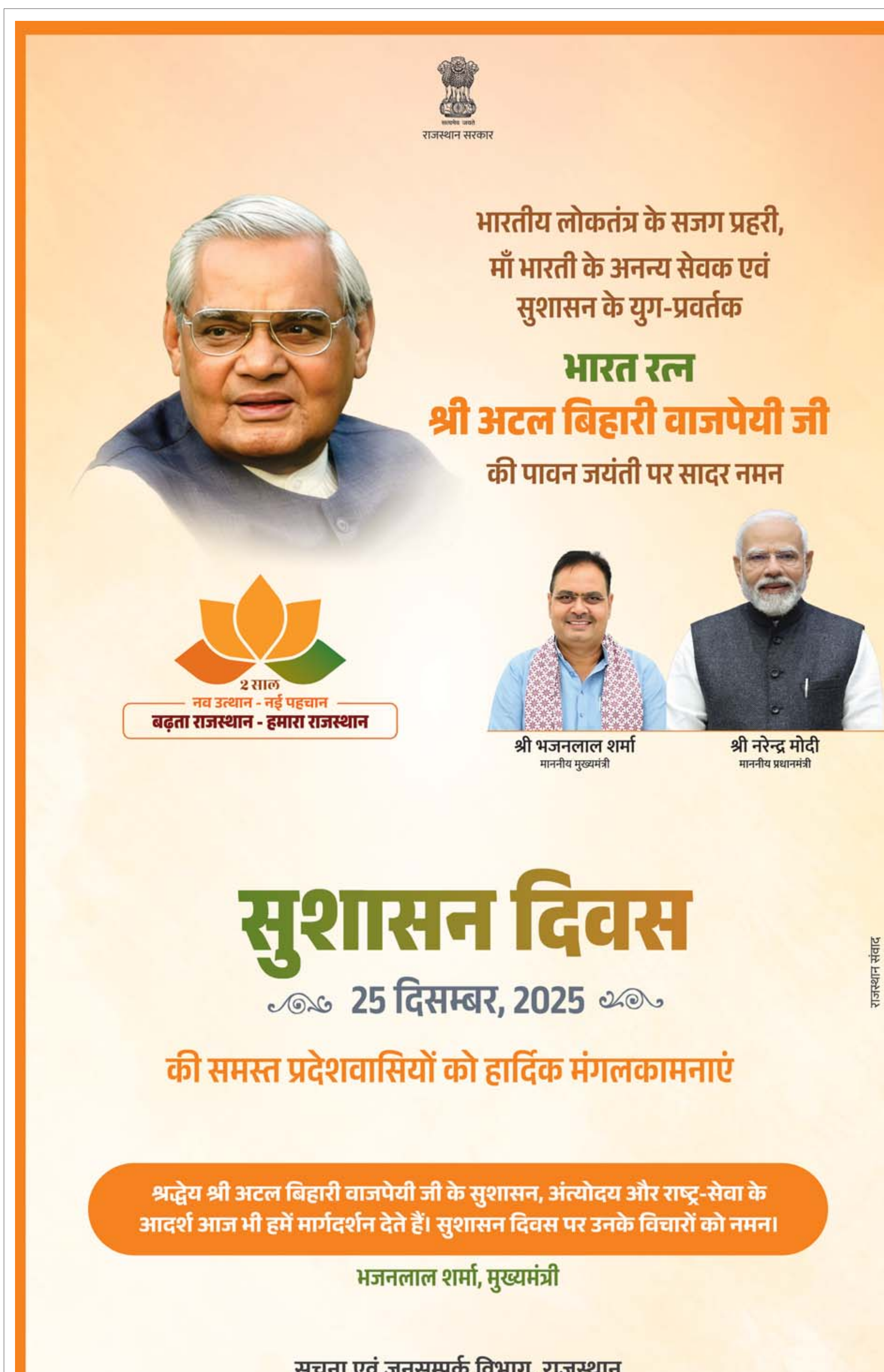

राहुल-प्रियंका-सचिन की तिकड़ी 2029 के लिए?

वेणुगोपाल द्वारा "ऑपरेशन केरल" की जिम्मेवारी के लिए उन्हें भेजने का आग्रह करने से, तिकड़ी की चर्चा जोरों से शुरु हुई एआईसीसी में

- अशोक गहलोत, अजय माकन और दिग्विजय सिंह जैसे नेताओं ने रिक्त संगठन महासचिव पद पाने की पूरजोर इच्छा जताई, लेकिन भाजपा, द्वारा 45 वर्षीय नितिन नबीन को पार्टी अध्यक्ष बनाने के बाद कांग्रेस की मजबूरी हो गई है कि संगठन महासचिव की जिम्मेवारी युवा नेता को दी जाए। अतः सचिन पायलट का नाम पुराने नेताओं को पसंद आ रहा है।
- पुराने नेता, "जय जगत" नेताओं के पुराने लेफ्ट-ऑफ-सैंटर चिंतन को अब पूरी तरह समय संगत नहीं मानते। इन "जय जगत" नेताओं में मीनाक्षी नटराजन, अल्लावेरू, शशिकांत सेन्थिल, सचिन राव, भंवर जितेन्द्र सिंह प्रमुख हैं।
- माना जा रहा है कि कांग्रेस कोई भी नया काम करने से पहले मलमास, जो 14 जनवरी को समाप्त हो रहा है, के खत्म होने का इंतज़ार कर रही है, क्योंकि प्रियंका गांधी को एआईसीसी के चुनाव प्रबंधन विभाग का कर्ता-धर्ता नियुक्त करने का लैटर तो कई सप्ताह से तैयार है।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 दिसंबर। ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के महासचिव, संगठन प्रभारी (जीएसओ), केसी वेणुगोपाल ने कथित रूप से राहुल गांधी से अनुरोध किया है कि उन्हें "मिशन केरल" सौंपा जाए और 2019 से वे संगठन महासचिव की जो जिम्मेदारियाँ निभा रहे हैं, उनसे उन्हें मुक्त किया जाए। जबकि यह सवाल खड़ा है कि क्या वेणुगोपाल, मई 2026 में होने वाले केरल चुनावों के लिए मुख्यमंत्री पद के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

दया और सत्यता परस्पर मिलते हैं, धर्म और शांति एक-दूसरे का साथ देतें हैं। –बाइबल

राज के दो साल : पर्यटन उद्योग को आर्थिक विकास के अनुकूल प्रोत्साहित करने की जरूरत

राजस्थान की परंपरा, आस्था, धर्म और संस्कृति की अपनी अलग ही अनूठी पहचान है। यहां ऐतिहासिक और धार्मिक स्थलों की भरमार है। बहुत से मंदिर या धार्मिक स्थल ऐसे हैं जिसके दर्शन के लिए श्रद्धालु जन सैंकडों.हजारों मील की दूरी का सफर तय कर आते हैं। पर्यटन आज देश और दुनिया का सबसे बड़ा उद्योग बन गया है। किसी भी देश की अर्थव्यवस्था में वहां का पर्यटन उद्योग रीढ़ की हड्डी होता है। उस क्षेत्र में देश.विदेश से आने वाले पर्यटकों से ही वहां के सभी उद्योग संचालित होते हैं। पर्यटन से जीवन में शांति मिलती है। पर्यटन का असर सिर्फ आर्थिक विकास पर ही नहीं बल्कि सांस्कृतिक, सामाजिक और राजनैतिक विकास पर भी पड़ता है।

राजस्थान की प्राकृतिक, सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक धरोहर, उसे पर्यटन की दृष्टि से अति महत्वपूर्ण क्षेत्र बनाती है। राजस्थान में पर्यटन क्षेत्र को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की दिशा में राज्य सरकार ने व्यापक योजना पर काम शुरू कर दिया है। राज्य में पर्यटन के क्षेत्र मंम असीम संभावनाएं हैं, इन्हीं को तराशने का कार्य राज्य सरकार कर रही है।प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के "विकास भी, विरासत भी" के मूल मंत्र के साथ राज्य सरकार ने गत दो वर्षों में प्रदेश के सांस्कृतिक और ऐतिहासिक गौरव को और समृद्ध करते हुए पर्यटन उद्योग को नई पहचान दी है। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया है कि राजस्थान में पर्यटन के लिए आने वाले देशी-विदेशी पर्यटकों को स्तरीय सुविधाओं के साथ-साथ सुरक्षित और अच्छा वातावरण मिले और वे अपने साथ सुखद अनुभव लेकर जाएँ। पर्यटन देश की अर्थव्यवस्था के लिए एक महत्वपूर्ण आय उत्पादक है। देश की सभ्यता, संस्कृति, सामाजिक, राजनीतिक तथा आर्थिक मूल्यों को बढ़ाता है और उनका आदान-प्रदान करता है। पर्यटन के माध्यम से ही लोगो को एक-दूसरे को समझने की समझ बढ़ती है। किसी भी राज्य के लिए पर्यटन और पर्यटक दोनों महत्वपूर्ण होते हैं। पर्यटन का प्रभाव समाज पर पड़ता है। क्योंकि पर्यटक जहां जाता है वहां के समाज की सामान्य स्थिति को स्वीकार कर लेता है। ठीक वैसे ही विदेशी पर्यटक भी जिस क्षेत्र में जाते हैं, उस क्षेत्र की वेश-भूषा, खान-पान, सामाजिक क्रियाओं में घुल-मिल जाते हैं। आज पर्यटन सिर्फ सैर-सपाटे तक ही सीमित नहीं है, उसमें स्वास्थ्य-लाभ, रोमांच, खेलकूद, सांस्कृतिक महत्व और आर्थिक महत्व सब कुछ जुड़ चुका है।

पर्यटन विभाग के मुताबिक राजस्थान अपने विविध पर्यटन उत्पादों, आधुनिक बुनियादी ढांचे और सरकार की दूरदर्शी नीतियों के कारण घरेलू यात्रियों की पहली पसंद बनता जा रहा है। रोड ट्रिप टूरिज्म, कॉन्सर्ट टूरिज्म, वीकेंड गेटवे, धार्मिक पर्यटन और एमआईसीई इवेंट्स के बढ़ते प्रभाव से प्रदेश का पर्यटन उद्योग लगातार नई बुलंदियों को छू रहा है। राजस्थान पर्यटन के क्षेत्र में काफी समृद्धशाली राज्य है। यहाँ के किले, हवेलियाँ, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहर मेले, महल, झीलें, पर्यटकों को बरबस अपनी ओर आकर्षित कर रही है। राजस्थान का पर्यटन के क्षेत्र में विश्व में प्रमुख स्थान है। पर्यटन राज्य के रूप में प्रदेश ने विश्व मानचित्र में अपनी अनूठी पहचान बनाई है। राज्य में पर्यटन के विकास के लिए किये जा रहे सतत प्रयासों का परिणाम है कि वर्ष 2024 में देशी पर्यटकों की संख्या में 28.50 प्रतिशत तथा विदेशी पर्यटकों की संख्या में 21.92 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। इसी प्रकार वर्ष 2025 में अगस्त माह तक, वर्ष 2024 की समान अवधि की तुलना में देशी एवं विदेशी पर्यटक यात्राओं में 11.71 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। पर्यटकों में राजस्थान के प्रति बढ़ते आकर्षण की बानगी है कि वर्ष 2025 में अगस्त तक राज्य में 15 करोड से अधिक देशी पर्यटक तथा लगभग 12 लाख विदेशी पर्यटक राजस्थान आए हैं। पर्यटन के क्षेत्र में राजस्थान देश में पांचवें स्थान पर है। जीडीपी की बात करें तो प्रदेश में पर्यटन व्यवसाय का 12.78 प्रतिशत का महत्वपूर्ण योगदान है।

प्रदेश में भ्रमण के लिए आने वाले मेहमानों को नए अनुभव प्रदान करने तथा हर उम्र के पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए पर्यटन के विभिन्न आयामों को विकसित किया जा रहा है। हैरिटेज, धार्मिक, रूरल, एडवेंचर तथा ईकोटूरिज्म के विकास के लिए राज्य सरकार लगातार काम कर रही है। पर्यटन क्षेत्र में निवेश और रोजगार सृजन को गति देने के लिए 4 दिसम्बर 2024 से राजस्थान पर्यटन इकाई नीति लागू की गई है। इससे प्रदेश में पर्यटन को उद्योग के रूप में विकसित करने की दिशा में तेजी आई है। पर्यटन क्षेत्र से जुड़े निवेशकों एवं उद्यिमयों को लाभ मिलने से निजी क्षेत्र में नई पर्यटन इकाइयों की स्थापना को प्रोत्साहन मिल रहा है। साथ ही युवाओं के लिए रोजगार के नित नए अवसर सृजित हो रहे हैं।

हमारी विरासत आज भी ग्रामीण क्षेत्रों में बिखरी पड़ी है जिन्हें संरक्षित सहेजना चुनौतीपूर्ण है। ग्रामीण अंचलों में ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक विरासतों की भरमार है। इस विरासतों की सार संभाल के साथ इन्हें ग्रामीण पर्यटन से जोड़ दिया जाए तो ना केवल क्षेत्र का समुचित विकास हो सकेगा। वहीं इन विरासतों को नए मायने मिलने से बड़ा पर्यटन सर्किट विकसित हो सकता है। जिससे क्षेत्र की कायापलट हो सकती है।

राज्य सरकार द्वारा राजस्थान के गौरवशाली इतिहास, संस्कृति और आस्था को एक सूत्र में पिरोते हुए महाराणा प्रताप टूरिस्ट सर्किट और ट्राइबल टूरिस्ट सर्किट को 100- 100 करोड़ रुपये की लागत से विकसित किया जा रहा है। महाराणा प्रताप टूरिस्ट सर्किट के अंतर्गत महाराणा प्रताप से जुड़े चावंड, हल्दीघाटी, गोगुंदा, कुंभलगढ़, दिवेर और उदयपुर जैसे ऐतिहासिक स्थलों को शामिल किया जाएगा। वहीं जनजातीय संस्कृति, कला और विरासत के संरक्षण और संवर्धन के लिए विकसित किये जा रहे ट्राइबल टूरिस्ट सर्किट के तहत सीतामाता अभयारण्य, ऋषभदेव, गौतमेश्वर मंदिर और मातृकुंडिया जैसे स्थलों को विकसित किया जा रहा है। इसके अलावा ब्रज चौरासी परिक्रमा और कृष्ण गमन पथ जैसा परियोजनाओं का कार्य भी किया जा रहा है।

प्रदेश में प्राचीन और ऐतिहासिक धर्म स्थलों की यात्रा के लिए हर साल देश-विदेश से लाखों लोग आते हैं। इन यात्रियों को और अधिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा धार्मिक पर्यटन की दिशा में भी अभूतपूर्व कार्य किये जा रहे हैं। विश्व प्रसिद्ध तीर्थ स्थल खाटूश्यामजी, पुष्कर, नाथद्वारा, श्री महावीर जी और गलता तीर्थ को जोड़ते हुए एक समग्र धार्मिक पर्यटन सर्किट विकसित किया जा रहा है।

राजस्थान में बॉर्डर टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए जैसलमेर जिले में तनोट माता मंदिर के विकास हेतु डीपीआर तैयार की जा रही है तथा भारत-पाक सीमा पर बीएसएफ रिट्रीटसेरेमनी के आयोजन के लिए तनोट में कॉम्पलेक्स का निर्माण कार्य प्रगति पर है। हेरिटेज संरक्षण की दिशा में राज्य सरकार द्वारा शेखावाटी हवेली संरक्षण योजना लागू की गई है, जिसके अंतर्गत झुंझुनूं, सीकर और चूरू जिलों की 662 हवेलियों को संरक्षण हेतु चिह्नित किया गया है। इसके साथ ही राज्य में अब तक 62 नई हेरिटेज होटल एवं सम्पत्तियों को हेरिटेज प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए हैं।

राजस्थान अपनी ऐतिहासिक धरोहरों, स्थापत्य कला, लोक संस्कृति, रंग-बिरंगे उत्सवों, मेलो - ठेलो और प्राकृतिक विविधताओं के कारण भारत ही नहीं, विश्व में एक प्रमुख पर्यटन स्थल है। हैरिटेज इमारतों, हैरिटेड होटलों, शाही किलों, महलों और रेतीले टीलों और यहां की मेहमाननवाजी के प्रति आकर्षण के चलते राजस्थान शाही शादियों और फिल्म पर्यटन का एक प्रमुख केंद्र बन गया है। इसे देखते हुए राज्य सरकार ने प्रदेश में डेस्टिनेशन वेडिंग और फिल्म पर्यटन उद्योग को बढ़ावा देने के लिए कई कार्य किये हैं। फिल्म पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए वर्ष 2024 एवं 2025 में फिल्मांकन, डॉक्यूमेंट्री और विज्ञापन शूटिंग हेतु 86 अनुमतियां जारी की गईं। इसके अतिरिक्त, प्रतिष्ठित आईफा अवार्ड के 25वें समारोह का आयोजन भी 7 से 9 मार्च 2025 को जयपुर में किया गया, जिससे राजस्थान को वैश्विक स्तर पर व्यापक पहचान प्राप्त हुई। पहली बार जयपुर में "Wed in India Expo" का आयोजन किया गया, जिससे राज्य में वेडिंग टूरिज्म को नई पहचान मिली है। प्रदेश में विश्व स्तरीय स्वास्थ्य सुविधाओं के चलते यहां पारम्परिक पर्यटन से इतर वेलनेसटूरिज्म के प्रति भी लोगों का आकर्षण बढ़ा है। राज्य की सांस्कृतिक विरासत को जन-जन तक पहुंचाने के लिए इस वर्ष सभी संभाग मुख्यालयों पर पहली बार भव्य स्तर पर घूमर फेस्टिवल का आयोजन किया गया। जयपुर के पौण्ड्रिक पार्क में महिलाओं के लिए विशेष तीज मेले का भी प्रथम बार आयोजन हुआ। राज्य सरकार द्वारा 17 दिसम्बर 2024 को प्रारम्भ की गई पंच गौरव योजना जिलों की विशेषताओं को वैश्विक मंच पर लाने की अभूतपूर्व पहल है। इस योजना के अंतर्गत 550 करोड़ रुपये के बजट से प्रत्येक जिले को उसकी विशिष्ट पहचान के आधार पर विकसित किया जा रहा है, जिससे जिले अपनी सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और स्थानीय विशेषताओं के माध्यम से अपनी विशिष्ट पहचान बना सकें।

हमारी विरासत आज भी ग्रामीण क्षेत्रों में बिखरी पड़ी है जिन्हें संरक्षित सहेजना चुनौतीपूर्ण है। ग्रामीण अंचलों में ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक विरासतों की भरमार है। इस विरासतों की सार संभाल के साथ इन्हें ग्रामीण पर्यटन से जोड़ दिया जाए तो ना केवल क्षेत्र का समुचित विकास हो सकेगा। वहीं इन विरासतों को नए मायने मिलने से बड़ा पर्यटन सर्किट विकसित हो सकता है। जिससे क्षेत्र की कायापलट हो सकती है। इससे एक तरफ जहाँ हमारी अमूल्य विरासत संरक्षित होगी वहां दो हाथों को रोजगार मिलेगा। आज आवश्यकता इस बात कि है कि राजस्थान में पर्यटन को रोजगारोन्मुखी बनाने के लिये मूलभूत सुविधाएं विकसित कर समाज के हर तबके को इससे जोड़ा जाये। मगर यह तभी संभव है जब पर्यटन स्थलों को सुरक्षा के लिहाज से सुरक्षित बनाने के साथ आवागमन की सुविधा सुगम हो।

–अतिथि संपादक,
बालमुकुन्द ओझा
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

'हार नहीं मानूँगा' अटल जी की वो गूँज जो आज भी देश को प्रेरित कर रही है...

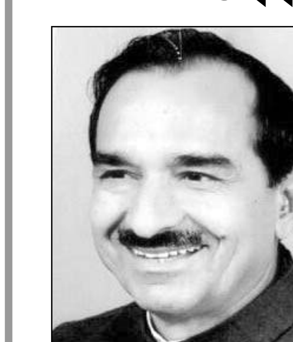

मदन राठौड़

मैं हार नहीं मानूँगा,
रार नहीं ठानूँगा,
काल के कपाल पर
लिखता-मिटाता हूँ,
गीत नया गाता हूँ।

अटल जी के ये शब्द उस अटल इरादे की गूँज हैं जो कभी झुका नहीं। भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी का जीवन संघर्ष, समर्पण और सृजन का ऐसा संगम था, जो हम सबके लिए आज भी प्रेरणा स्त्रोत है। आज, 25 दिसंबर को उनकी 101वीं जयंती पर पूरा देश उन्हें याद कर रहा है। यह दिन भारतीय राजनीति और जनमानस के लिए सुशासन का अटल दिवस बन चुका है। अटल जी की सौम्यता, शिष्टाचार और शालीनता ने करोड़ों भारतीयों के दिलों में जगह बनाई। पूरा देश उनकी राजनीति और योगदान के प्रति कृतज्ञ है। वे करिश्माई नेता थे, जिनकी कालजयी कविताएँ और सारगर्भित भाषण आज भी जीवंत हैं। शब्दों के जादूगर और विचारों के क्रांतिकारी थे अटल जी।

अटल बिहारी वाजपेयी का जन्म 25 दिसंबर 1924 को ग्वालियर में एक साधारण परिवार में हुआ। सामान्य परिवार से निकलकर वे सुशासन का मॉडल बने, भविष्य के भारत के कल्पना पुरुष। बचपन से ही राष्ट्रभक्ति की भावना उनके रग-रग में थी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़ाव ने उनकी नींव मजबूत की। 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन में जेल गए, लेकिन हार नहीं मानी। पत्रकारिता से राजनीति तक का सफर तय करते हुए उन्होंने भारतीय जनसंघ और फिर भाजपा को मजबूती दी। जब कांग्रेस का विकल्प बनना आसान नहीं था, तब लालकृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी जैसे साथियों के साथ मिलकर उन्होंने पार्टी को चुनौतियों से निकालकर सफलता के सोपान तक पहुँचाया। उन्होंने राष्ट्र को सर्वोपरि माना - दल से बड़ा देश, संगठन से बड़ा संविधान।

1998 का वह दौर याद कीजिए, जब देश राजनीतिक अस्थिरता की चपेट में था। नौ वर्षों में चार लोकसभा चुनाव हो चुके थे। सत्ता की अस्थिरता ने जनता को निराश किया था। ऐसे में अटल जी ने प्रधानमंत्री का पद संभाला और देश को स्थिर सरकार दी। लेकिन उनकी राजनीति सत्ता की लालसा से परे थी। 1996 में लोकसभा में उन्होंने कहा था, मैं उस सत्ता को चिमटे से भी नहीं छूऊंगा, जो पार्टी तोड़कर और जोड़-तोड़ से नया गठबंधन बनाकर मिले। और उन्होंने जोड़-तोड़ की राजनीति से दूर रहकर पीएम पद से इस्तीफा दे दिया। 1999 में राजनीतिक षड्यंत्रों के कारण मात्र एक वोट के अंतर से सरकार गिरी, लेकिन उन्होंने लोकतंत्र की मर्यादा को बरकरार रखा। कांग्रेस ने उन्हें गद्दार कहा, फिर भी उन्होंने अपनी शालीनता नहीं छोड़ी, अमर्यादित शब्दों का प्रयोग नहीं किया।

अटल जी की बोलने की कला अद्भुत थी। विरोधी भी उनके भाषणों के मुरीद थे। उनका कथन - सरकारें आएंगी, जाएंगी; पार्टियाँ बनेंगी, बिगड़ेंगी; मगर देश रहना चाहिए - राष्ट्रभक्ति की मिसाल है। जनवरी 2004 में विश्व शांति सम्मेलन में उन्होंने कहा, भारत अपने लंबे इतिहास में कभी आक्रमणकारी या तानाशाही नहीं रहा। वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना से प्राणी मात्र के कल्याण की आकांक्षा रखता है संयुक्त राष्ट्र में हिंदी में भाषण देकर उन्होंने भारतीय भाषा की गरिमा को वैश्विक पटल पर स्थापित किया। आपातकाल के दौरान जेल में रहते हुए उन्होंने कैदी कविराय की कुंडलियां समेत कई कविता संग्रह लिखे। उनकी प्रसिद्ध कविता छोटे मन से कोई बड़ा नहीं होता, टूटे मन से कोई खड़ा नहीं होता संघर्ष के दौर में लाखों को प्रेरित करती है। वे लोगों को सिखाते थे कि सरकारें उम्मीदों पर खरी उतरें, न कि निराश करें।

अटल सरकार की उपलब्धियाँ भारत के इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में अंकित हैं। 11 मई 1998 को पोखरण में परमाणु परीक्षण ने भारत को गौरान्वित किया। एनडीए सरकार बनने के कुछ दिन बाद ही यह परीक्षण हुआ, और अटल जी ने किसी अंतरराष्ट्रीय दबाव की परवाह नहीं की। कारगिल युद्ध का दौर, सुरक्षा चुनौतियाँ, संसद पर आतंकवादी हमला इन सबमें अटल जी का नेतृत्व अडिग रहा। उन्होंने राष्ट्रभक्ति को कार्य में उतारा, भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई का चेहरा बने। आईटी और दूरसंचार को बढ़ावा देकर तकनीक को आम आदमी तक पहुँचाया। स्वर्णिम चतुर्भुज योजना ने महानगरों को एक सूत्र में जोड़ा। सर्व शिक्षा अभियान से सभी को शिक्षा सुलभ हुई। गरीबों के कल्याण में समर्पित उनकी सरकार ने विकास दर में ऐतिहासिक प्रगति दर्ज की। पूरे विश्व में अटल सरकार के सुशासन का डंका बजा।

अटल जी ने 1984 में भविष्यवाणी की थी अंधेरा छटेगा, सूरज निकलेगा, कमल खिलेगा। और यह सब सच साबित हुआ। उनकी सादगी और शालीनता की मिसाल आज भी प्रासंगिक है। शासन में सुधार के उनके प्रयास जनता के जीवन में प्रतिबिंबित हुए। उन्होंने सुशासन की नींव डाली, जिसे आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी आगे बढ़ा रहे हैं। मोदी सरकार अटल जी के सपनों को साकार कर रही है एक सशक्त समाज और सशक्त राष्ट्र का निर्माण, जहां भ्रष्टाचार का कोई स्थान नहीं। अटल जी सदैव अटल हैं, उन्होंने संवैधानिक मूल्यों को सुरक्षित रखा, देश को नई दिशा और प्रगति दी।

आज जब हम उनकी जन्म शताब्दी के एक वर्ष बाद 101वीं जयंती मना रहे हैं, तो लगता है कि वे हमारे बीच ही हैं अपनी कविताओं में, अपने योगदान में, अपनी मुस्कान में। उन्होंने सिखाया कि जीवन बंजारों का डेरा है आज यहां, कल वहां लेकिन दिशा हमेशा राष्ट्र की ओर हो। अटल जी का जीवन हमें बताता है कि छोटे मन से बड़ा नहीं हुआ जा सकता, टूटे मन से खड़ा नहीं रहा जा सकता। वे भविष्य के भारत के कल्पना पुरुष थे, जिन्होंने तकनीक को आमजन तक पहुँचाया, शिक्षा को समावेशी बनाया और सुरक्षा को मजबूत किया।

अंत में, अटल जी को श्रद्धांजलि देते हुए कहना चाहूंगा कि वे अमर हैं। उनकी विरासत हमें प्रेरित करती है। 25 दिसंबर का यह दिन हमें संकल्प दिलाता है कि हम उनके सुशासन के पथ पर चलें, राष्ट्र को मजबूत बनाएँ। अटल सदैव अटल यह मंत्र हमारे दिलों में बसा रहे। भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी को कोटि-कोटि नमन!

–मदन राठौड़,
प्रदेश अध्यक्ष, भारतीय जनता पार्टी राजस्थान

वाक् चातुर्य के धनी जन-जन के नायक अटल बिहारी वाजपेयी

डॉ. जे.के. गर्ग

वाक् चातुर्य के धनी राष्ट्र भक्त मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम की संकल्प शक्ति, योगीराज भगवान श्रीकृष्ण की राजनीतिक कुशलता चातुर्य एवं कूटनीति और आचार्य चाणक्य की निश्चयात्मिका बुद्धि के धनी राजनीतिज्ञ व्यक्तियों में जन नायक अटल बिहारी का नाम सम्मान के साथ लिया जाता हैं क्योकिं अटल जी ने अपने जीवन का प्रत्येक क्षण राष्ट्र सेवा हेतु अर्पित किया था। उनका तो मन्त्र था देश के लिए जियें और देश के लिए ही मरें, भारत माता का कण-कण शंकर है, वहीं पानी की बूंद-बूंद गंगाजल है ।अटल बिहारी वाजपेयी ने कहा था कि भारत जमीन का टुकडा नहीं, भारत तो जीता-जागता राष्ट्रपुरुष है। हिमालय इसका मस्तक है, गौरीशंकर इसकी शिखा है । कश्मीर किरीट है, पंजाब और बंगाल दो विशाल कंधे हैं। दिल्ली इसका दिल है । विन्ध्याचल कटि है, नर्मदा करधनी है । पूर्वी और पश्चिमी घाट इसकी दो विशाल जंघाएं हैं । कन्याकुमारी इसके चरण हैं, सागर इसके पग पखारता है । पावस के काले-काले मेघ इसके कुंतल केश हैं। चांद और सूरज इसकी आरती उतारते हैं, मलयानिल चंवर घुलता है । यह वन्दन की भूमि है, अभिनन्दन की भूमि है । यह तर्पण की भूमि है, यह अर्पण की भूमि है । इसका कंकर-कंकर शंकर है, इसका बिंदु-बिंदु गंगाजल है। हम जिएंगे तो इसके लिए, मरेंगे तो इसके लिए। उन्होंने बतलाया कि हिन्दू धर्म तथा संस्कृति की एक बड़ी विशेषता समय के साथ बदलने की उसकी क्षमता रही है । अटलबिहारी वाजपेयी कहा करते थे कि मनुष्य जीवन अनमोल निधि है, पुण्य का प्रसाद है । हम केवल अपने लिए न जिए, औरों के लिए भी जिए। जीवन जीना एक कला है, एक विज्ञान है । दोनों का समन्वय आवश्यक है उन्होंने अनेको बार कहा है कि भारत के लिए हँसते-हँसते प्राण न्योछावर करने में मैं गर्व का अनुभव करूँगा।

अटल बिहारी जी का जन्म ग्वालियर में 25 दिसम्बर 1924 को हुआ था उनके माता पिता कृष्ण बिहारी वाजपेयी एव कृष्णा वाजपेयी था । रामचंद्र वीर द्वारा रचित अमर कृति "विजय पताका" पढ़ कर अटल जी के जीवन की दिशा ही बदल गयी। अटल जी की बी॰ए॰ की शिक्षा ग्वालियर के विक्टोरिया कॉलेज में हुई। अटलजी ने राजनीति शास्त्र से प्रथम श्रेणी में एम.ए. की परीक्षा उत्तीर्ण की। एलएलबी की पढ़ाई को बीच में ही विराम देकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के काम में लग गए। भारतीय जनसंघ के संस्थापक सदस्यों में से अटल जी भी प्रमुख नेताओं में थे। उन्होंने लम्बे समय तक पत्रकारिता करते हुए राष्ट्रधर्म, पांचजन्य और वीर अर्जुन आदि अनेक पत्र-पत्रिकाओं के संपादक के रूप में कार्य किया। अटल बिहारी ने अपना सार्वजनिक जीवन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक के रूप में आजीवन अविवाहित रहने का संकल्प लेकर प्रारम्भ किया । अटलबिहारी जी खुद कहा था कि वे विवाहित तो है किन्तु ब्रह्मचारी नहीं है यह उनके स्पष्टवादिता का प्रतीक है। सन् 1942 में जब गांधी जी ने 'अँठोजों भारत छोड़ो' का नारा दिया तो ग्वालियर भी अगस्त क्रांति की लपटों में आ गया। छात्र वर्ग आंदोलन की अगुवाई कर रहा था। अटलजी तो सबके आगे ही रहते थे। जब आंदोलन ने उठा रूप धारण कर लिया तो पकड़-धकड़ होने लगी। अटल जी पुलिस की चपेट में आ गए। उस समय वे नाबालिग थे। इसलिए उन्हें आगरा जेल की बच्चा बैरक में रखा गया। चौबीस दिनों की अपनी इस अल्प प्रथम जेल यात्रा के संस्मरण वे हँस-हँसकर सुनाते थे।

अटलजी जब विदेश मंत्री बने तो विभाग के अधिकारीयों ने उनके कक्ष से प्रथम प्रधानमंत्री नेहरुजी की फोटो को हटाने पर उन्हें प्रताड़ित करते हुये उनसे कहा कि परम्परा की पालना बंगलादेश के मुक्ति संगर्ष के वक्त इन्दिता जी नी ने संयक्त राष्ट्र संघ में जान वाले प्रति मंडल का नेत्रत्व सोपा बात उन दिनों की है जब राजीव गाँधी प्रधान मंत्री थ जब उन्हें यह मालुम हुआ की अटल जी असाध्य रोग से पीड़ित हैं तब राजीव ने उन्हें बुलाकर कहा के वो उनको अमेरिका जन वाले प्प्रितम्न्दल्र्ट के सदस्य क्र रूप में भेज रहे है जिससे आपका इलाज अमरीका में राजकीय कोष से हो सके इसके लिए उन्होंने वहां के भारतीय राजदूत को आदेश दे दिए है ।। 1994 में केंद्र की कांठोस सरकार ने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग में भारत का पक्ष रखने वाले प्रतिनिधिमंडल की नुमाइंदगी विपक्षी नेता अटल जी को सौंपी थी। किसी सरकार का विपक्षी नेता पर इस हद तक भरोसे को पूरी दुनिया में आश्चर्य से देखा गया था । काश: आज के माहोल में ऐसा हो पाता । अटलजी जब विदेश मंत्री बने तो विभाग के अधिकारीयों ने उनके कक्ष से प्रथम प्रधानमंत्री नेहरुजी की फोटो को हटाने पर उन्हें प्रताड़ित करते हुये उनसे कहा कि परम्परा की पालना होनी चाहिये इसलिये नेहरूजीजी का फोटो वापस लगाएँ । वाजपेयी जी ने पाकिस्तान से सामान्य सम्बन्ध बनाने के लिए 19 फरवरी 1999 को लाहौर तक की बस दुवारा सफर किया वाघा बॉर्डर पर तत्कालीन पाक प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने उनका स्वागत किया किन्तु पाकिस्तान ने 3 मई 1999 को कारगिल में अतिक्रमण कर उसे हडपना चाह तब भारत ने उसे करारा जवाब दिया, यह संघर्ष 26 जुलाई तक चला हमारी बहादुर सेना ने कारगिल को अपने कब्जे में ले लिया इसलिए प्रति वर्ष 26 जुलाई को हम कारगिल विजय दिवस के रूप में मनाते हैं । वाजपेयी जी ने पाकिस्तान से पुन:सामान्य सम्बन्ध बनाने के लिए तत्कालीन पाक राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ के साथ आगरा में 14 से 16 जुलाई 2001 तक शिखर वार्ता की किन्तु कोई नतीजा नहीं निकला और पाक अपनी हरकतों से बाज नहीं आयाक। 13दिसम्बर 2001 को संसद पर पाकिस्तान प्रायोजित आतंकी हमला हुआ जिसमें नो लोगों की मृत्यु हो गई । यही आतंकी हमला 2004 के चुनावों में प्रमुख मुद्दा बना और ऍन डी ऐ की पराजय का एक कारण बना।

वाजपेयी जी प्रथम गेर कांठोसी पहले प्रधानमंत्री थे जिन्होंने गठबंधन सरकार को न केवल स्थायित्व दिया अपितु सफलतापूर्वक संचालित भी किया। अपने प्रधानमंत्री कार्यकाल के दौरान परमाणु शक्ति सम्पन्न देशों की संभावित नाराजगी की परवाह नहीं करते हुए राष्ट्र हित में 1998 में दूसरा परमाणु परीक्षण कर राजनीतिक परिपक्वता का परिचय दिया। स्मरणीय है कि उन्होंने इस परमाणु परीक्षण की अमेरिका एवं अन्य विकसित देशों की गुप्तचर एजेंसियों को भनक तक नहीं लगने दा अटल जी ने डॉ॰ श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय और नानाजी देशमुख आदि नेताओं से राजनीति का पाठ पढ़ा था। जनता पार्टी की मोरारजी देसाई की सरकार में वाजपेयी जी सन् 1977 से 1979 तक विदेश मंत्री रहे उन्होंने अपने दायित्व का निर्वाह सफलतापूर्वक किया। अटल जी पहले विदेश मंत्री थे जिन्होंने संयुक्त राष्ट्र संघ में हिन्दी में भाषण देकर देश को एवं हिन्दी को गौरवान्वित किया था। अटल जी की वाणी में सदैव विवेक और संयम होता है। अटल जी के वें 101वें जन्मदिवस पर सभी भारतीय उन के श्रीचरणों में श्रद्धा सुमन अर्पित करते हैं।

डॉ. जे के गर्ग
पूर्व संयुक्त निदेशक
कालेज शिक्षा, जयपुर

विद्यार्थी ऐसे विषयों पर शोध करें, जिनका लाभ देश और समाज को मिले : राज्यपाल

बीकानेर, (कासं)। राज्यपाल एवं महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय के कुलाधिपति हरिभाऊ बागडे ने कहा कि विद्यार्थी शोध के लिए ऐसे विषयों का चयन करें, जिनका देश और समाज को लाभ मिले। साथ ही विद्याथिर्यों की बौद्धिक क्षमता में वृद्धि हो। राज्यपाल बुधवार को महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय के संत मीराबाई सभागार में आयोजित विश्वविद्यालय के दशम दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता कर रहे थे।

राज्यपाल ने कहा कि विद्याथिर्यों के शोध का वृहद स्तर और दीर्घकालीन लाभ मिले। विश्वविद्यालय शिक्षा के केंद्र बनें। विद्याथिर्यों को यहां शिक्षा का बेहतर वातावरण मिले। उन्होंने विश्वविद्यालय परिसरों को साफ-सुथरा, हरा-भरा बनाए रखने और शिक्षकों को भी अपने पद की गरिमा और मर्यादा बनाए रखने का आव्हान किया। राज्यपाल ने संयमित दिनचर्या के महत्व को बताया और विद्याथिर्यों से योग एवं प्राणायाम को दिनचर्या का हिस्सा बनाने का आव्हान किया। उन्होंने कहा कि भारत के युवा अत्यंत प्रतिभाशाली हैं। हमारी बौद्धिक क्षमता का पूरी दुनिया लोहा ने माना है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2004 में भारत, विश्व की 12वीं और वर्ष 2014 में में 11वीं बड़ी अर्थवस्था थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज हम दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनकर उभरे हैं।

राज्यपाल ने विद्याथिर्यों से मां के नाम एक पेड़ लगाने का आव्हान किया और कहा कि पर्यावरण संरक्षण में पौधारोपण का बड़ा योगदान है। उन्होंने कहा कि समाज ने हमें बहुत दिया है। हमें समाज के प्रति निष्ठा रखनी चाहिए। उन्होंने भारत की संस्कृति को समृद्ध बताया और कहा कि राजस्थान सूरों, धर्मात्माओं और संतों की नगरी है। राज्यपाल ने महाराजा गंगा सिंह को दूरदृष्टा बताया और कहा कि उनके भागीरथ प्रयासों से आई गंगनहर ने रेगिस्तान को हरा-भरा किया। उन्होंने महाराजा गंगा सिंह के सैन्य योगदान को भी रेखांकित किया और कहा कि गंगा रिसाला और ऊंटों की सेना ने प्रथम विश्व युद्ध में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

राशिफल

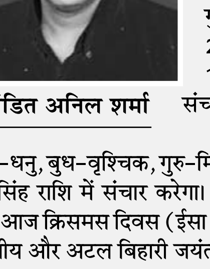

पंडित अनिल शर्मा

गुरूवार 25 दिसम्बर, 2025

राशिफल - 25 दिसंबर 2025 पौष मास, शुक्ल पक्ष, पंचमी तिथि, गुरुवार , वज्र योग विक्रम सम्वत 2082, बालव करण, धनिष्ठा नक्षत्र दिन 1.49 तक चन्द्रमा आज कुम्भ राशि में संचार करेगा।

गृह स्थिति - सूर्य-धनु, चन्द्रमा-कुम्भ, मंगल-धनु, बुध-वृश्चिक, गुरु-मिथुन, शुक्र, धनु, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में संचार करेगा। आज रवियोग प्रात: 8.18 से आरम्भ होगा। आज क्रिसमस दिवस (ईसा जयंती) बड़ा दिन, पंचक आज महामना मालवीय और अटल बिहारी जयंती है। श्रेष्ठ चौघडिया - शुभ-सूर्योदय से 8.15 तक, लाभ-अमृत 11.09 से 12.27 तक, शुभ 4.14 से सूर्यास्त तक राहुकाल - 1.30 से 3.00 तक सूर्योदय 7.17 सूर्यास्त 5.36

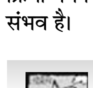

मेष
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक यात्रा संभव है।

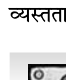

वृष
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी।

मिथुन
आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है। धन हानि का भय है। अनावश्यक धन खर्च हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा।

कर्क
आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है। धन हानि का भय है। अनावश्यक धन खर्च हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा।

सिंह
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आज अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

कन्या
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

तुला
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। व्यावसायिक परेशानियां अभी यथावत बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

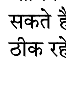

वृश्चिक
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा, उत्सव जैसा माहौल रहेगा। धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

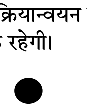

मकर
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक कार्य के लिए यात्रा संभव है। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

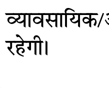

कुंभ
घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

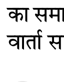

मीन
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

वह अपने खेल के बारे में बहुत ज्यादा सोचते हैं और चीजों में काफी बदलाव करना पसंद करते हैं। लेकिन अगर मुझे उसे कोई सलाह देनी हो तो वह यही होगी कि चीजों को जितना हो सके उतना सरल बनाए रखें। - रिकी पोंटिंग

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान, कैमरून ग्रीन को सलाह देते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी

सूर्यवंशी लिस्ट ए में भारत के सबसे दूसरा तेज शतक बनाने वाले बल्लेबाज तो बने ही, लेकिन इससे बड़ी बात यह रही कि वह लिस्ट (ए) क्रिकेट के इतिहास के करीब 62 साल के इतिहास में सबसे तेज 150 रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए। वैभव ने यह कारनामा सबसे कम उम्र में भी किया। इससे पहले यह कारनामा एबीडी विलियर्स के नाम पर था। एबीडी विलियर्स ने 64 गेंदों पर 150 रन की पारी खेली थी। एबी ने यह कारनामा साल 2015 के विश्व कप में विंडीज के खिलाफ खेले गए मैच में किया था।

क्या आप जानते हैं ?... साउथ अफ्रीका के सबसे खतरनाक गेंदबाजों मेंडेल स्टेन, शॉन पोलक, कगिसो रबाडा और एलन डोनाल्ड जैसे नाम शामिल हैं।

जापानी गोल्फ के दिग्गज जंबो ओजाकी का निधन

टोक्यो, 24 दिसंबर। जापान के सबसे सफल प्रोफेशनल गोल्फर, मसाशी जंबो ओजाकी का 78 साल की उम्र में निधन हो गया है। बीबीसी स्पोर्ट के अनुसार, टी से लंबी दूरी तक शॉट मारने की वजह से जंबो नाम से मशहूर ओजाकी ने जापान टूर पर 94 बार जीत हासिल की और देश की ऑर्डर ऑफ मेरिट में 12 बार टॉप पर रहे। वह लगभग 200 हफ्तों तक गोल्फ की वर्ल्ड रैंकिंग में टॉप 10 में रहे और 2011 में उन्हें वर्ल्ड गोल्फ हॉल ऑफ फ़ेम में शामिल किया गया था। वर्ल्ड गोल्फ हॉल ऑफ़ फ़ेम की वेबसाइट पर उनकी प्रोफ़ाइल में कहा गया है, "हालांकि जापान में गोल्फ लंबे समय से लोकप्रिय रहा है, लेकिन ओज़ाकी ही वे जिन्होंने इस खेल में नई जान फूंकी और उनके आने से देश में इस खेल में अभूतपूर्व विकास हुआ।" ओज़ाकी गोल्फ में आने से पहले एक प्रोफेशनल बेसबॉल खिलाड़ी थे और उन्होंने 1973 में 26 साल की उम्र में अपना पहला टूर्नामेंट जीता था, जबकि उनका आखिरी टूर्नामेंट तब था जब वह 55 साल के थे। उन्होंने द ओपन, मास्टर्स और यूएस ओपन में टॉप 10 में जगह बनाई थी और जब वह जापान से बाहर खेलते थे तो अपने साथ एक सुशी शेफ ले जाते थे "ताकि वह और उनके साथ के लोग अपने देश से बाहर भी घर जैसा महसूस कर सकें"। ओज़ाकी ने सिंगिंग में भी हाथ आजमाया और 1980 के दशक के आखिर में जापानी चार्ट में उनके तीन सिंगल गाने थे। जापान गोल्फ टूर ऑर्गनाइजेशन (जेजीटीओ) की वेबसाइट पर एक बयान में कहा गया है कि ओज़ाकी के बेटे टोमोहरू ने घोषणा की है कि उनके पिता का निधन हो गया है, जिन्हें लगभग एक साल पहले कोलन कैंसर का पता चला था। जेजीटीओ के चेयरमैन युटाका मोरोहोशी ने कहा, "गोल्फ की दुनिया ने एक सच में महान इंसान को खो दिया है।उन्होंने लंबे समय तक पुरुषों की प्रोफ़ेशनल गोल्फ की दुनिया को संभाला और अपनी बेजोड़ ताकत से दूसरों को पीछे छोड़ दिया।"

एसएमएस स्टेडियम पर रोहित का आतिशी शतक

अंडर-19 विजय मर्चेंट ट्रॉफी राजस्थान-छत्तीसगढ़ मैच : राजस्थान को पहली पारी में बढ़त

आरसीए अंडर-14 ट्रॉफी : क्वार्टरफाइनल में जयपुर, जोधपुर, धौलपुर, सीकर जीती, मचूर शर्मा की शतकीय पारी

जयपुर 24 दिसंबर। राजस्थान क्रिकेट संघ की मेजबानी में जयपुर के सवाई मान सिंह स्टेडिएम पर आज खेले गए मुंबई-सिक्किम मैच में विश्वकप विजेता भारतीय टीम के पूर्व कप्तान व देश - विदेश में हिट मैन नाम से रोहित शर्मा के सवाई मान सिंह स्टेडियम में रोहित शर्मा की बल्लेबाजी को देखने आये मौजूद हजारो प्रसंसकों की उपस्थिति में शानदार आतिशी शतक की सहायता से मुंबई ने सिक्किम को हराया।

आरसीए एडहॉक कमेटी के निर्देशानुसार जयपुर के सवाई मान सिंह स्टेडियम सहित अन्य मैदानो पर आरसीए की मेजबानी में आयोजित हो रही बीसीसीआई विजय हजारे एक दिवसीय ट्रॉफी के मैचों के सफल आयोजन व अंतर्राष्ट्रीय खिलाडियों के झलक व उनके खेल को देखने आने वाले हजारों खेल प्रशंसकों के मैच देखने की निशुल्क व्यवस्था, सुरक्षा सहित अन्य सुविधाओं का भी विशेष ध्यान रखा गया। सवाई मान सिंह स्टेडिएम मुंबई- सिक्किम मैच (मुंबई जीती), सिक्किम पारी 236/ 7, मुंबई पारी 237 /2, रोहित शर्मा 155 रन (94 गेंद, 18 चोक्के, 9 छक्के)

अनंत ग्राउडं महाराष्ट्र-पंजाब मैच (पंजाब जीती), पंजाब पारी 347 /6, महाराष्ट्र पारी 296 / 8, 3) के एल सैनी हिमाचल-उत्तराखंड मैच) हिमाचल जीती, हिमाचल पारी 259 आल आउट, उत्तराखंड पारी 164 आल आउट।

जैपुरिया ग्राउंड गोवा-छत्तीसगढ़ मैच (गोवा पारी), छत्तीसगढ़ पारी 233 आल आउट, गोवा पारी 234 / 4

अंडर 19 कूच बिहार ट्रॉफी (राजस्थान-उत्तरप्रदेश मैच) पहला दिन, उत्तरप्रदेश पहली पारी 90 / 2, राजस्थान के गेंदबाज प्रखर शर्मा 26 / 2 विकेट।

अंडर 16 विजय मर्चेंट ट्रॉफी राजस्थान - छत्तीसगढ़ मैच (दूसरे दिन राजस्थान को पहली पारी में बढ़त), छत्तीसगढ़ पहली पारी 192 आल आउट, राजस्थान पहली पारी 211 आल आउट, टीम के लिए अनुराग लखन 67, रोहन चौधरी 47, यश शर्मा 41 व गौरव 26 रन, छत्तीसगढ़ के गेंदबाज यथार्थ 33 / 3 विकेट, छत्तीसगढ़ दूसरी पारी 39 / 2 विकेट।

आरसीए अंडर 14 ट्रॉफी (क्वाटरफाइनल में जयपुर, जोधपुर, धौलपुर, सीकर जीते) मयूर शर्मा का शतक।

जयपुर-नागौर मैच (जयपुर जीती), नागौर पारी 215 / 9, टीम के लिए कार्तिक जावा 84 रन, जयपुर के गेंदबाज अभिषेक बालोत 59 / 2 विकेट, जयपुर पारी 216 / 4, टीम के लिए आदित्य यादव 84, मनवीर सारवणी 54 रन।

अजमेर-धौलपुर (धौलपुर जीती), अजमेर पारी 147 आल आउट, टीम के लिए हेमेश 32 रन, धौलपुर के गेंदबाज पंकज 30 / 3, आयुष 20 / 2, धौलपुर पारी 148 / 6, टीम के लिए समर प्रताप, प्रीत 29-29 रन, अजमेर के गेंदबाज किरीट जोशी 25 / 3 विकेट।

अलवर - जोधपुर मैच (जोधपुर जीती), अलवर पारी 175 आल आउट, टीम के लिए कुश बामनावट 38 रन, जोधपुर के गेंदबाज कुलदीप बिशनोई 34 / 4, तनिष्क 34 / 3 विकेट, जोधपुर पारी 176 / 4, टीम के लिए जसराज सोनी 51, युवराज प्रजापत 50 रन, अलवर के गेंदबाज सूरज सैनी 21 / 2 विकेट।

हनुमानगढ़- सीकर मैच (सीकर जीती), हनुमानगढ़ पारी 203 / 9, विशेष 75 रननसीकर के गेंदबाज काव्यम चौधरी 47 / 3 विकेट, सीकर पारी 204 / 0, टीम के लिए मयूर शर्मा नाबाद 102, मुकुल कौशिक नाबाद 80 रन।

उन्नित, तन्वी, रौनक चौहान ने शानदार अंदाज में अभियान शुरू किया

विजयवाड़ा, 24 दिसंबर। महिला वर्ग की टॉप सीड उन्नित हुड्डा, वर्ल्ड जूनियर चैंपियनशिप की सिल्वर मेडलिस्ट तन्वी शर्मा, अनुभवी आकर्षी कश्यप और उभरती हुई जूनियर रौनक चौहान ने बुधवार को विजयवाड़ा में 87वीं सीनियर नेशनल बैडमिंटन चैंपियनशिप में शानदार जीत दर्ज कर अगले राउंड में जगह बनाई। पहले राउंड में बाई पाने वाली उन्नित ने वाइल्डकार्ड एंट्री आकांक्षा मत्ते को 21-8, 21-18 से हराया, जबकि तन्वी ने एशियन अंडर-15 गर्ल्स सिंगल्स गोल्ड मेडलिस्ट शायना मणमुथु को 21-10, 21-14 से हराकर अपने अभियान की शुरुआत की। अगले राउंड में पहुंचने वालों में अनुभवी आकर्षी भी शामिल हैं, जिन्होंने एशियन अंडर-17 चैंपियनशिप की सिल्वर मेडलिस्ट लक्ष्या राजेश को 21-7, 21-9 से हराया, जबकि अस्मिता चालिहा ने काव्या मारवानिया को 21-7, 21-11 से हराया। 16वीं सीड पूर्वा बर्वे एकमात्र सीडेड खिलाड़ी थीं जिन्हें हार का सामना करना पड़ा, वह राउंड ऑफ 64 में एम मेघना रेड्डी से 21-19, 17-21, 18-21 से हार गईं। पुरुष सिंगल्स इवेंट में, 11वीं सीड चौहान ने रणवीर सिंह को 21-9, 21-13 से हराया, जबकि 12वीं सीड डी एस सानीथ ने अंकित मंडल को 21-7, 21-11 से हराकर अगले राउंड में अपनी जगह पक्की की। 16वीं सीड और गुवाहाटी मास्टर्स सुपर 100 चैंपियन संस्कार सारस्वत ने भी शिखर रल्लन को 21-11, 21-13 से हराकर शानदार अंदाज में अपने अभियान की शुरुआत की।

पूरन की तूफानी पारी से एमआई एमिरेट्स ने प्लेऑफ में जगह पक्की की

अबू धाबी, 24 दिसंबर। एमआई एमिरेट्स ने अबू धाबी में गल्फ जायंट्स को आसानी से हराकर आईएलटी20 के प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई कर लिया। सामूहिक गेंदबाजी प्रदर्शन के बाद निकोलस पूरन (69) और मुहम्मद वसीम (59) की तीसरे विकेट के लिए नाबाद 140 रन की साझेदारी एमआई एमिरेट्स की जीत में अहम रही। इस बीच, जायंट्स का खराब प्रदर्शन जारी है, उन्होंने अपने पिछले सात में से छह मैच गंवा दिए हैं और प्लेऑफ में जगह बनाने की दौड़ में बने रहने के लिए उन्हें अबू धाबी नाइट राइडर्स को हराना होगा।

जब जायंट्स पहले बल्लेबाजी करने उतरे, तो रहमानुल्लाह गुरबाज ने एक बड़े छक्के और चौके के साथ शुरुआत की, लेकिन वह क्रीज पर ज़्यादा देर नहीं टिक पाए और तीसरे ओवर में फजलहक फारूकी ने उन्हें आउट कर दिया। इसी बीच, जायंट्स ने कप्तान जेम्स विंस को भी रोमारियो शेफर्ड के हाथों गंवा दिया और वे 16 रन पर 2 विकेट गंवाकर मुश्किल में आ गए। दो से तीन विकेट हो गए, जब आसिफ खान, जिन्होंने एक छक्के और एक चौके के साथ जवाबी हमला करने की झलक दिखाई थी, शेफर्ड का शिकार हो गए और जायंट्स ने पावरप्ले में 36 रन पर 3 विकेट गंवा दिए।

यही हाल लोर्कन टकर का भी रहा, जिन्होंने दो चौके लगाने के बाद अरब गुल मोमंद के हाथों अपना विकेट गंवा दिया। नियमित विकेट गिरने का मतलब यह भी था कि जायंट्स बीच के ओवरों में खुलकर नहीं खेल पाए और 7वें से 15वें ओवर के बीच सिर्फ 55 रन बना पाए।

इसके बाद मोईन अली और काइल मेयर्स ने आखिरी पांच ओवरों में एमआई एमिरेट्स के गेंदबाजों पर हमला बोला। दोनों बाएं हाथ के बल्लेबाजों ने एएम गजनफर के ओवर में 15 रन बनाए और फिर शेफर्ड को दो चौके और एक छक्का जड़ा। मोईन ने 45 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया - एक धीमी पारी, लेकिन जिसने जायंट्स को 141 रन के सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। मेयर्स 27 रन बनाकर आउट हुए। इस बीच, जायंट्स ने शुरुआत से ही अच्छी गेंदबाजी की।

टाटा ओपन में होगी 2 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि

जमशेदपुर, 24 दिसंबर। टाटा स्टील ग्रुप और प्रोफेशनल गोल्फ टूर ऑफ इंडिया (पीजीटीआई) ने टाटा ओपन गोल्फ टूर्नामेंट की घोषणा की है जो 25 से 28 दिसंबर, 2025 तक जमशेदपुर में आयोजित किया जाएगा। यह चार दिवसीय टूर्नामेंट जमशेदपुर के बेल्डीह और गोलमुरी गोल्फ कोर्स में आयोजित किया जाएगा।

इस इवेंट में 2 करोड़ रुपये का प्राइज पर्स है और यह 2025 पीजीटीआई सीजन का आखिरी चरण है। इस टूर्नामेंट में 126 प्रोफेशनल खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। यह इवेंट स्ट्रोक-प्ले फॉर्मेट में खेला जाएगा जिसमें 18 होल के चार राउंड होंगे। टॉप 50 खिलाड़ी और टाई वाले खिलाड़ी दो राउंड के बाद कट में जगह बनाएंगे। टाटा ओपन दुनिया के उन दुर्लभ इवेंट्स में से एक है जो दो जगहों पर खेला जाता है। इवेंट का फॉर्मेट इस प्रकार है: पहले राउंड में, आधे खिलाड़ी बेल्डीह गोल्फ क्लब में अपने 18 होल खेलेंगे।

जबकि दूसरे आधे खिलाड़ी गोलमुरी गोल्फ क्लब में अपने 18 होल खेलेंगे। दूसरे राउंड में, दोनों आधे खिलाड़ी जगह बदल लेंगे (जिन्होंने पहले राउंड में बेल्डीह में खेला था, वे दूसरे राउंड में गोलमुरी में अग्रहर होल खेलेंगे और इसके विपरीत।) तीसरे और चौथे राउंड में, कट लागू होने के बाद, लीडिंग ग्रुप गोलमुरी से टी ऑफ करेंगे और बेल्डीह जाने से पहले गोलमुरी में अपने पहले नौ होल खेलेंगे और फिर बेल्डीह में अपने दूसरे नौ होल खेलेंगे। इस टूर्नामेंट में कुछ टॉप भारतीय प्रोफेशनल खिलाड़ी जैसे 2025 पीजीटीआई ऑर्डर ऑफ मेरिट चैंपियन युवराज संधू, 2024 पीजीटीआई ऑर्डर ऑफ मेरिट चैंपियन वीर अहलावत, शौर्य भट्टाचार्य, अर्जुन प्रसाद, मनु गंडास, अंगद चीमा, ओम प्रकाश चौहान (पूर्व चैंपियन), अजीतेश संधू, राशिद खान, खलिन जोशी और चिक्करंगप्पा, हिस्सा लेंगे" इस फील्ड के टॉप विदेशी खिलाड़ी हैं श्रीलंका के एन थंगाराजा और मिथुन परेरा (पूर्व चैंपियन), बांग्लादेश के एमडी सिद्दीकुर रहमान और जमाल हुसैन, चेक गणराज्य के स्टेपन डेनेक, अमेरिकी कोइचिरो साते, नेपाल के सुभाष तमांग और युगांडा के जोशुआ सील।

भारतीय वुशू संघ के तत्वावधान में 30 दिसम्बर तक राजनादगांव छत्तीसगढ़ में आयोजित होने वाली 9 वीं फेडरेशन कप वुशू प्रतियोगिता में भाग लेने वाली राजस्थान वुशू टीम रराजनादगांव के लिए रवाना हो गई। हीरानन्द कटारिया अध्यक्ष राजस्थान वुशू संघ ने टीम की घोषणा की।

ड्रीम 11 के बाहर होने और आईसीसी राजस्व में गिरावट के बावजूद बीसीसीआई आर्थिक रूप से मजबूत

मुंबई, 24 दिसंबर। ड्रीम11 द्वारा स्पॉन्सरशिप वापस लेने और इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल के शेयर में कमी के बावजूद भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की वित्तीय स्थिति मजबूत बनी रही। एपेक्स काउंसिल को सौंपे गए एक नोट के अनुसार, बीसीसीआई ने एडिडास के साथ एक अलग स्पॉन्सरशिप डील के जरिए कमी पूरी की है। बाद में इसने अपोलो टायर्स के साथ भी करार किया। क्रिकबज द्वारा देखे गए नोट में कहा गया है, "ड्रीम11 और हाल के कानूनी बदलावों से प्रभावित अन्य संस्थाओं जैसे स्पॉन्सर के हटने के बावजूद, बीसीसीआई ने सफलतापूर्वक अगले ढाई साल के लिए ज़्यादा वैल्यूएशन पर एक नई जर्सी स्पॉन्सरशिप हासिल की है।" जिसने रियल-मनी गेमिंग पर प्रतिबंध लगा दिया था, जो ड्रीम11 का मुख्य व्यवसाय था। पूर्व कोषाध्यक्ष और वर्तमान संयुक्त सचिव प्रभातेज सिंह भाटिया ने सितंबर में वित्तीय वर्ष 2025-2026 के लिए मसौदा बजट के साथ-साथ वित्तीय वर्ष 2024-2025 के ऑडिट किए गए खाते प्रस्तुत किए थे।

तीरंदाजी में 2 स्वर्ण, 1 रजत और 1 कांस्य पदक जीता

जयपुर, 24 दिसंबर। 45वीं जूनियर राष्ट्रीय तीरंदाजी प्रतियोगिता जो कि रायपुर, छत्तीसगढ़ में आयोजित हुई उसमें राजस्थान ने 2 गोल्ड, 1 सिल्वर और 1 ब्रॉन्ज मेडल जीता। प्रांजल ठोलिया ने व्यक्तिगत गोल्ड मेडल, आदित्य जावा ने व्यक्तिगत सिल्वर मेडल, अर्थव शर्मा ने व्यक्तिगत ब्रॉन्ज मेडल तथा रिकर्व महिला टीम ने गोल्ड मेडल जीता। टीम में प्रांजल ठोलिया, कल्पना रेगर, खुशबू जावा, खुशी कुमावत और राजस्थान टीम कोच हरदीप सिंह राजपूत के नेतृत्व में राजस्थान रिकर्व टीम ने अपना अच्छा प्रदर्शन किया। राजस्थान आर्चरी एसोसिएशन के अध्यक्ष दीपेंद्र सिंह एवं महासचिव सुरेंद्र गुर्जर व सभी पदाधिकारियों को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं।

जयपुर के वैभव प्रताप सिंह ने नेशनल शूटिंग चैम्पियनशिप में रचा इतिहास

जयपुर, 24 दिसंबर। भोपाल में 11 दिसम्बर से 2 जनवरी तक आयोजित हो रही 68वीं न शनल शूटिंग चैम्पियनशिप में जयपुर के उभरते निशानेबाज वैभव प्रताप सिंह चौहान ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सभी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। वैभव ने 50 मीटर थ्री पोजिशन पुरुष वर्ग तथा 50 मीटर राइफल प्रोन पुरुष वर्ग में भारत सरकार द्वारा निर्धारित स्कोर हासिल कर विख्यात निशानेबाजों की श्रेणी में अपना नाम दर्ज करा दिया।

यही नहीं, वैभव ने अपने उत्कृष्ट खेल के दम पर भारतीय शूटिंग टीम की चयन ट्रायल के लिए भी क्वालीफाई कर लिया, जो उनके अंतरराष्ट्रीय मुकाम की ओर बढ़ते कदम का संकेत है। इस प्रतिष्ठित चैंपियनशिप में देशभर से प्रतिभाशाली खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं और वैभव ने अपने प्रदर्शन से सबको प्रभावित किया है।

पूर्व में भी वैभव ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। देहरादून में सम्पन्न नॉर्थ जोन चैम्पियनशिप में 50 मीटर थ्री पोजिशन राइफल यूथ कैटेगरी में ब्रॉन्ज मेडल जीतकर उन्होंने अपनी सफल यात्रा की शुरुआत की थी। इस पदक को उन्होंने भारत के पहले ओलंपिक पदक विजेता निशानेबाज कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ को समर्पित करते हुए भविष्य में उनके पदचिन्हों पर चलकर अंतराष्ट्रीय पदक जीतने का संकल्प व्यक्त किया।

वैभव की सफलता के पीछे उनके कोच चंदन मलेटी, दादोसा गणपत सिंह चौहान (पूर्व सरपंच, ग्राम पंचायत अजगरा, अजमेर) तथा माता-पिता कुमकुम शक्तावत एवं शक्तिसिंह मानपुरा (पार्षद, नगर निगम ग्रेटर जयपुर) का अमूल्य मार्गदर्शन और सहयोग रहा। यह उपलब्धि न सिर्फ परिवार और जिले के लिए, बल्कि पूरे राजस्थान और देश के लिए गर्व की बात है। कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती-वैभव ने अपने प्रदर्शन से इस पंक्ति को सच कर दिखाया है।

खेल मंत्रालय ने अगली पीढ़ी के खेल पेशेवरों को तैयार करने के लिए व्यापक इंटर्नशिप नीति की शुरुआत की

नई दिल्ली, 24 दिसंबर। नई नीति के तहत, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय और भारतीय खेल प्राधिकरण (साई), राष्ट्रीय डोप-रोधी एजेंसी (नाडा) और राष्ट्रीय डोप परीक्षण प्रयोगशाला जैसे इसके मुख्य संस्थानों में हर वर्ष 452 इंटर्नशिप प्रदान की जायेंगी। खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने कहा,इस इंटर्नशिप कार्यक्रम के जरिए, हम अपने युवाओं के लिए खेलों से जुड़े शासन एवं प्रशासन के दरवाजे खोल रहे हैं, जिससे उन्हें व्यावहारिक अनुभव मिल सके और वे खेल के जरिए राष्ट्र निर्माण में दीर्घकालिक असर डाल पायें। 'युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय और उसके स्वायत्त निकायों के लिए व्यापक इंटर्नशिप नीति' कॉलेज व विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को मंत्रालय और उसके स्वायत्त निकायों में सार्थक इंटर्नशिप के अवसर प्रदान करेगी, जिससे उन्हें खेलों से जुड़े शासन एवं प्रशासन और संबंधित पेशेवर क्षेत्रों का सीधा अनुभव हासिल हो सकेगा।

सांसद खेल महोत्सव का समापन आज

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा होंगे मुख्य अतिथि

प्रधानमंत्री मोदी करेंगे वर्चुअल संबोदित

एसएमएस के इनडोर स्टेडियम में होगा समारोह

ख्यातनाम सिंगर रविन्द्र उपाध्याय देंगे गानों की सुमधुर प्रस्तुतियां

जयपुर, 24 दिसंबर। जयपुर लोकसभा सांसद खेल महोत्सव का समापन गुरुवार 25 दिसम्बर को प्रात 9.30 बजे एसएमएस इंडोर स्टेडियम पर भव्य समारोह में होगा। इसमें मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा मुख्य अतिथि होंगे तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वर्चुअल सम्बोधित करेंगे। समारोह में ख्यातनाम सिंगर रविन्द्र उपाध्याय अपने बैंड के साथ गानों की सुमधुर प्रस्तुतियां देंगे। विजेता खिलाड़ियों को मेडल, ट्रॉफी, और सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया जाएगा।

कार्यक्रम में सांसद मंजू शर्मा, विधायक कालीचरण सराफ, गोपाल शर्मा, कैलाश वर्मा, बालमुकुंदाचार्य, विधायक प्रत्याशी चंद्र मोहन बटवारा, रवि नैयर सहित शहर के प्रमुख समाजसेवी और कई राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी भी मौजूद रहेंगे। सांसद मंजू शर्मा ने बताया कि सांसद खेल महोत्सव के दौरान 27 खेलों में शहर के हर गली मोहल्ले, हर कोने से लोगों की भागीदारी रही है।

इसमें राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय खेलों के साथ ही खो खो, सतोलिया, रस्साकशी, मटका दौड़, निम्बू चम्मच दौड़, कबड्डी जैसे पारम्परिक खेलों में करीब 80 हजार लोगों ने भाग लिया है। उत्साह, उमंग, रोमांच के इस उत्सव के दौरान 10 से 60 साल तक के हर आयु वर्ग के लोग जिसमें बच्चे, छात्र, महिलाएं, पुरुषों ने विभिन्न खेलों में अपनी प्रतिभा दिखाई।

डीपीएल और विमेंस डॉक्टर लीग की ट्रॉफी लॉन्च, 20 टीमों की जर्सी का अनावरण

जयपुर, 24 दिसंबर। जयपुर में डीपीएल के 18वें सीजन का भव्य और ऐतिहासिक शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर डीपीएलट्रॉफी के साथ-साथ विमेंस डॉक्टर लीगकी ट्रॉफी को भी औपचारिक रूप से लॉन्च किया गया। कार्यक्रम के दौरान लीग में शामिल सभी 20 टीमों की जर्सी का अनावरण किया गया, जिसने समारोह को विशेष आकर्षण प्रदान किया।

कार्यक्रम में डॉक्टर्स क्रोनिकल मैगजीन के कवर पेज का भी लोकार्पण किया गया, जिसे डीपीएलके चेयरपर्सन डॉ शिवराज सिंह राठौड़ ने मंच से लॉन्च किया। इस भव्य आयोजन में देशभर से आए लगभग 700 प्रतिष्ठित डॉक्टर्स की उपस्थिति रही, जिससे यह आयोजन चिकित्सा और खेल जगत के लिए एक महत्वपूर्ण मंच बन गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में राजस्थान के पुलिस महानिदेशक राजीव शर्मा थे। इस अवसर पर डीपीएलकी आयोजन समिति के सदस्यों तथा विमेंस डॉक्टर लीग की चेयरपर्सन डॉ रिम्मी शेखावत ने सभी अतिथियों का बुके, स्मृति चिन्ह और शॉल भेंट कर सम्मानपूर्वक स्वागत किया। कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण रहा इंडिया ग्लैम की मॉडल्स द्वारा प्रस्तुत किया गया भव्य रैंप वॉक, जिसमें सभी टीमों की जर्सी पहनकर मंच पर शानदार प्रस्तुति दी गई।

खेल और फैशन के इस अनोखे संगम ने दर्शकों का विशेष ध्यान आकर्षित किया और आयोजन को और भी रंगारंग बना दिया। इस भव्य समारोह में जयपुर सहित देश के विभिन्न राज्यों से आए जाने-माने चिकित्सकों ने भाग लिया और संगीत संध्या का भरपूर आनंद उठाया।

सुभाष ने जीता हांगकांग इंटरनेशनल जूनियर स्क्वैश चैम्पियनशिप में स्वर्ण

जयपुर, 24 दिसंबर। राजस्थान की राजधानी जयपुर के सुभाष चौधरी ने हांगकांग इंटरनेशनल जूनियर स्क्वैश चैंपियनशिप में ब्वायज अंडर 17 वर्ग में स्वर्ण पदक जीत कर प्रदेश और देश का नाम रोशन किया है। कोच खांगा राम चौधरी ने बुधवार को बताया कि यह प्रतियोगिता हांगकांग में 19 से 24 दिसम्बर तक आयोजित की गयी। उन्होंने बताया कि सुभाष चौधरी जयपुर की नीरजा मोदी स्कूल 10वीं कक्षा का विद्यार्थी है। इसके फिटनेस कोच अंकित मानावता है और सुभाष ने पहले राउंड में बाई मिली, दूसरे राउंड में हांगकांग के ली हो सोम को 11-6, 11-6, 11-8 से, प्री क्वार्टर में मकाऊ के तम हाऊ इन को 11-0, 11-4, 11-4 से, क्वार्टर फाइनल में हांगकांग के हा चूं हीन को 11-5, 9-11, 11-6, 11-8, से और सेमी फाइनल में हांगकांग के युएन तज लांग को 11-5, 11-5, 11-2 से तथा फाइनल मुकाबले में सिंगापुर के रेहान सिंह को 11-4, 11-4, 11-5 से हरा कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

27वीं नवीन-नफीस ईनामी राशि लीग कम नॉकआउट क्रिकेट प्रतियोगिता

रोहन और धर्मेश के ऑलराउंड प्रदर्शन से जयपुरिया एकेडमी दूसरे राउंड में

जयपुर, 24 दिसंबर। यूनियन क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित 27 वीं नवीन-नफीस स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता में आज खेले गये सिरनेचर क्रिकेट ग्राउण्ड पर खेले गये नॉकआउट दौर के पहले राउण्ड के दूसरे मैच में जयपुरिया एकेडमी ने रोहन राजभर 48 रन और 19 रन पर 3 विकेट तथा धर्मेश चन्देल 31 रन व 16 रन पर 2 विकेट के ऑलराउण्ड प्रदर्शन की बदौलत बिमल क्रिकेट एकेडमी को 60 रन से हराकर दूसरे राउण्ड में प्रवेश किया।

टॉस जीतकर जयपुरिया एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुये रोहन राजभर 48 रन (21 गेंद 6 चौके 3 छक्के), तोषित भाटिया 45 रन, धर्मेश चन्देल 31 रन, दिपांजन भौमिक 17 रन, सयान दास 17 रन नाबाद तथा सावन 13 रन की मदद से निर्धारित 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 196 रन बनाये। गेंदबाजी में बिमल क्रिकेट एकेडमी की ओर से कुलदीप सिंह 33 रन पर 3 विकेट, विमल ठाकुर 38 रन पर 2 विकेट, अनुराग शर्मा 18 रन पर 1 विकेट लेकर सफल गेंदबाज रहे।

जवाबी पारी में बिमल क्रिकेट एकेडमी के केशव शर्मा 25 रन, अंकित मनका 19 रन, वरूण 19 रन, प्रथम मिश्रा 17 रन, विमल ठाकुर 18 रन, कुलदीप सिंह 15 रन नाबाद ने अपनी टीम को जीत दिलाने का भरसक प्रयास किया लेकिन जयपुरिया एकेडमी के गेंदबाजों रोहन राजभर 19 रन पर 3 विकेट, धर्मेश चन्देल 16 रन पर 2 विकेट, तोषित भाटिया 25 रन पर 1 विकेट, करने सिंह 29 रन पर 1 विकेट की गेंदबाजी के समक्ष बड़ी पारी खेलने में विफल रहे और पूरी टीम निर्धारित 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 136 रन ही बना सकी और 60 रन से मैच गवाकर प्रतियोगिता से बाहर हो गयी। इस मैच का मैन ऑफ दी मैच रोहन राजभर जयपुरिया एकेडमी रहें।

Christmas Bird Count Week: Celebrating Birds and Biodiversity

Christmas Bird Count Week, observed annually from December 14 to January 5, brings together bird enthusiasts, researchers, and communities to record bird populations across regions. Launched over a century ago, this citizen-science initiative helps track trends in bird numbers, migration patterns, and ecosystem health. Participants, from amateur birdwatchers to experts, explore local parks, forests, and wetlands, noting every species they encounter. Beyond data collection, the week fosters environmental awareness, promoting conservation and appreciation of biodiversity. It's a celebration of nature, scientific collaboration, and the joy of connecting with the world of birds during the festive season.

राष्ट्रदूत
THURSDAY
25 December 2025
A-B

#POMATO

Potatoes And Tomatoes

The Plant That Grows Both Tomatoes and Potatoes

Imagine plucking fresh tomatoes off a leafy vine, and then digging beneath the same plant to harvest potatoes. It sounds like science fiction, but it's real. Known as the Pomato or TomTato, this unique plant grows tomatoes above ground and potatoes below, combining two crops into one. This agricultural marvel could redefine how we grow food, especially in a world facing land shortages, climate change, and a growing population.

How Does It Work?

The Pomato isn't genetically engineered. Instead, it's created using a traditional technique called grafting, where the stem of one plant is physically joined to the root system of another. In this case:

- Tomato (Solanum lycopersicum) is grafted onto
- Potato (Solanum tuberosum)

Since both plants belong to the nightshade family (Solanaceae), they are biologically compatible. The result is a hybrid plant that produces cherry tomatoes on its branches while growing white potatoes in the soil below.

This is not genetic modification. No DNA is altered. It's a purely horticultural technique, perfected through years of experimentation.

A Space-Saving Solution for the Future

The Pomato has massive potential for the future of urban and sustainable farming. Here's why!

Space Efficiency: Perfect for cities and small gardens, grow two crops in the space of one.

Sustainability: Reduces the need for multiple fertilizers, water sources, and plots.

Increased Yields: Doubles productivity without doubling land use.

As land becomes scarcer and urban populations grow, innovations like this could help make urban agriculture more viable.

Commercial Breakthrough: The TomTato

In 2013, a British gardening company called Thompson & Morgan introduced the commercial version of the Pomato, naming it the TomTato. The plant could be grown in a pot or garden and reportedly produced up to 500 sweet cherry tomatoes and several kilograms of white potatoes in a single growing season.

Marketed to both home gardeners and eco-conscious consumers, the TomTato drew worldwide attention and curiosity. It became a symbol of what hybrid horticulture could achieve.

Not Without Challenges

Despite the hype, growing a Pomato is not without its limitations.

Grafting Skill: Creating a successful graft requires precision and practice.

Short Life Span: Like many grafted plants, Pomatos typically last only one growing season.

Crop Timing: Tomatoes and potatoes mature at different rates, so coordinating harvests can be tricky.

Still, the benefits are compelling, especially in educational settings, home gardens, and small-scale sustainable farming systems.

Blurring the Line Between Science and Nature

The Pomato is more than just a clever plant. It represents a convergence of traditional agriculture and modern innovation, proof that we don't always need high-tech genetic engineering to solve food challenges. Sometimes, nature's own toolkit, used creatively, is enough.

By challenging our idea of what a single plant can do, the Pomato invites us to rethink how we grow food, how we use space, and how much more potential lies in the natural synergies of plant life.

Why Does Surya Wear High Boots?

A bronze statue of Surya from the Kushan period at the Government Museum in Mathura.

Referring to the Bodh Gaya image as well as contemporaneous ones at Khandagiri (Odisha) and Lala Bhagat (Uttar Pradesh), Frenger observes that "all the insignia of an ancient Indian ruler including a large parasol above his head, an opulent turban, heavy ear-plugs and necklace…His upper body is bare, which is in keeping with the dress traditions of the subcontinent." From this description, we can reasonably surmise that the sun god's obscured choice of footwear was probably in keeping with the fashion trends of the 100s BCE (possibly similar to padukas or perhaps even barefoot).

A statue of Surya at the Government Museum in Mathura.

● Kshema Jatuhkarna

It was the boots that intrigued me. Meandering through the Government Museum in Mathura in sandals befitting the hot summer afternoon, I was almost irrationally bothered by the sight of so much close-toed footwear on the sculptures of the Hindu sun god, Surya.

In one bronze rendering, a nimbate Surya sits between two hierarchically-scaled little horses, a dagger between his booted feet, in another sandstone composition, he stands holding a lotus in each hand, flanked by his attendants, and in yet another stone tableau, he appears to rest on his haunches as he is chauffeured in a seven-steed chariot. Notwithstanding the range of his poses, whether in the early centuries of the Common Era or the tenth, Surya was always shod.

In the Brahmanic pantheon of the first millennium CE, Surya is the only deity who wears shoes. As art historian Pratapaditya Pal writes in the first volume of his *Indian Sculpture: Circa 500 B.C.-A.D. 700* (1986), Surya is "…a regal figure like Vishnu but usually with two arms. The lotus is his distinctive emblem, which he holds with both hands. He is further distinguished only in northern India by his jacket or coat of mail, trousers and boots, generally the attire of the inhabitants of northwestern India and central Asia."

A headless statue of Emperor Kanishka at the Government Museum in Mathura.

Why would a subtropical solar deity be fitted with high boots suited for cold steppes rather than hot plains? And what meaning does the incongruous ensemble impart to the depiction of this specific god?

Getting a makeover

There was a time when Surya dressed for the weather.

Originating as a divine character in one of the earliest hymns of the Rig Veda, he seems to have made his full-fledged visual debut almost a thousand years later. In the essay *Greek Helios or Indian Surya: The Spread of the Sun-God Imagery from India to Gandhara*, historian and numismatist Osmund Bopearachchi points to Surya's appearance on the railing of the Mahabodhi temple in Gaya in the 2nd century BCE and at the Bhaja Vihara caves in the 1st century BCE as being 'among the earliest representation of Surya found in South Asia.' In these Sunga period incarnations, Surya rides a chariot flanked by his two wives, Usa and Pratyusa, vanquishing darkness in the former case with the support of his consorts' archery and, in the latter, by trampling it (manifested as demons) underhoof. The human feet are not visible, shielded by the frontality of the composition and thus the chariot's bow. But the accessories clue us into their likely status, as historian Marion Frenger decodes in her essay *The Sun in Stone-Early Anthropomorphic Imagery of Surya in North India* (2020).

Referring to the Bodh Gaya image as well as contemporaneous ones at Khandagiri (Odisha) and Lala Bhagat (Uttar Pradesh), Frenger observes that "all the insignia of an ancient Indian ruler including a large parasol above his head, an opulent turban, heavy ear-plugs and necklace…His upper body is bare, which is in keeping with the dress traditions of the subcontinent." From this description, we can reasonably surmise that the sun god's obscured choice of footwear was probably in keeping with the fashion trends of the 100s BCE (possibly similar to padukas or perhaps even barefoot).

#ART WORLD

(Left) A statue of Surya with attendants at the National Museum. (Right) An-11th century sculpture of Surya with the eleven other Adityas.

So, how or why did Surya undergo a makeover over the next few centuries?

One broad context for bundling up Surya involved the syncretism of his mythography. Commenting on the lack of inscriptions on representations before 500 CE, Frenger points out that "it is not even known if they were seen as images of Surya, as the Iranian sun god named Mithra/ Miiro, as the Greek Helios or maybe the most probable supposition, as all three depending on the cultural background and contextual understanding of the individual viewer."

Exemplifying this point is the fact that even in the earliest known iconography, it is not the Vedic rath of seven horses riding which the sun dawns, but the Hellenistic four-horsed quadriga. Frenger attributes this hybridity to the Buddhist nature of sites such as Bodh Gaya, since the Vedic articulation of the deity would have been far less important than accentuating his Buddha-like regality, an approach allowing inspiration from iconographic schemes of other solar gods, both proximate and distant.

> In a 1999 paper titled *Solar Iconography of Mathura*, scholar Suresh Pandey inventoried the Surya figures held in that city's Government Museum. Noting that ancient Mathura was the capital of the Kushan Empire, Pandey asserts that "the Iranian form of Sun-cult was given official recognition and the Sun-image with Iranian features like Udichya-vesha, Abhanga upanat-pinaddha, etc… The iconography of the Sun at Mathura during this period is of obvious Scythian influence and monastic boots as well as tailored coat with sleeves…"

It was the induction of Surya into the Buddhist religio-cultural sphere during this time that eventually led to his transformed aspect. In the book *Images of Mithra*, its five authors (Philippa Adrych, Robert Bracey, Dominic Daglish, Stefanie Lenk and Rachel Wood) note, "In the early first millennium, there were strong affinities between Miiro and Surya. Some texts include 'Mitra' as one of the names of Surya, and describe him as driving a seven-horse chariot. One text, the *Brhatsamita Surya*, prescribes that Surya should appear without multiplication of limbs and dressed in 'northern' garb…a decorated tunic and calf-high boots."

Eclecticism of faith

The footwear that caught my eye in Mathura has finally surfaced in my research. By the 2nd century CE, Surya was taking his style cues from a certain northerly people, widely known as the Kushans. Descendents of Yuezhi nomads from what is now the China-Mongolia border area of the Eurasian Steppe, the Kushan emperors ruled over one of the largest, wealthiest and most religiously diverse territories in the ancient world. Over a 500-year period straddling the turn of the 1st millennium CE, they governed from the present-day eastern borderlands of Iran to Patna. The most famous member of the dynasty, Kanishka I, whose statue was the purpose of my Mathura visit, is perhaps known best for his patronage of Buddhism. At the same time, he protected the practice of other belief systems in his realm, including the Vedic, Greek and Zoroastrian ones, during his 23-year reign, sometime between 78 and 144 CE. This eclecticism of faith prevailing in the Kushan Empire became apparent too in the sacred art which flourished in it.

In a 1999 paper titled *Solar Iconography of Mathura*, scholar Suresh Pandey inventoried the Surya figures held in that city's Government Museum. Noting that ancient Mathura was the capital of the Kushan Empire, Pandey asserts that "the Iranian form of Sun-cult was given official recognition and the Sun-image with Iranian features like Udichya-vesha, Abhanga upanat-pinaddha, etc…The iconography of the Sun at Mathura during this period is of obvious Scythian influence and monastic boots as well as tailored coat with sleeves…." While an indigenous version of the sun god continued to be privately worshipped, the Iranianised solar deity was the object of public worship supported by the Kushan state, an incarnation of the Central Asian culture itself.

By donning their attire, the summer Surya radiating unto the Doab had transformed into a representative of the Bactrian winter. But what was the reason for the sun god specifically to have become the locus of transfer of symbolic power?

The concept of solar kingship was old and ubiquitous in the realms of Asia and Europe, with monarchs up to the early modern period drawing on the metaphorical plenitude of the sun to emphasise their sovereignty. In his analysis of solar mythology from the Indo-Iranian world to the Greco-Roman one through the figure of Mithras, historian David H Sick interprets the sun god genre along the Silk Road as 'the enforcer of contracts and the guardian of herds.' Surya's own name, according to Sick, is etymologically linked to the Proto-Indo-European term for sun, allowing these layers of Eurasian meanings to settle upon him, like the mantle on Emperor Kanishka's headless statue inaugurating Mathura museum's main gallery. On closer inspection, the striations on his boots, suggestive of cold-proof padding, resemble the ones worn by a number of resident Suryas. Gesturing towards the similarities in costume and a deep squatting figuration denoting both king and god (different from Kanishka's lifesize statue type), art historian John M Rosenfeld, in his definitive *The Dynastic Art of the Kushans* (1967), writes of the Kushans' solar symbolism: "Some early images of Surya are so similar to Kushan royal portraits that it is possible to confuse one with the other."

Visual update

Whilst acknowledging the link between Surya and the Kushan royals, Rosenfeld did not think there was enough information to establish a direct investiture of political power from the former to the latter. Conversely, aligned with scholars like Sick, Frenger presents the homonymy of the Sanskrit word *raj* as both 'to rule' and 'to shine' as another possible explanation for why the sun god was an ideal surrogate for the king. Tracking the iconographic correspondences between the ruler and the light-giver from the Sunga period to the Kushan era, she sees the wardrobe change from bare torso to embroidered tunic as 'reflecting the contemporary apparel of the ruler.'

According to Frenger, this link is further corroborated by the detailed updating of visual elements into the representation of a pre-existing deity: "This remarkable exactitude with which Surya images incorporated changes in the appearance of contemporary rulers was continued for several centuries. It shows that the relation between the sun god and the ruler was not the repetition of a once established iconographical convention but a 'living' feature. Artists and viewers alike obviously understood the reference to the ruler as an essential part of the sun image." A later example supporting this correspondence is how in the era following the Kushans' Hindu successors, the Guptas, Surya starts riding the seven-horsed Vedic rath.

As I make my way out of the Mathura museum, I stand before Emperor Kanishka's massive statue, admiring his boots one last time. Through his glass case, I glimpse the smaller figures whose feet I have spent a whole afternoon scrutinising. On an absurd, anachronistic tangent, I am reminded of the famous Shawshank Redemption scene: "I mean, seriously, how often do you look at a man's shoes?"

Clearly, as it turns out, far less often than a god's.

rajeshsharma1049@gmail.com

A sculpture of Surya at the Government Museum in Mathura.

#LAWED

Strangest Laws in History That Actually Existed

But here's the strange part: it wasn't just about lying to others. Lying to oneself was also illegal

Throughout history, laws have often reflected the values, customs, and quirks of the societies that created them. While many laws make perfect sense, protecting property, ensuring safety, and maintaining order, others seem downright bizarre, outlandish, or even humorous by modern standards. From ancient civilizations to more recent times, here are some of the strangest laws that were once enforced.

1. Ancient Egypt : Laws Against Lying, Even to Yourself

In ancient Egypt, the concept of truth was not just a moral value, it was enshrined in the law. The Egyptians believed in the goddess Maat, who personified truth, justice, and cosmic order. Maat's principles were so important that they became part of the legal system, and lying was considered a serious offense.

But here's the strange part: it wasn't just about lying to others. Lying to oneself was also illegal. Ancient Egyptians were expected to uphold truth not just in their dealings with others but also in their self-awareness and personal conduct. This idea extended beyond verbal lies; individuals were expected to align their actions, thoughts, and self-concept with the truth.

If someone was caught lying, especially in court or during transactions, they could face severe punishments, including loss of property or even execution. The importance of truth was central to Egyptian society, and this law reflects the degree to which they viewed personal integrity and social harmony as inseparable.

2. 13th Century France: Animals Could Be Put on Trial

In medieval France, the law didn't just apply to humans, it extended to animals as well. In the 13th century, it was common for animals that caused harm to humans or property to be put on trial in a court of law. This practice was based on the belief that animals were capable of criminal intent and should be held accountable for their actions.

Some of the most famous cases involved pigs, which were often tried for the murder of children. The animals were dressed in human clothes, given a defense lawyer, and sometimes even sentenced to death by hanging or burning. In one famous case in 1386, a pig was put on trial for killing a child and was sentenced to be executed by hanging.

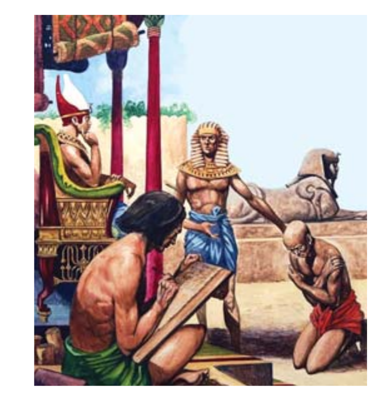

The trials could be incredibly elaborate, with the animals being represented in court and sometimes even 'defending' themselves. This bizarre legal practice eventually faded out as the understanding of law and morality evolved, but it remains one of the strangest chapters in medieval justice.

3. Singapore: Chewing Gum Banned by Law

In modern times, few laws are as well-known or as puzzling as Singapore's ban on chewing gum. Since 1992, chewing gum has been illegal in Singapore, with very few exceptions. The law was enacted primarily to maintain the cleanliness of public spaces and prevent gum from being improperly disposed of, which was causing major issues for the country's public transport system and urban cleanliness.

The law prohibits the sale, import, or possession of chewing gum. However, in 2004, the law was slightly relaxed to allow the sale of chewing gum for therapeutic purposes, such as nicotine gum or gum used to prevent tooth decay, but only with a doctor's prescription.

While the law may seem extreme, it's a product of Singapore's strict approach to public order and cleanliness. The country is known for its highly regulated and orderly society, with penalties for everything from littering to jaywalking. The chewing gum ban is a particularly strange example of how a society can go to great lengths to preserve public cleanliness and order.

4. Ancient Sparta: Cowardice Was a Legal Offense

In Ancient Sparta, the law was designed to promote strength, discipline, and military prowess, and one of the most shocking laws of this warrior society was that cowardice was a punishable crime. Spartan society valued bravery above all else, especially in battle. Fear or failure to fight in battle was not just seen as dishonourable, it was considered a direct affront to the very fabric of Spartan identity.

Cowards could be publicly shamed, ostracized, and sometimes even executed. Spartans were expected to show no fear in the face of battle, and their commitment to warfare was absolute. For men who did not fulfill this expectation, there were severe consequences. Even Spartan children were raised to value courage, as their education and training were focused on preparing them to be warriors. In times of war, the Spartan leaders would even keep an eye on soldiers who might be considered to have fled or failed to live up to expectations of courage. Cowardice, or even perceived cowardice, was treated as a legal and social transgression.

Conclusion: Laws That Reflect the Times

From laws that punished lies, even to oneself, to those that put animals on trial, history is filled with strange and often incomprehensible legal systems. These bizarre laws give us a glimpse into how different cultures and societies tried to maintain order, uphold moral codes, and protect their way of life. Some laws may seem absurd today, but they were once taken very seriously by the people who lived under them.

THE WALL

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

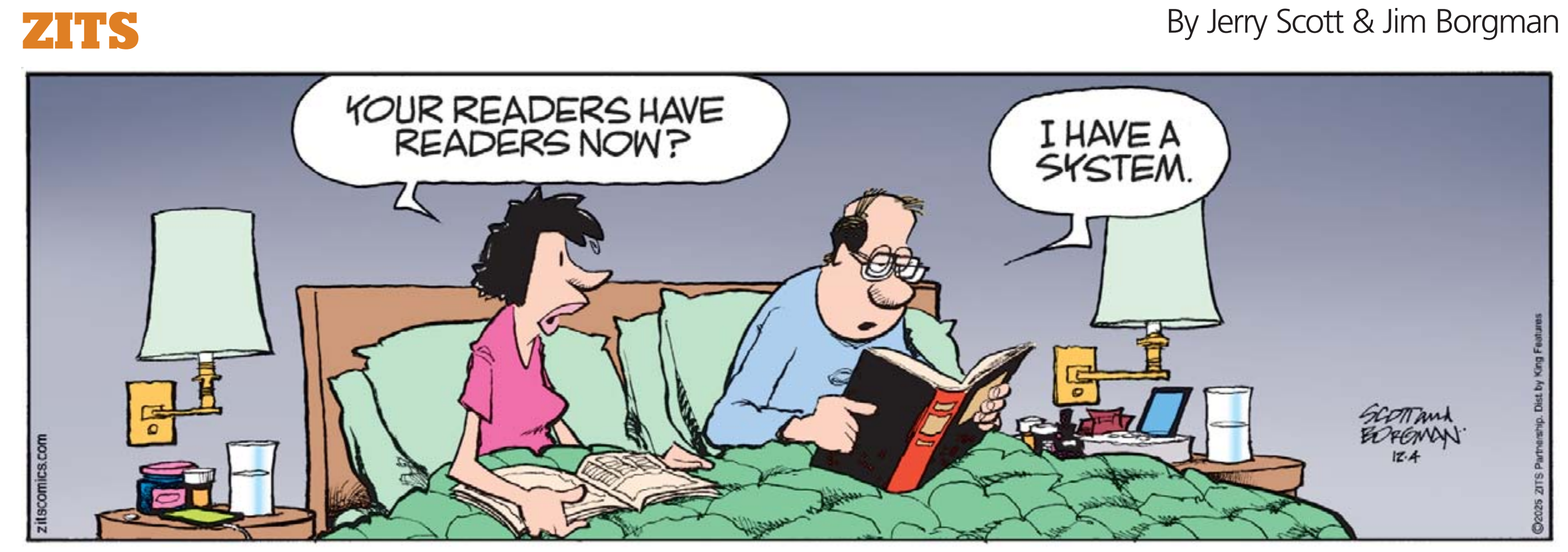

युवक-युवती के शव पेड़ से लटके मिले, प्रेम प्रसंग की आशंका

चौमूं /कालाडेरा (निंस)। चौमूं उपखण्ड के गोविन्दगढ़ थाना क्षेत्र के धोबलाई गांव स्थित नदी क्षेत्र में बुधवार को उस समय सनसनी फैल गई, जब एक युवक और एक युवती के शव पेड़ से लटके हुए मिले। दोनों शव एक ही पेड़ पर रस्सियों के सहारे लटके पाए गए। घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीणों की भीड़ जुट गई।

सूचना पर गोविन्दगढ थानाधिकारी विनोद सांखला मय पुलिस जाब्ते के घटनास्थल पर पहुंचे। मामले की गंभीरता को देखते हुए एफएसएल टीम को भी मौके पर बुलाया गया, जिसने घटनास्थल का सूक्ष्म निरीक्षण कर अहम साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए चौमूं सरकारी अस्पताल की मोर्चरी में भिजवाया। पुलिस जांच में मृतकों की

चौमूं उपखण्ड के गोविन्दगढ़ थाना क्षेत्र के धोबलाई गांव स्थित नदी क्षेत्र में युवक-युवती के पेड़ पर लटके मिलने से सनसनी फैल गई।

पहचान नरेन्द्र और नीलम उर्फ नीलू के रूप में हुई है। प्राथमिक जांच में मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा होने की आशंका जताई जा रही है। गोविन्दगढ डीवाईएसपी राजेश जांगिड़ ने बताया कि घटनास्थल से एक सुसाइड नोट भी बरामद हुआ है, जिसके आधार पर जांच आगे बढ़ाई जा रही है। उन्होंने यह भी बताया कि मृतक नरेन्द्र के खिलाफ पूर्व में पोक्सो एक्ट का

- **पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए चौमूं सरकारी अस्पताल की मोर्चरी में भिजवाया**

मामला दर्ज रह चुका था, जिसमें वह जेल भी जा चुका है। इस तथ्य को भी जांच के दायरे में शामिल किया गया है। फिलहाल पुलिस परिजनों से पूछताछ कर रही है और आत्महत्या सहित सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की गहन जांच जारी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और एफएसएल जांच रिपोर्ट आने के बाद ही घटना की वास्तविक वजह स्पष्ट हो सकेगी।

'अलवर ई-विद्या' पोर्टल लॉन्च

अलवर । जिले में शैक्षिणक ढाँचे को मजबूत बनाने और सरकारी विद्यालयों में डिजिटल पहुँच को बेहतर करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए जिला प्रशासन ने 'अलवर ई-विद्या परियोजना' की प्रगति की निगरानी के लिए ऑनलाइन पोर्टल लॉन्च किया है। जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने बताया कि यह पोर्टल जिले के 291 पीईईओ विद्यालयों में हो रहे कार्यों की पारदर्शी, वास्तविक-समय आधारित मॉनिटरिंग के लिए तैयार किया गया है। पोर्टल का विकास राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त शिक्षक एवं फुलब्राइट फेलो मोहम्मद इमरान खान द्वारा किया गया है। उन्होंने बताया कि इस नई वेबसाइट पर परियोजना से जुडे प्रमुख घटकों- कार्यरत कंप्यूटर लैब, ग्रीन कैम्पस, वर्षा जल संचयन प्रणाली तथा बिल्डिंग ऐज़ ए लर्निंग एड की प्रगति को आकर्षक आँकडों व दृश्य प्रस्तुति के साथ दर्शाया गया है। पोर्टल पर हाल ही में प्रकाशित सफलता की कहानियाँ, साझेदार संस्थाओं की जानकारी और डिजिटल लाइब्रेरी की स्थिति भी रियल-टाइम में उपलब्ध है।

बालोतरा में जुटेंगे देश भर के वकील

जालोर, (का.सं.)। अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद् का राष्ट्रीय अधिवेशन अधिवेशन 26 से 28 दिसम्बर तक बालोतरा-नाकोडा में आयोजित होगा। इसमें देश के सभी राज्यों से 4000 से अधिक अधिवक्ता हिस्सा लेंगे। कार्यक्रम में सुप्रीम कोर्ट एवं देश के विभिन्न हाईकोर्ट के न्यायाधीश भी शिरकत करेंगे।

अधिवक्ता परिषद् के प्रांत अध्यक्ष सुनील जोशी ने बताया कि अधिवेशन का उद्घाटन समारोह 26 दिसम्बर को दोपहर 2.30 बजे से आयोजित होगा। इस अवसर पर उच्चतम न्यायालय एवं उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों सहित कानून जगत से जुड़ी कई हस्तियां मौजूद रहेंगी। कार्यक्रम का समापन समारोह 28 दिसम्बर को दोपहर 1.30 बजे से होगा। तीन दिवसीय अधिवेशन में विभिन्न कानूनी विषयों पर विस्तार से मंथन किया जाएगा। साथ ही परिषद् की आगामी वर्षों की गतिविधियों तथा आयोजनों की रूपरेखा भी तय होगी।

परिषद् के प्रांत महामंत्री श्याम पालीवाल ने बताया कि राजस्थान में पहली बार अधिवक्ता परिषद् का राष्ट्रीय अधिवेशन आयोजित किया जा रहा है। इसकी मेजबानी जोधपुर प्रांत कर रहा है। जोधपुर प्रांत में जोधपुर सहित पाली, जालोर, सिरोही, बाड़मेर, जैसलमेर, बालोतरा, नागौर, फलोदी, डीडवाना, बीकानेर, श्रीगंगानगर एवं हनुमानगढ़ जिले सम्मिलित हैं। आयोजन को लेकर पूरे प्रांत के अधिवक्ता कार्यकर्ता बालोतरा में एकत्र हो चुके हैं।

अधिवक्ता परिषद् के राष्ट्रीय अधिवेशन की इस बार की थीम भारतीय संविधान के 75 वर्ष रू सामाजिक समरसता रहेगी। अधिवेशन के सभी सत्रों में संविधान एवं सामाजिक समरसता से जुड़े कानूनी विषयों पर चर्चा की जाएगी। राष्ट्रीय अधिवेशन को पूरी तरह प्रदूषण मुक्त रखने का लक्ष्य तय किया गया है। नाकोड़ा रोड स्थित अधिवेशन स्थल (रिसोर्ट्स) में प्लास्टिक सामग्री का प्रयोग कम से कम किया जाएगा। अधिवेशन स्थल में आवागमन के लिए 25 ई-रिक्शा लगाए गए हैं।

वाजपेयी को श्रद्धासुमन अर्पित

जयपुर । राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती (25 दिसम्बर) पर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किये है। राज्यपाल ने स्व. वाजपेयी का स्मरण करते हुए कहा कि स्व. वाजपेयी भारत में सुशासन की परंपरा के संवाहक रहे हैं। उन्होंने स्व. वाजपेयी के शुचिता से जुड़े राजनीतिक मूल्यों से प्रेरणा लेते हुए उनके दिए आदर्श अपनाने का आव्हान किया है। राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री पद पर रहते हुए स्व. अटल बिहारी वाजपेयी जी ने स्वस्थ संसदीय परंपराओं के साथ जन हित से जुड़ी सोच को आगे बढ़ाया।

जंगल में नील गाय को गोली मारी

उदयपुर। सलूंबर जिले में वन्यजीव नील गाय (रोजडा) का शिकार करने वाले 6 आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इनसे शिकार के उपयोग में ली 2 टोपीदार बंदूकए छर्रे और 4 चाकू बरामद किए हैं। आरोपी जंगल में नील गाय को गोली मारकर उसे धारदार चाकू से काट रहे थे। तभी गांव के कुछ युवकों ने पीछा करते हुए उन्हें देखा था तो वे फरार हो गए थे।सलूंबर जिले के झल्लारा थाना क्षेत्र में 21 दिसंबर को घटना हुई थी।

थानाधिकारी जय किशन ने बताया. पुलिस ने आरोपी शहीद मोहम्मद पिता नजीर मोहम्मद, शोएब पिता शहीद मोहम्मद,शाहरुख पिता शहीद मोहम्मद,फारुख पिता फकीर मोहम्मद,छोटू पिता इस्माइल खां और आसिफ पिता जाकिर खान को मंगलवार देर शाम गिरफ्तार किया।

थानाधिकारी जय किशन ने बताया. प्रार्थी ऋतुराजसिंह निवासी सीकर हाल झल्लारा ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसमें बताया कि 21 दिसंबर को उसने और उसके साथियों ने शिकारियों को देखा था। तीन-चार बाइक पर दो.दो आरोपी बैठकर बांदरवाडा गांव जा रहे थे।उनके हाथ में दो बंदूक,एक धारदार हथियार था। प्रार्थी ने उनमें से एक आरोपी शाहरुख खान को पहचान लिया था। शाहरुख बाइक रिपेयरिंग की दुकान करता है। उसके साथ उसके पिता शहीद मोहम्मद, भाई शोएब और फारुख आदि थे। प्रार्थी ऋतुराजसिंह ने बताया कि मैंने और मेरे साथी मोहित टेलर, संदीप, धीरज पटेल, रवि पटेल आदि ने बदमाशों का पीछा किया। तब ये बाइक की स्पीड तेज करते हुए करमल माताजी मंदिर के पास जंगल में चले गए। कुछ देर बाद गोली चलने की आवाज सुनाई दी।सभी साथी उस तरफ गए तो देखा आरोपियों ने एक नील गाय को मार दिया था।

जयपुर में पहली बार सजेगा 'व्यंग्य विहास'

जयपुर। राजस्थान साहित्य अकादमी हिंदी गद्य की वाचिक परंपरा के संरक्षण, संवर्धन और प्रसार के उद्देश्य से जयपुर में अखिल भारतीय हास्य-व्यंग्य उत्सव 'व्यंग्य विहास' का आयोजन 25 दिसंबर को सायं 5.30 बजे विधान सभा के पास स्थित कॉन्स्टीट्यूशन क्लब, जयपुर में आयोजित होगा। उत्सव में देश के छह प्रमुख व्यंग्यकार अपनी विशिष्ट गद्य शैली में रचित व्यंग्य रचनाओं का पाठ करेंगे। जयपुर में व्यंग्य की गद्य परंपरा पर केंद्रित यह अपनी तरह का पहला आयोजन होगा।

पोक्सो एक्ट का फरार आरोपी गिरफ्तार, न्यायालय ने भेजा जेल

सरवाड़। सरवाड़ थाना पुलिस ने बलात्कार एवं पोक्सो एक्ट के मामले में करीब एक साल से फरार चल रहे मुख्य अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया। इस दौरान थानाधिकारी रामपाल शर्मा ने बताया कि नवंबर 2024 में पीड़िता के दादा ने रिपोर्ट दर्ज करवाई कि 18 नवंबर की रात करीब 12 बजे जब वह उठा तो उसकी नाबालिग पोती घर से गायब थी तथा घर का सामान बिखरा पड़ा था।

वही रिपोर्ट में पीड़ित ने आरोप लगाया कि बबलू पुत्र बहादुर बंजारा ने अन्य साथियों के साथ मिलकर उसकी नाबालिग पोती का अपहरण कर लिया है वहीं पुलिस ने इस संबंध में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई वहीं लेकिन आरोपी गिरफ्तारी के डर से फरार हो गया वहीं पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए विशेष टीम का गठन कर आरोपी की तलाश शुरू की और टीम ने तकनीकी साक्ष्यों व मुखबिर की सूचना पर आरोपी बबलू बंजारा उम्र (25) वर्षीय पुत्र बहादुर बंजारा निवासी मोतीनगर (आमली कला) थाना शाहपुरा जिला भीलवाड़ा को गिरफ्तार कर लिया गया।

वहीं गिरफ्तारी के बाद आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है वहीं पुलिस महानिरीक्षक राजेन्द्र सिंह व पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार मील व पुलिस उप अधीक्षक हर्षित शर्मा के निकटतम सुपरविजन में यह कार्यवाही की गई।

वहीं इस दौरान पुलिस टीम में सरवाड़ थानाधिकारी रामपाल शर्मा एएसआई शिवचरण हैड कांस्टेबल कजोड़ मल कांस्टेबल शुभकरण कमलेश कमलेश विरेन्द्र व महिला कांस्टेबल चिन्ता ने अहम भूमिका निभाई है।

'अच्छी फसल के लिए मिट्टी पोषण को बनाए रखें'

भीलवाड़ा। हिन्दुस्तान जिंक एवं बायफ संस्था के संयुक्त तत्वावधान में समाधान परियोजना एवं तांबावती नगरी फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी द्वारा किसान दिवस का आयोजन किया गया। मुख्य अथिति आरएस अधिकारी, कृषि मण्डी समिति, गुलाबपुरा ओ.पी.बैरवा, आईबीयू सीईओ रामपुरा आगुचा, राम मुरारी, सीएसआर हेड भुवनेश शर्मा, कृषि अधिकारी, कृषि विभाग प्रभु लाल, कृषि अधिकारी, कृषि विभाग रामलाल , नोडल अधिकारी, पशु चिकित्सा विभाग, हुरडा मो. रफीक, कृषि पर्यवेक्षक दूदा राम गुर्जर, रासी सीड्स - क्षेत्रीय फसल प्रबंधक, भीलवाडा जगदीश शर्मा, टीएम रासी सीड्स, भीलवाडा अनुज पाटीदार उपस्थित थे। कार्यक्रम में 100 से अधिक किसानों ने भाग लिया।

प्रभु लाल एवं रामलाल ने किसानों को विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारे में जानकारी देते हुए बेहतर फसल पैदावार के लिए मिट्टी के पोषण को बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया। डॉ. मोह. रफीक ने किसानों को वैज्ञानिक पशुधन प्रबंधन तरीकों के बारे में जानकारी दी, जिसमें टीकाकरण, डीवर्मिंग और मिनरल मिक्सचर का उपयोग

भीलवाड़ा में किसान दिवस का आयोजन कृषि अधिकारी प्रभु लाल आदि की मौजूदगी में किया।

- **भीलवाड़ा जिले में आयोजित किसान दिवस कार्यक्रम में 100 से अधिक किसानों ने भाग लिया**
- **डॉ. मोह. रफीक ने किसानों को वैज्ञानिक पशुधन प्रबंधन तरीकों के बारे में जानकारी दी, जिसमें टीकाकरण, मिनरल मिक्सचर का उपयोग शामिल है। ओ.पी. बैरवा ने किसानों को एफपीओ में सक्रिय रूप से शामिल होने और अलग-अलग एफपीओ से जुडी योजनाओं का लाभ लेने हेतु प्रोत्साहित किया।**

शामिल है।

ओ.पी. बैरवा ने किसानों को एफपीओ में सक्रिय रूप से शामिल होने और अलग-अलग एफपीओ से जुडी योजनाओं का लाभ लेने हेतु प्रोत्साहित किया। राम मुरारी एवं भुवनेश शर्मा ने समाधान प्रोजेक्ट की प्रगति के बारे में अपडेट शेयर किए और किसानों को उनके लगातार सहयोग के लिए धन्यवाद दिया।

प्रगतिशील किसानों ने सब्जी और फल प्रदर्शनी के जरिए अपनी उपज प्रदर्शित की, जिसकी अतिथियों ने सराहना की। प्रोजेक्ट प्रतिनिधियों ने समाधान प्रोजेक्ट के उद्देश्यों और मुख्य कार्य पर रोशनी डाली, जिसमें क्लाइमेट-स्मार्ट खेती, पशुधन विकास और किसानों की आय बढ़ाने पर जोर दिया गया।

परिणय सूत्र में बंधी बालिका वधू बाल विवाह की जंजीरों से मुक्त

जोधपुर, (कासं)। क्रिसमस डे से पहले एक बालिका वधू को बाल विवाह की जंजीरों से मुक्ति मिल गयी। साल 2005 में महज 34 दिन की मासूम उम्र में बाल विवाह की शिकार बालिका वधु सोनिया ने करीब 19 साल तक दंश झेला। अब सारथी ट्रस्ट की मैनेजिंग ट्रस्टी एवं पुनर्वास मनोवैज्ञानिक डॉ. कृति भारती के संबल और प्रयासों से सोनिया का बाल विवाह निरस्त हो गया। जोधपुर पारिवारिक न्यायालय संख्या 1 के न्यायाधीश सतीश चंद्र गोदारा ने सोनिया के बाल विवाह निरस्त का फैसला सुनाया। जिसके साथ ही सोनिया व परिजनों की आंखों से खुशी के आंसु छलक गए । सारथी ट्रस्ट की डॉ.कृति ने अब तक 53 जोड़ो के बाल विवाह निरस्त करवा कर अनूठा रिकॉर्ड बनाया है।

- **न्यायाधीश सतीश चंद्र गोदारा ने सुनाया फैसला**
- **काउंसलिंग में सहमति, कोर्ट में बाल विवाह निरस्त का सुनाया फैसला**
- **डॉ. कृति भारती ने 53 बाल विवाह निरस्त कराए, 2200 रुकवाए**

सोनिया का बाल विवाह जोधपुर जिले के ठाामीण क्षेत्र में वर्ष 2005 में हुआ था, जब वह केवल 34 दिन की ही थीं। साल 2022 में गौना होने के बाद ससुराल भेजा गया, लेकिन कुछ अभद्रता के कारण मजबूरन पिता के घर लौटीं । इस पीड़ा के बीच उसे सारथी ट्रस्ट की मैनेजिंग ट्रस्टी और चाइल्ड एंड वूमन राइट्स एडवोकेट डॉ. कृति भारती की बाल विवाह निरस्त की मुहिम के बारे में पता चला। वह डॉ. कृति से मिली तथा बाल विवाह से मुक्ति दिलाने की गुहार लगाई। इसके बाद डॉ. कृति ने पारिवारिक न्यायालय संख्या 1 में बाल विवाह निरस्तीकरण का वाद दायर किया।

डॉ. कृति भारती ने दोनों पक्षों की काउंसलिंग की। जिसमें दोनों पक्षों की बाल विवाह निरस्त करने पर सहमति बन गई। वर पक्ष के अधिवक्ता प्रकाश विश्नोई का भी सकारात्मक सहयोग रहा। डॉ.कृति ने न्यायालय में पैरवी करते हुए बाल विवाह के तथ्यों और दस्तावेजों को पेश किया। जिस पर पारिवारिक न्यायालय संख्या 1 के न्यायाधीश सतीश चंद्र गोदारा ने सुनवाई कर बाल विवाह निरस्त का फैसला सुनाया। सोनिया को केवल 5 माह की न्यायिक प्रक्रिया में ही बाल विवाह से मुक्ति मिली।

फैसला सुनाते हुए पारिवारिक न्यायालय संख्या-1 के न्यायाधीश सतीश चंद्र गोदारा ने बाल विवाह की कुप्रथा पर कड़ा संदेश दिया। उन्होंने कहा कि बाल विवाह न केवल कानूनन अपराध है, बल्कि यह बच्चों के बचपन, शिक्षा और स्वास्थ्य को छीनने वाला जघन्य कृत्य है। ऐसी कुरीतियों को जड़ से खत्म करने के लिए सभी को आगे आना चाहिए। उन्होंने डॉ.कृति की साहसिक मुहिम की भी प्रशंसा की।

उल्लेखनीय है कि सारथी ट्रस्ट की डॉ. कृति भारती ने ही देश का पहला बाल विवाह निरस्त करवाया था। अब तक उन्होंने 53 जोड़ों के बाल विवाह निरस्त करवा दिए हैं तथा करीब 2200 से अधिक बाल विवाह रोके हैं। साहसिक मुहिम के लिए वर्ल्ड रिकाड्र्स इंडिया,एशिया बुक और लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में नाम दर्ज है। सीबीएसई ने उनकी मुहिम को कक्षा 11 के पाठ्यक्रम में शामिल किया। डॉ. कृति को टेफ्ड मैगजीन की वर्ल्ड टॉप टेन एक्टिविस्ट सूची, बीबीसी की 100 प्रभावशाली महिलाओं की सूची, मारवाड़-मेवाड़ रत्न सहित कई राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मानों से नवाजा जा चुका है।

दुपहिया वाहन चोर गिरफ्तार

जयपुर। हरमाड़ा थाना पुलिस ने दुपहिया वाहन चोरी के मामलों में कार्रवाई करते हुए दो शातिर वाहन चोरों को गिरफ्तार किया है। साथ ही पुलिस ने इन आरोपियों के पास से तीन चोरी के दुपहिया वाहन (बाइक) भी बरामद की हैं। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपित नशा करने के आदि है और नशे की लत के लिए सुनसान इलाकों में खड़े दुपहिया वाहनों की रैकी कर चोरी की वारदात को अंजाम देते थे। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम हनुमान प्रसाद ने बताया कि हरमाड़ा थाना पुलिस ने दुपहिया वाहन चोरी करने वाले गिरोह के शातिर बदमाश विकास बुनकर उर्फ विक्की बुनकर (19) निवासी हरमाडा जयपुर और अजय राणा (19) निवासी हरमाड़ा जयपुर को गिरफ्तार किया गया है। जिनके पास से तीन चोरी के दुपहिया वाहन भी बरामद किए गए है।

पूछताछ में सामने आया कि दोनों आरोपी नशे के आदी हैं और शौक पूरे करने के लिए चोरी की वारदात करते थे। ये पार्किंग और सुनसान स्थानों पर खड़ी बाइक चुराकर गलियों के रास्ते ले जाते थे ताकि सीसीटीवी कैमरों से बच सकें। इसके अलावा आरोपित अजय राणा के खिलाफ पहले भी चोरी व अन्य धाराओं में पांच प्रकरण दर्ज हैं। जिनमें कई मामलों में चार्जशीट पेश की जा चुकी है। फिलहाल गिरफ्तार आरोपियों से गहन पूछताछ की जा रही है।

अरावली की हत्या के लिए बीजेपी-कांग्रेस नेता जिम्मेदार : आहूजा

अलवर । बीजेपी से निष्कासित पूर्व विधायक ज्ञानदेव आहूजा ने अरावली पर्वतमाला के विनाश को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और वसुंधरा राजे पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

आहुजा ने कहा कि यदि अरावली की हत्या का दोष तय किया जाए तो उसमें 75 प्रतिशत जिम्मेदारी अशोक गहलोत और 25 प्रतिशत वसुंधरा राजे की है। आहूजा ने जारी विज्ञप्ति में कहा, वसुंधरा राजे भले ही भाजपा की नेता हों, लेकिन उन्होंने भी अपने दोनों कार्यकाल में अवैध खनन, पट्टे और लीज देने में कोई कसर नहीं छोड़ी। जयपुर में बनी कई इमारतों को मान्यता देना भी उसी नीति का हिस्सा रहा, यह अलग विषय हो सकता है लेकिन जिम्मेदारी से इनकार नहीं किया जा सकता।

उन्होंने आरोप लगाया कि

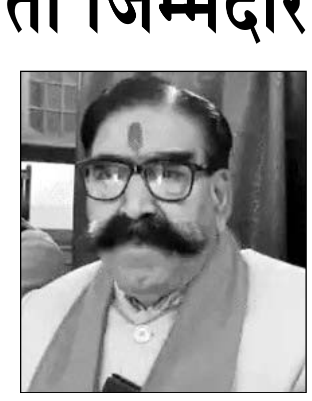

ज्ञानदेव आहूजा

अलवर जिले में अरावली की हत्या, अवैध खनन और 52 डैम, झील-बावडियों पर अवैध कब्जों के लिए नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली और उन्हें संरक्षण देने वाले भंवर जितेंद्र सिंह जिम्मेदार हैं। आहूजा का कहना है कि इन दोनों के संरक्षण में सिलीसेढ़ झील, जयसमंद और अन्य

- **पूरे अलवर जिले में फैल जाएगा रेगिस्तान, वसुंधरा राजे और गहलोत पर भी आरोप**

जल स्त्रोतों पर अवैध होटल व कब्जे किए गए और जिले का कोई भी सरोवर नहीं छोडा गया। पूर्व विधायक ने चेतावनी दी कि यदि अरावली को नहीं बचाया गया तो आने वाले 10 वर्षों में राजस्थान के हर जिले में रेगिस्तान फैल जाएगा, और इसका असर दिल्ली, हरियाणा और पंजाब तक पहुंचेगा। आहुजा ने ऐलान किया कि अब वे सरकार के खिलाफ और अरावली को बचाने के लिए आंदोलन करेंगे। उन्होंने कहा कि यह मुद्दा जाति, धर्म, हिंदू-मुस्लिम से ऊपर है।

बाघिन पीएन 224 ने देर रात शिकार किया

बूंदी (निसं)। राजस्थान के बाघों की नस्ल बदलने के लिए पहली बार मध्य प्रदेश के पेंच टाइगर रिजर्व से लाई गई बाघिन को बूंदी का रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व रास आ रहा है। एनक्लोजर में रहने के दौरान दूसरे ही दिन बाघिन पीएन 224 ने देर रात बेट (पाड़े) का शिकार किया हैं। सीसीएफ सुगनाराम जाट ने बताया कि बाघिन पीएन 224 को सोमवार को रामगढ रिजर्व के सॉफ्ट एनक्लोजर ने रिलीज किया था। वाइल्ड लाइफ जानवर जगह बदलने पर एक दो दिन स्ट्रेस में रहते है। बाघिन पहले दिन थोडी स्ट्रेस में दिखी थी, लेकिन बाद में बाघिन एनक्लोजर में स्वच्छंद होकर घूम रही है। फॉरेस्ट की टीम लगातार मॉनिटरिंग में जुटी हुई है। रामगढ़ लाने से पहले बाघिन ने एमपी के पेंच रिजर्व में शिकार किया था। देर रात बाघिन ने रामगढ के एनक्लोजर में शिकार किया है। वो 1 हैक्टेयर के एनक्लोजर में अच्छे से घूम रही है और रेस्ट भी कर रही है।

धोखाधड़ी मामले में फरार आरोपी गिरफ्तार

जयपुर। जयपुर कमिश्नरेट की स्पेशल जिला स्पेशल टीम (क्राइम ब्रांच सीएसटी) ने इनामी एवं वांछित अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए पांच हजार रुपए के इनामी आरोपी को गिरफ्तार किया है।

सीएसटी ने पुलिस थाना शास्त्री नगर (उत्तर) में दर्ज धोखाधड़ी के मामले में वांछित चल रहे आरोपी अनिल कुमार जाट को दस्तयाब कर संबंधित थाने को सुपुर्द किया।

पुलिस उपायुक्त (अपराध) अभिजीत सिंह ने बताया कि पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल के मार्गदर्शन एवं अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (ऑपरेशन्स) राहुल प्रकाश के निर्देशन में वांछित व इनामी अपराधियों की धरपकड के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस के चलते सीएसटी ने पुलिस थाना शास्त्री नगर (उत्तर) में दर्ज धोखाधड़ी के मामले में वांछित चल रहे।

अरावली के अस्तित्व पर संकट, पीएम को पत्र लिखा

भीलवड़ा । भीलवड़ा विधायक अशोक कोठारी ने अरावली पर्वतमाला के संरक्षण और हाल ही में चर्चा में आई 100 मीटर ऊँचाई संबंधी व्याख्या को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर अरावली के अस्तित्व को बचाने हेतु तत्काल हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया है।

प्रधानमंत्री को लिखे पत्र मे विधायक कोठारी ने अरावली को एशिया की सबसे प्राचीन पर्वत श्रृंखला और राजस्थान की लाइफलाइन बताते हुए कहा कि यह श्रृंखला थार मरुस्थल के विस्तार को रोकने वाली एक प्राकृतिक दीवार है। जिसकी आयु लगभग 2 से 2.5 अरब वर्ष मानी जाती है। यह पर्वतमाला गुजरात से दिल्ली तक फैली हुई है, जिसमें लगभग 80 प्रतिशत भाग राजस्थान में स्थित है। अरावली राजस्थान की सभ्यता, संस्कृति, जीवन-प्रणाली और पर्यावरणीय

- **अरावली की 100 मीटर ऊँचाई संबंधी व्याख्या पर पुनर्विचार की मांग की**

संतुलन की मूल आधारशिला रही है। इसी कारण राजस्थान सरकार ने अपने बजट में हरित अरावली विकास योजना के तहत 250 करोड़ की घोषणा की है। उन्होंने चिंता जताई कि माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा की गई एक व्याख्या के आधार पर 100 मीटर से कम ऊँचाई वाली पहाड़ियों को अरावली न माने जाने की बात सामने आई है।

हालांकि माननीय केन्द्रीय पर्यावरण मंत्री महोदय द्वारा 100 मीटर ऊँचाई की गणना का मापदण्ड पहाड़ के सर्वोच्च शिखर से जमीन के नीचे तक बेस स्ट्रक्चर को ध्यान में रखकर की जाने की बात कही है, लेकिन पर्यावरणविदों का ऐसा अनुमान है कि इस व्याख्या के लागू होने से अरावली क्षेत्र की बहुत सी पहाड़ियाँ कानूनी संरक्षण से बाहर हो जाएँगी। यदि 100 मीटर से कम ऊँचाई वाली पहाड़ियों को अरावली के दायरे से बाहर कर दिया गया, तो इससे खनन और रियल एस्टेट माफियाओं एवं अन्य व्यावसायिक गतिविधियों को खुली छूट मिल जाएगी। कोठारी ने पत्र में उल्लेख किया कि राजस्थान में कम ऊँचाई वाली पहाडियों को डूंगर, डूंगरी या मगरा कहा जाता है, जो स्थानीय पारिस्थितिकी का अभिन्न अंग हैं। नई व्याख्या के कारण अरावली क्षेत्र की कई पहाड़ियाँ कानूनी संरक्षण से बाहर हो सकती हैं। कोठारी ने कहा कि यदि अरावली कमजोर हुई, तो उत्तर भारत में हीटवेव, जल संकट और धूल भरी आंधियों का प्रकोप और भी अधिक भयावह हो जाएगा।

जयपुर मंडल के स्टेशनों की तस्वीर बदली

जयपुर । उत्तर पश्चिम रेलवे के जयपुर मंडल के अंतर्गत आने वाले रेवाड़ी, खैरथल और दौसा रेलवे स्टेशनों का अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत व्यापक पुनर्विकास किया गया है। करोड़ों रुपये की लागत से किए गए इन कार्यों का उद्देश्य स्टेशनों को आधुनिक, सुरक्षित, सुविधाजनक और यात्री-अनुकूल बनाना है, जिससे यात्रियों को बेहतर यात्रा अनुभव मिल सके।

रेवाड़ी रेलवे स्टेशन उत्तर पश्चिम रेलवे के जयपुर मंडल का एक महत्वपूर्ण स्टेशन है, जो दिल्ली, जयपुर और उत्तर भारत के अन्य प्रमुख शहरों को जोड़ता है। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत स्टेशन का 31.91 करोड़ रुपये की लागत से पुनर्विकास

- **रेवाड़ी, खैरथल और दौसा रेलवे स्टेशनों का हुआ व्यापक पुनर्विकास**

किया जा रहा है। पुनर्विकास के तहत स्टेशन भवन को पूर्ण रूप से नवीनीकृत किया गया है। सुविधा क्षेत्र को 430 वर्ग मीटर से बढ़ाकर 1600 वर्ग मीटर किया गया है तथा अलग-अलग प्रवेश और निकास द्वार बनाए गए हैं। स्टेशन भवन के अंदर भारतीय कला और संस्कृति को दर्शाते आकर्षक चित्र बनाए गए हैं और पोर्च का निर्माण किया गया है। अग्रभाग पर प्रकाश व्यवस्था का उन्नयन किया गया है। सर्कुलेटिंग क्षेत्र में यातायात संचालन में सुधार करते हुए हरित पट्टी विकसित की गई है, साथ ही समर्पित पार्किंग, प्रतीक्षा कक्ष और वीआईपी रूम की सुविधा दी गई है। मौजूदा शौचालय ब्लॉकों का आधुनिक फिटिंग के साथ नवीनीकरण किया गया है तथा प्लेटफॉर्म शेल्टरों की जीआई शीट बदली गई है। इसके अतिरिक्त नए आकर्षक बाउंड्री वॉल बनाए गए हैं और 6150 वर्ग मीटर प्लेटफॉर्म सतह का नवीनीकरण किया गया है। स्टेशन पर ट्रेन इन्फॉर्मेशन बोर्ड और कोच इंडिकेशन बोर्ड लगाए गए हैं। दिव्यांगजनों के लिए हेल्प बूथ, विशेष शौचालय, वाटर बूथ, रैम्प, अलग पार्किंग, साइनज और विशेष कुर्सियों की व्यवस्था की गई है।

इसके अलावा स्टेशन पर जीपीएस आधारित घड़ियां, 5 लिफ्ट, 4 एस्केलेटर और फूड प्लाजा का प्रावधान किया गया है। यात्रियों की सुगम आवाजाही के लिए 10 करोड़ रुपये की लागत से 12 मीटर चौड़ा फुट ओवर ब्रिज भी बनाया जा रहा है। सुरक्षा के लिए सीसीटीवी कैमरे, महिला एवं बच्चों के लिए विशेष सुरक्षा प्रावधान किए गए हैं। जल संरक्षण हेतु रेन वाटर हार्वेस्टिंग, वाटर रिसाइक्लिंग प्लांट और ऊर्जा संरक्षण के लिए रूफ टॉप सोलर प्लांट लगाया जा रहा है।

खैरथल रेलवे स्टेशन उत्तर पश्चिम रेलवे के जयपुर मंडल में स्थित है और यह अलवर जिले का एक प्रमुख व्यापारिक केंद्र है।

कोटा में एक्सप्रेसवे पर कार पर पलटा कंटेनर, ननद और एनआरआई भाभी की मौत

दुर्घटनाग्रस्त कंटेनर को कार से हटाने के लिए क्रेन की मदद लेनी पड़ी, हादसे में मृतकों को कार से निकालने में भी मशक्कत करनी पड़ी

कोटा । कोटा जिले के चेचट थाना इलाके में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे चेचट इंटरचेंज पर बुधवार को एक सड़क दुर्घटना में एक एनआरआई सहित दो महिलाओं की मौत हो गई। महिलाएं लग्जरी कार में सवार थी। जिस पर एक भारी भरकम कंटेनर गिर गया। कार में दबने से दोनों महिलाओं की मौत हो गई। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद कार में फंसी महिलाओं को बाहर निकाला गया। मृतक दोनों महिलाएं आपस में ननद-भाभी हैं। वे अपने परिवार के साथ उज्जैन महाकाल के दर्शन करके वापस लौट रही थी।

चेचट थाने के असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर पुरुषोत्तम मीणा ने बताया कि दुर्घटना की सूचना सुबह पौने दस बजे मिली थी। इसमें नोएडा निवासी 45 वर्षीय सुधा राणा और और उनकी भाभी देहरादून निवासी 42 वर्षीय शिवानी भंडारी की मौत हो गई। शिवानी एनआरआई हैं और अपने पति कुलदीप व परिवार के साथ ऑस्ट्रेलिया में रहती हैं। दोनों ने ऑस्ट्रेलिया की नागरिकता भी प्राप्त कर ली है। दुर्घटना के बाद क्रेन से दोनों महिलाओं को कार से बाहर निकलवाया गया। अस्पताल ले जाने पर चिकित्सकों ने उनको मृत घोषित कर दिया। परिजनों की रिपोर्ट के आधार पर कंटेनर चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। दुर्घटना के बाद कंटेनर चालक मौके से फरार हो गया। कंटेनर को जब्त कर लिया गया है। कंटेनर मध्यप्रदेश की ओर से दिल्ली की तरफ जा रहा था। एएसआई पुरुषोत्तम मीणा ने बताया कि इस कार में पांच जने सवार थे। जिनमें मृतका नोएडा निवासी सुधा राणा, उनका बेटा वर्धमान राणा, भाई कुलदीप भंडारी व भाभी शिवानी भंडारी के साथ ड्राइवर भी शामिल है। यह दुर्घटना एक्सप्रेसवे चेचट इंटरचेंज पर हुई। जहां पर लग्जरी कार के पीछे से आ रहा कंटेनर अचानक से पलटा और कार के पीछे के हिस्से पर जा गिरा। जिससे कार में पीछे की सीट पर बैठी दोनों महिलाओं की मौत हो गई। बड़ी मुश्किल से क्रेन की मदद से कंटेनर को हटाया गया और दोनों को बाहर निकाल गया। जबकि कार में सवार अन्य तीन लोगों के हल्की-फुल्की चोट आई है। पुरुषोत्तम मीणा ने बताया कि मृतक शिवानी एक सप्ताह पहले अपने किसी नजदीकी रिश्तेदार की मौत के चलते भारत आई थी। वहीं कुलदीप दो दिन पहले ही भारत आया था। दोनों मंगलवार को अपने नोएडा निवासी रिश्तेदार के साथ उज्जैन दर्शन करने के लिए चले गए थे। बुधवार को सुबह वापस आते समय यह हादसा हो गया। इन्होंने नोएडा से टैक्सी किराए पर ली थी। शिवानी व कुलदीप अपने बच्चों को ऑस्ट्रेलिया छोड़कर यहां आए थे।

कोटा जिले के चेचट थाना इलाके में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे चेचट इंटरचेंज पर एक सड़क दुर्घटना में एक एनआरआई सहित दो महिलाओं की मौत हो गई है।।

■ मृतक शिवानी एक सप्ताह पहले अपने किसी नजदीकी रिश्तेदार की मौत होने पर गमी में भारत आई थी।

फंदे में फंसा मादा पैंथर शावक

बूंदी (निसं)। रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व के बफर जोन में एक बार फिर शिकारियों की करतूत सामने आई है। जिले की हिंडोली रेंज में डाटुन्दा माताजी से कालदां माताजी के रास्ते में अज्ञात शिकारियों द्वारा लगाए गए फंदे में एक डेढ़ वर्षीय मादा शावक फंस गई।बुधवार सुबह जब ग्रामीणों को इसकी जानकारी मिली तो उन्होंने वन विभाग को सूचना दी। फंदे में पैंथर के फंसे होने की सूचना मिलने पर वन विभाग बूंदी से सहायक वन संरक्षक सुनील धाबाई, हिंडोली रेंजर शिव प्रकाश चौधरी, नाका प्रभारी राजेश शर्मा एवं अन्य स्टाफ मौके पर पहुंचे तथा पैंथर के रेस्क्यू के लिए मुकुंदरा हिल्स टाइगर रिजर्व के रेस्क्यू दल को बुलाया गया। दोपहर बाद रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची तथा डॉ तेजेन्द्र सिंह रियाड़ ने ट्रेंकुलाइज कर पैंथर का रेस्क्यू कर इसके उपचार के लिए कोटा चिड़ियाघर भेजा है

राजस्थान में बाघो के कॉरिडोर में बाधक बना रामगढ का बफर जोन:- राज्य में चौथे टाइगर रिजर्व के रूप में तीन साल पहले अस्तित्व में आए रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व में बाघ-बघेरों सहित अन्य वन्यजीवों की सुरक्षा टाइगर रिजर्व के दो भागों में बंटे प्रशासनिक नियंत्रण के चलते खतरे में है। 1501 वर्ग किलोमीटर में बने इस टाइगर रिजर्व का 634 वर्ग किलोमीटर का महत्वपूर्ण जंगल प्रादेशिक वन खण्ड के नियंत्रण में आता है और शेष 867 वर्ग किलोमीटर टाइगर रिजर्व के कोर उपवन संरक्षक के कार्य क्षेत्र का भाग है।

43 कार्मिक अनुपस्थित मिले, अनुशासनात्मक कार्रवाई होगी

अलवर । प्रशासनिक सुधार एवं समन्वय विभाग के प्रमुख शासन सचिव के निर्देशानुसार वरिष्ठ शासन उप सचिव एवं अतिरिक्त निदेशक (निरीक्षण के.आर मीना के नेतृत्व में राज्य स्तरीय निरीक्षण दल ने आज जिले के राजगढ उपखण्ड में स्थित विभिन्न राजकीय कार्यालयों एवं विभागों का आकस्मिक निरीक्षण किया।

वरिष्ठ शासन उप सचिव एवं अतिरिक्त निदेशक (निरीक्षण) के.आर मीना ने बताया कि निरीक्षण के दौरान 4 राजपत्रित एवं 39 अराजपत्रित अधिकारी एवं कर्मचारी अनुपस्थित पाए गए, जिन पर नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्रवाई करने हेतु रिपोर्ट उच्च स्तर पर भेजी जाएगी। उन्होने बताया कि निरीक्षण में पाया गया कि कार्यालयों एवं विभागों में उपस्थिति पंजिकाएं निर्धारित मापदण्डानुसार संधानित नहीं किए जाने, साफ-सफाई की व्यवस्थाएं सुव्यवस्थित नहीं होने, रिकॉर्ड अव्यवस्थित होने तथा प्रशासनिक सुधार एवं समन्वय विभाग द्वारा जारी परिपत्रों की पालना सुनिश्चित नहीं किया जाना पाया गया।

■ वरिष्ठ शासन उप सचिव एवं अतिरिक्त निदेशक (निरीक्षण के.आर मीना के नेतृत्व में राज्य स्तरीय निरीक्षण दल ने आज जिले के राजगढ उपखण्ड में स्थित विभिन्न राजकीय कार्यालयों एवं विभागों का आकस्मिक निरीक्षण किया।

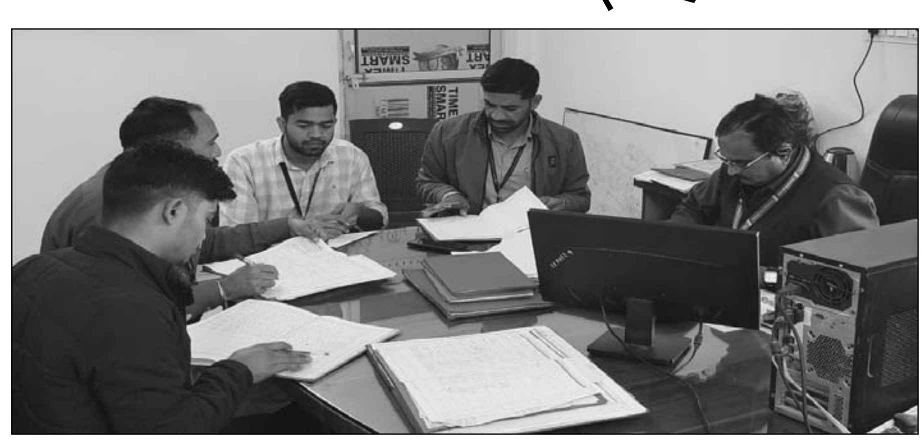

अलवर में विभागों के निरीक्षण के दौरान 4 राजपत्रित व 39 अराजपत्रित अधिकारी एवं कर्मचारी अनुपस्थित पाए गए।

साक्षात्कार का तृतीय चरण 5 से

अजमेर । राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा बुधवार को विभिन्न भर्ती परीक्षाओं के साक्षात्कारों का विस्तृत कार्यक्रम घोषित कर दिया गया है।

इसके अनुसार, राजस्थान राज्य एवं अधीनस्थ सेवाएं संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा-2024 के तीसरे चरण के इंटरव्यू 5 जनवरी 2026 से शुरू होकर 15 जनवरी 2026 तक चलेंगे। इस भर्ती के साक्षात्कार में उपस्थित होने वाले समस्त अभ्यर्थियों को ऑनलाइन भरे गए विस्तृत आवेदन पत्र डाउनलोड कर साक्षात्कार के समय दो प्रतियों में मय समस्त प्रमाण-पत्रों की फोटो प्रति एवं समस्त मूल प्रमाण-पत्रों सहित प्रस्तुत करना होगा।

सहायक आचार्य सहित विभिन्न पदों का साक्षात्कार कार्यक्रम - इसके अलावा, सहायक आचार्य (कॉलेज शिक्षा विभाग) भर्ती-2023 अन्तर्गत भूगोल विषय के पदों हेतु अंतिम चरण के साक्षात्कार 5 से 13 जनवरी 2026 तक आयोजित किए जाएंगे।

उदयपुर के वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर ने बनाई 9 सूक्ष्म कलाकृतियां

उदयपुर। उदयपुर के वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर और स्वर्ण शिल्पी इकबाल सक्का ने एक बार फिर सूक्ष्म कला के जरिए अपनी अलग पहचान दर्ज कराई है। क्रिसमस डे के अवसर पर उन्होंने ऐसी 9 अनोखी कलाकृतियां तैयार की हैं जिन्हें नंगी आंखों से देख पाना लगभग नामुमकिन है। इन्हें देखने के लिए लेंस की जरूरत पडती है।

डॉ. सक्का ने क्रिसमस थीम पर घास की झोपडी तैयार की और उसके भीतर चांदी से बनी विश्व की सबसे छोटी नौ कलाकृतियां स्थापित कीं। इनमें घास की छोटी टोकरी में मात्र 3 मिलीमीटर आकार में हजरत ईसा अलैहिस्सलाम (ईसा मसीह) के जन्म का प्रतीक स्वरूप रखा गया है। इसके साथ एक सेंटीमीटर आकार का चांदी का चर्च और 3 मिलीमीटर साइज के क्रॉस, मछली,बेल,कांटों का ताज,मोमबत्ती और स्टार भी बनाए गए हैं। इन सभी प्रतीकों के जरिए उन्होंने क्रिसमस के धार्मिक व ऐतिहासिक महत्व को सूक्ष्म कला के माध्यम से दर्शाने की कोशिश की है। सक्का के नाम 121 वर्ल्ड रिकॉर्ड दर्ज हैं। डॉ. सक्का ने बताया कि इन कलाकृतियों को तैयार करने में 36 घंटे से अधिक का समय लगा। बेहद बारीक काम होने के कारण लगातार ध्यान और स्थिरता के साथ काम करना पडा। उन्होंने बताया कि इन सूक्ष्म कलाकृतियों को हिंदुस्तान बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज कराने के लिए आवेदन किया गया था। जांच प्रक्रिया के बाद रिकॉर्ड को स्वीकार किया गया और 11 दिसंबर को आधिकारिक प्रमाणपत्र जारी किया गया है। उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य सिर्फ रिकॉर्ड बनाना नहीं, बल्कि देश-विदेश में उदयपुर और राजस्थान की कला-परंपरा का नाम रोशन करना भी है। इसी सोच के साथ वे इन कलाकृतियों को जनता के बीच प्रदर्शित करना चाहते हैं।

■ घास की टोकरी 36 घंटे में की तैयार

8 अभ्यर्थियों को अंतिम अवसर

अजमेर । राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा समूह अनुदेशक/सर्वेयर/सहायक शिक्षुता सलाहकार ठोड द्वितीय भर्ती-2024 के अंतर्गत जारी विचारित सूची में सम्मिलित 8 अभ्यर्थियों को ऑनलाइन विस्तृत आवेदन पत्र भरने का अंतिम अवसर दिया गया है। यह अभ्यर्थी उक्त भर्ती अंतर्गत पात्रता जांच हेतु जारी विचारित सूची में शामिल हैं, लेकिन इनके द्वारा पूर्व में इस हेतु प्रदत्त अवसरों में ऑनलाइन विस्तृत आवेदन पत्र सब्मिट नहीं किया गया है। इन अभ्यर्थियों के लिए ऑनलाइन विस्तृत आवेदन पत्र भरने का लिंक 25 से 28 दिसंबर तक खोला जाएगा। इस संबंध में विस्तृत सूचना आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

अभ्यर्थियों को अपनी एसएसओ आइडी का उपयोग करते हुए रिक्रूटमेंट पोर्टल पर जाना होगा और माय रिक्रूटमेंट से डिटेल्ड फॉर्म कम स्क्रुटनी में एप्लाई नाउ का चयन कर निर्धारित अवधि में विस्तृत आवेदन पत्र भरना सुनिश्चित करना होगा।

जांच, निरीक्षण और प्रेक्टिकल एग्जाम में गिफ्ट लेने वाले टीचर्स पर भी होगी कार्रवाई

■ प्राइवेट स्कूलों में स्वागत सत्कार करवाने पर लगी पाबंदी

■ प्रेक्टिकल परीक्षाओं के दौरान बाहरी वीक्षकों की नियुक्ति केवल गवर्नमेंट स्कूलों में काम रहे शिक्षकों में से ही की जाएगी।

बीकानेर । राजस्थान के शिक्षा विभाग ने प्राइवेट स्कूलों में निरीक्षण, जांच और परीक्षाओं के दौरान होने वाले स्वागत- सत्कार पर पाबंदी लगा दी है।

इस संबंध में माध्यमिक शिक्षा निदेशक सीताराम जाट ने एक आदेश जारी किया है। इसमें साफ कहा गया है कि किसी भी स्तर पर निरीक्षकों, वीक्षकों या अन्य अधिकारियों की मेहमानवाजी, आतिथ्य या स्वागत की परंपरा पर पूरी तरह रोक रहेगी। दरअसल, समय-समय पर शिक्षा विभाग की ओर से निजी स्कूलों में मान्यता, क्रमोन्नति, परीक्षा, प्रेक्टिकल एग्जाम और अन्य शैक्षणिक गतिविधियों के तहत निरीक्षण किए जाते हैं। इन अवसरों पर कई बार स्कूल प्रबंधन द्वारा अधिकारियों का स्वागत, भोजन व्यवस्था, ठहरने का इंतजाम किया जाता है। उपहार भी दिए जाते हैं। इसी को देखते हुए विभाग ने यह निर्देश जारी किए गए हैं।

आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि प्रेक्टिकल परीक्षाओं के दौरान बाहरी वीक्षकों की नियुक्ति केवल गवर्नमेंट स्कूलों में काम रहे शिक्षकों में से ही की जाएगी। निजी स्कूलों में कार्यरत शिक्षकों को किसी भी स्तर पर वीक्षक नहीं बनाया जाएगा। इसके साथ ही परीक्षा या निरीक्षण के दौरान किसी तरह का दबाव, अनुचित गतिविधि या नियमों के खिलाफ आचरण पाए जाने पर तत्काल माध्यमिक शिक्षा बोर्ड अजमेर और जिला शिक्षा अधिकारी को सूचना देने के निर्देश दिए गए हैं।

शिक्षा विभाग ने किसी भी मामले की जांच या निरीक्षण के दौरान अधिकारी किसी भी तरह की मेहमाननवाजी स्वीकार नहीं करेगा। वहीं होटल में ठहराने की व्यवस्था, भोजन, जलपान अपने स्तर पर करेगा। इसके लिए राज्य सरकार संबंधित कर्मचारी व अधिकारी को सुविधा देती है। आदेश के तहत न सिर्फ अधिकारी बल्कि संबंधित संस्था पर भी कार्रवाई की जाएगी। यदि कोई संस्था या स्कूल इस तरह की व्यवस्था करता पाया गया तो उसे गंभीर अनुशासनात्मक अनियमितता माना जाएगा। संबंधित संस्था प्रमुख के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। शिक्षा विभाग ने सभी जिला शिक्षा अधिकारियों और संभागीय संयुक्त निदेशकों को निर्देशित किया है कि वे अपने क्षेत्राधिकार में इन आदेशों की सख्ती से पालना सुनिश्चित करें। साथ ही स्कूलों, छात्रों और अभिभावकों को भी इस बारे में जागरूक करने के लिए कहा गया है, जिससे पारदर्शी और निष्पक्ष शैक्षणिक वातावरण बना रहे। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की ओर से 12वीं क्लास के प्रैक्टिकल एग्जाम की डेट डिसाइड कर दी गई है। रेगुलर स्टूडेंट्स के प्रैक्टिकल एग्जाम 1 जनवरी और प्राइवेट स्टूडेंट्स के 25 जनवरी 2026 से शुरू होंगे।

राजस्थान आवासन मण्डल

क्रमांक :- 2965 दिनांक :- 23/12/2025

निविदा सूचना संख्या - 03/2025-26

सेक्टर-24 प्रताप नगर सांगानेर जयपुर में डी-एरिया की चारदीवारी का निर्माण व मरम्मत कार्य हेतु इच्छुक निविदादाताओं से दिनांक 25.12.2025 से 03.01.2026 तक सायं 6.00 बजे तक ई-प्रोक के माध्यम से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र विस्तृत सूचना एवं शर्तें आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट **https://eproc.rajasthan.gov.in, sppp.rajasthan.gov.in** एवं मण्डल की वेबसाईट **rhb.rajasthan.gov.in** पर देखा जा सकता है।

UBN No. :- RHB2526WSOB00306

राज.संवाद/सी/25/16434 — आवासीय अभियंता, खण्ड-तृतीय, जयपुर

राज ऋषि भर्तृहरि मत्स्य विश्वविद्यालय, अलवर

क्रमांक :- राऋभमवि/अल/सा.प्रा./2025/1413 दिनांक :- 24/12/2025

E-Bid Inviting Notice

(NIB No. 07/2025-26)

RAJ RISHI BHARTRIHARI MATSYA UNIVERSITY, ALWAR hereby invites E-Bid for Supply and Commissioning of New D.G. Set In Raj Rishi Bhartrihari matsya university at Haldina Campus, Alwar The bid may be Downloaded from 24/12/2025 at 2:00PM and last date of submission of the bid is 06/01/2026 at 1:00PM Details of The same may be seen on **www.rrbmuniv.ac.in.**

UBN No. MUA2526GLOB00022

Raj.Samwad/C/25/16466 — Registrar

कार्यालय नगर परिषद, पुष्कर जिला -अजमेर (राज)

क्रमांक / न.प.पु. / स्वास्थ्य / 2025-26 / 3025 दिनांक 22.12.2025

ई-निविदा सूचना

नगर परिषद पुष्कर में नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों, सेवाप्रदाताओं व एनजीओ से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्युरमेन्ट प्रक्रिया से वाहन चालक आपूर्ति कार्य (कार्य आदेश जारी होने से एक वर्ष की अवधि हेतु) कार्य हेतु राशि 23.50 लाख रूपये हेतु ऑनलाईन निविदाऐं आमंत्रित की जाती है। ऑन लाईन निविदा फार्म डाउनलोड करके भरने की दिनांक 23.12.2025 को 09.00 ए.एम. से दिनांक 05.01.2025 को समय 3 पी.एम तक एवं निविदा शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in/ व https://eproc.rajasthan.gov.in/ पर देखी जा सकती है।

यूबीएन नं. DLB2526SLRC28100

राज.संवाद / सी / 25 / 16443 — प्रशासक — आयुक्त

कार्यालय नगर परिषद बारां (राज.)

nagarpalikabaran@gmail.com स्टेशन रोड, बारां Phone : 07453-230106

क्रमांक : नपबा / निर्माण / 2025 / 8892-94 दिनांक : 22.12.2025

ई-टेण्डर सूचना संख्या : निर्माण 83/2025-26

नगर परिषद बारां द्वारा राजस्थान सरकार के अभियांत्रिकी विभागो में सक्षम श्रेणी में पंजीकृत संवेदको अथवा पीडब्ल्यूएफएआर रूल्स के अन्तर्गत पात्र संवेदको से विभिन्न निर्माण कार्यो के लिये निर्धारित प्रपत्र में ऑनलाईन निविदा आमन्त्रित की जाती है। संवेदक निविदा प्रपत्र व विवरण पोर्टल www.sppp.rajasthan.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखें। कार्यो की लागत 12.00 लाख रूपये से 29.00 लाख रूपये तक है तथा **UBN No.** निम्नानुसार है :-

1. DLB2526WSOB28077, 2. DLB2526WSOB28078, 3. DLB2526WSOB28079

राज.संवाद / सी / 25 / 16447 — आयुक्त, नगर परिषद बारां

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर

कार्यालय भू-सम्पदा अधिकारी

निविदा सूचना संख्या 21/2025-26

कार्यालय भू-सम्पदा अधिकारी, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर द्वारा निम्न कार्यो हेतु उपयुक्त श्रेणी के समकक्ष संवेदक जो कि राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के विभिन्न विभागों में पंजीकृत हो, हेतु खुली निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित पूर्ण विवरण वेबसाईट **www.aujodhpur.ac.in, www.sppp.rajasthan.gov.in** तथा **www.eproc.rajasthan.gov.in** देखा जा सकता है।

UBN No. JAU2526WSOB00154

राज.संवाद/सी/25/16393 — भू-सम्पदा अधिकारी

कार्यालय नगर पालिका सांगोद जिला कोटा (राज.)

E-Mail Id:- np.sangod05@gmail.com Phone No.:-07450-294239

क्रमांक:-न0पा0सा0 / 2025 / 3333 दिनांक:-22.12.2025

ई-निविदा-सूचना

इस कार्यालय की निविदा सूचना संख्या 3332 दिनांक 22.12.2025 के द्वारा कुल 04 कार्य की अनुमानित लागत 56.23 लाख की विभिन्न अभियांत्रिकी विभागो से संबंधित "A", "AA" श्रेणी में पंजीकृत संवेदको एवं विभाग में सक्षम श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से ई-निविदायें आमंत्रित की जाती है। ई-निविदा से संबंधित समस्त विवरण http://eproc.rajasthan.gov.in व www.sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।

Work No.	UBN No.	Work No.	UBN No.
1	DLB2526WSOB28040	3	DLB2526WSOB28043
2	DLB2526WSOB28042	4	DLB2526WSOB28045

प्रशासक नगरपालिका सांगोद — अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका सांगोद

राज.संवाद / सी / 25 / 16419

जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड

प्रभास्मि शशि सूर्ययोः

कार्यालय संभागीय मुख्य अभियंता (जयपुर संभाग) पुराना पॉवर हाऊस, बनीपार्क, जयपुर

टेलीफैक्स : 0141 - 2201489, ई-मेल: zcejz@jvvnl.org

ई-निविदा सूचना

ई-निविदा दो भागों में (तकनीकी-वाणिजियक), जयपुर डिस्कॉम के जेपीडीसी उत्तर वृत्त के क्षेत्र में सहायक अभियंता (भ्ज्ड), जेपीडी, जमवारामगढ़ के अधीन प्रस्तावित 132 के.वी. धौला जी.एस.एस. से 33 के.वी. इंटरकनेक्शन स्थापित करने का कार्य टीएन -162 के तहत एआरसी 2025 पर योग्य निविदादाताओं से श्रम दर पर आमंत्रित किये जाते है। योग्य निविदादाता सम्पूर्ण निविदा संबंधित दस्तावेज ई - प्रोक्योरमेन्ट पोर्टल **http://www.eproc.rajasthan.gov.in** पर दिनांक 26.12.2025 से डाउनलोड कर सकते है। निविदायें ऑनलाईन ई-पोर्टल पर दिनांक 08.01.2026 को सांय 04:00 बजे तक ही स्वीकार की जावेगी। निविदा संबंधी जानकारी कार्य का विवरण इत्यादि जयपुर विद्युत वितरण निगम की वेब साईट **www.energy.rajasthan.gov.in/jvvnl, http://www.sppp.rajasthan.gov.in & http://eproc.rajasthan.gov.in** से प्राप्त की जा सकती है।

UBN: VVN2526WSOB00750

राज.संवाद/सी/25/16436 — जेपीआर - 3104 (2025) — संभागीय मुख्य अभियंता (जयपुर संभाग)

बिजली शिकायतों के लिए टोल फ्री नम्बर 1800 180 6507

भिवाड़ी इंटिग्रेटेड विकास प्राधिकरण

bida — BHIWADI INTEGRATED DEVELOPMENT AUTHORITY

एच-5, भगतसिंह कॉलोनी, भिवाड़ी, अलवर, दूरभाष :- 01493-230819

ई-मेल :- bida.bhiwadi@rajasthan.gov.in

क्रमांक :- बीड़ा/अभि./5265/25 दिनांक :- 22/12/2025

Notice Inviting Bid

Bid for "Tubewell installation & Water pipeline laying work at BIDA Scheme-Pragati vihar", "HT line shifting in front of ramfal's house near khanpur chowk at alwar bypass road bhiwadi", "बीडा क्षेत्राधिकार मे टैण्ट व्यवस्था का कार्य।", "Renovation, Maintenance and security work of Tourism park, BIDA Sector 2,9 Bhagat singh colony Block-A, Block-B Parks", "Development of samtal chawk Bhiwadi", "बीडा लाइब्रेरी मे प्रथम तल निर्माण कार्य।", " 'Electrification work in vasundhra nagar model town scheme, BIDA Bhiwadi"," 'Construction of master plan 45m Road & divider from SH-25 to RHB area", "B.T repair and new road work in BKT area of BIDA" is invited from interested Bidders up to 02.00 PM date 15.12.2025. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal **http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in** of the state; and **https://bida.rajasthan.gov.in** departmental website.

UBN: BDA2526WSOB00103 To BDA2526WSOB00111

Raj.Samwad/C/25/16400 — Executive Engineer

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता

सा. नि. वि. विद्युत खण्ड प्रथम, जोधपुर

क्रमांक-अ.अ./वि.ख.प्र./जा./2025-26/3225-40 दिनांक-18.12.2025

निविदा सूचना संख्याः 37/2025-26

NIB Code PWD2526A4785

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से विभिन्न विद्युतीकरण कार्यों हेतु सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों द्वारा विद्युत कार्यों हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जायेंगी। निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट www.dipr.rajasthan.gov.in व 'http://www.sppp.rajasthan.gov.in/ http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

निविदा की कुल लागत	रु.106.67 लाख अधिकतम एकल कार्य की राशि 106.67 लाख
कुल धरोहर राशि	अनुमानित लागत की दो प्रतिशत अथवा नियमानुसार
निविदा आवेदन/डाउनलोड करने की तारीख व समय	18/12/2025 से 02/01/2026 तक सांय 06.00 बजे
ऑनलाईन निविदा जमा कराने की तारीख व समय	18/12/2025 से 02/01/2026 तक सांय 06.00 बजे
तकनिकी/वित्तीय बिड़ खोलने की तारीख व समय	05/01/2026 मध्यांह 3.00 बजे से
प्री-बिड मीटिंग की तारीख व समय	29/12/2025 को दोपहर 1.00 बजे से अधिशाषी अभियंता सा0नि0वि0 विद्युत खण्ड प्रथम जोधपुर कार्यालय में
	1. Shifting of Electrical Line 11KV & LT Line on Construction of 4 Lane Road from Jalore to Bagra Including Divider (18 KM) of SH-31 In District Jalore. PWD2526WSOB19104 2.

DIPR/C/18937/2025 — अधिशाषी अभियन्ता, सा.नि.वि. विद्युत खण्ड प्रथम, जोधपुर

कार्यालय नगरपरिषद, करौली (राज0)

फोन न0 07464-294024 ई-मेल आईडी np.karauli@yahoo.com website- www.npkarauli.in

क्रमांक : 4237 दिनांक : 19.12.2025

ई - निविदा सूचना

सर्वसाधारण एवं उपर्युक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों को सूचित किया जाता हैं कि नगरपरिषद क्षेत्र में स्थित सर्किट हाउस में डेकोरेटिव पोल व लाईट लगाने का कार्य कराना चाहती है। जिस हेतु उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से ई-टैण्डरिंग के माध्यम से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती हैं। निविदा का विवरण व शर्तें www.sppp.rajasthan.gov.in & www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता हैं।

कार्य का नाम	नगरपरिषद क्षेत्र में स्थित सर्किट हाउस में डेकोरेटिव पोल व लाईट लगाने का कार्य
निविदा की अनुमानित लागत	25.00 लाख
धरोहर राशि	अनुमानित लागत की 2 प्रतिशत
ऑनलाईन निविदा फॉर्म मिलने / डाउनलोड की तारीख	20.12.2025 समय 2:00 पीएम से 08.01.2026 समय 6:00 पीएम तक
ऑनलाईन निविदा फॉर्म जमा कराने की अन्तिम तिथि	08.01.2026 समय 6:00 पीएम तक
ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल प्राप्त तकनीकी बिड की खोलने की तिथि	09.01.2026 समय 4:00 पीएम
निविदा शुल्क	1000 / - रूपयें
निविदा प्रोसेसिंग शुल्क	500 / -रूपये
निविदा प्रपत्र व शर्ते डाउनलोडिंग बेबसाईट	eproc.rajasthan.gov.in
कार्य की समयावधि	02 माह
UBN. -	DLB2526WSOB28137

राज.संवाद / सी / 25 / 16451 — सभापति नगरपरिषद, करौली — आयुक्त नगरपरिषद, करौली

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता,

सार्वजनिक निर्माण विभाग, नगर खण्ड 3, जयपुर

क्रमांक :- 5114 दिनांक 19.12.2025

अल्पकालीन निविदा सूचना संख्या 72/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिए पीडब्लयूएफ एण्ड ए.आर पार्ट ।। अपेण्डिक्स 16 दिनांक 1.07.1999 से लागू एवं समय समय पर पंजीयन नियमो सम्बन्धी वित्त विभाग द्वारा जारी आदि दिनांक संशोधित परिपत्रो के अनुरूप इस विभाग में उपयुक्त श्रेणी मे पंजीकृत ठेकेदारो से मोहरबन्द निविदाये आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विवरण वेबसाइट www.dipronline.org, http://eproc.rajasthan.gov.in/ & www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

निविदा आवेदन डाउनलोड करने की तारीख	22.12.2025 (सोमवार) प्रातः 9.30 बजे से 26.12.2025 (शुक्रवार) तक सांय 6.00 बजे तक
निविदा जमा कराने की तारीख	22.12.2025 (सोमवार) प्रातः 9.30 बजे से 26.12.2025 (शुक्रवार) तक सांय 6.00 बजे तक
निविदा खोलने की तारीख	27.12.2025 (शनिवार) को प्रातः 11.00 बजे से

NIT S. No	UBN No.	NIT S. No	UBN No.
1	PWD2526WSOB19250	16	PWD2526WSOB19265
2	PWD2526WSOB19251	17	PWD2526WSOB19266
3	PWD2526WSOB19252	18	PWD2526WSOB19267
4	PWD2526WSOB19253	19	PWD2526WSOB19268
5	PWD2526WSOB19254	20	PWD2526WSOB19269
6	PWD2526WSOB19255	21	PWD2526WSOB19270
7	PWD2526WSOB19256	22	PWD2526WSOB19271
8	PWD2526WSOB19257	23	PWD2526WSOB19272
9	PWD2526WSOB19258	24	PWD2526WSOB19273
10	PWD2526WSOB19259	25	PWD2526WSOB19274
11	PWD2526WSOB19260	26	PWD2526WSOB19275
12	PWD2526WSOB19261	27	PWD2526WSOB19276
13	PWD2526WSOB19262	28	PWD2526WSOB19277
14	PWD2526WSOB19263	29	PWD2526WSOB19278
15	PWD2526WSOB19264	30	PWD2526WSOB19279

(पवन कुमार कुलश्रेष्ठ) अधिशाषी अभियन्ता सानिवि नगर खण्ड तृतीय जयपुर

DIPR/C/18980/2025

कार्यालय नगरपरिषद, करौली (राज0)

फोन न0 07464-294024 ई-मेल आईडी np.karauli@yahoo.com website- www.npkarauli.in

क्रमांक : 4263 दिनांक : 19.12.2025

ई - निविदा सूचना

सर्वसाधारण एवं उपर्युक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों को सूचित किया जाता हैं कि नगरपरिषद करौली परिषद क्षेत्र निम्न कार्य कराना चाहती है। जिस हेतु उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से ई-टैण्डरिंग के माध्यम से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती हैं। निविदा का विवरण व शर्तें www.sppp.rajasthan.gov.in & www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता हैं।

कार्य का नाम	नगरपरिषद क्षेत्र में विभिन्न विकास कार्य :- कुल कार्य 11
निविदा की अनुमानित लागत	109.81 लाख
धरोहर राशि	प्रत्येक कार्य हेतु अनुमानित लागत की 2 प्रतिशत
ऑनलाईन निविदा फॉर्म मिलने /डाउनलोड की तारीख	23.12.2025 समय 2:00 पीएम से 15.01.2026 समय 6:00 पीएम तक
ऑनलाईन निविदा फॉर्म जमा कराने की अन्तिम तिथि	15.01.2026 समय 6:00 पीएम तक
ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल प्राप्त निविदा खोलने की तिथि	16.01.2026 समय 1:30 पीएम
निविदा शुल्क	प्रत्येक कार्य हेतु 1000 / - रूपयें
निविदा प्रोसेसिंग शुल्क	प्रत्येक कार्य हेतु 500 / -रूपये
निविदा प्रपत्र व शर्ते डाउनलोडिंग बेबसाईट	eproc.rajasthan.gov.in
कार्य की समयावधि	04 माह
UBN. -	DLB2526WSOB28113, 28115, 28117 28119, 28121, 28122, 28124, 28125, 28127, 28128, 28130, 28131

सभापति नगरपरिषद, करौली — आयुक्त नगरपरिषद, करौली

राज.संवाद / सी / 25 / 16453

राजस्थान फिल्म पर्यटन प्रोत्साहन नीति-2025 जारी

नई फिल्म पर्यटन नीति, प्रदेश को ''फिल्मिंग हब'' के रूप में स्थापित करेगी : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

जयपुर/मण्डावा (कासं)। राजस्थान सरकार ने प्रदेश को राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय फिल्मकारों का पसंदीदा गंतव्य बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, प्रस्तावित राजस्थान फिल्म पर्यटन प्रोत्साहन नीति 2025 जारी की है। नीति में सब्सिडी / प्रोत्साहन एवं ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के व्यापक प्रावधान शामिल किए गए हैं, जिससे यह नीति अन्य राज्यों की तुलना में फिल्म निर्माताओं के लिए आकर्षक होगी।

राजस्थान फिल्म पर्यटन प्रोत्साहन नीति 2025 जारी करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान की सांस्कृतिक धरोहर, मरुस्थलीय भू-भाग, ऐतिहासिक किले, महल और विविध प्राकृतिक लोकेशन्स विश्वस्तरीय हैं। नई फिल्म पर्यटन नीति राज्य को फिल्मिंग हब के रूप में स्थापित करेगी और युवाओं के लिए रोजगार तथा कौशल विकास के नए अवसर खोलेगी।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने बताया कि फिल्म निर्माण को प्रोत्साहित करने के लिए न केवल सब्सिडी दी जाएगी, अपितु प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सरल बनाकर नीति का सुगम क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जायेगा।

- **राजस्थान में फिल्म निर्माण के प्रोत्साहन के लिए न केवल सब्सिडी दी जाएगी, बल्कि प्रशासनिक प्रक्रियाएं भी सरल बनाएं : दिया कुमारी**

फिल्म व्यय पर 30 प्रतिशत तक दी जाएगी सब्सिडी

राजस्थान में फीचर फिल्म, वेब सीरीज, टीवी सीरियल और डॉक्यूमेंट्री की शूटिंग पर किए व्यय का अधिकतम 30 प्रतिशत तक सब्सिडी देने का प्रावधान है। अधिकतम सब्सिडी सीमा फीचर फिल्म 3 करोड़, वेब सीरीज पर 2 करोड़, टीवी सीरियल पर 1.5 करोड़ और डॉक्यूमेंट्री पर 2 करोड़ रु. सब्सिडी निर्धारित की गई है। हालांकि सब्सिडी प्राप्त करने के लिए राज्य में न्यूनतम व्यय फीचर फिल्म के लिए 2 करोड़, जबकि वेब सीरीज, टीवी सीरियल और राजस्थानी भाषा की फिल्मों के लिए 1 करोड़ रु. अनिवार्य होगा।

सब्सिडी प्राप्त के लिए तय किए प्रावधान

राजस्थान की लोकेशन्स को 5-15 प्रतिशत, 16-30 प्रतिशत और 30 प्रतिशत से अधिक स्क्रीन-टाइम देने पर क्रमश: 10, 20और 30 प्रतिशत सब्सिडी मिलेगी। इसी प्रकार फीचर फिल्म की 50 प्रतिशत शूटिंग दिवस राजस्थान में करने और न्यूनतम व्यय सीमा पूरी करने पर अधिकतम 30 प्रतिशत तक सब्सिडी दी जाएगी। यदि पूरी फिल्म राजस्थान में शूट की जाती है तो अधिकतम सब्सिडी सीमा के अन्दर 5 प्रतिशत अतिरिक्त सब्सिडी दी जाएगी। राज्य सरकार एवं केंद्र सरकार के नियंत्रण वाले शूटिंग स्थानों की अनुमति शुल्क-फीस (अधिकतम 5 दिन) की 100 प्रतिशत प्रतिपूर्ति दी जाएगी।

अंतर्राष्ट्रीय-राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त फिल्मों को प्रोत्साहन

राजस्थान में फिल्माई गई अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त फीचर फिल्मों को अधिकतम 1 करोड़ तथा भारत सरकार के राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार प्राप्त फिल्मों को अधिकतम 50 लाख प्रोत्साहन राशि मिलेगी। फिल्म एन्ड टेलीविजन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया पुणे, सत्यजीत रे फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट कोलकाता और नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा, नई दिल्ली (एनएसडी) में अध्ययन-प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले राजस्थान निवासी छात्रों को छात्रवृत्ति दी जाएगी। प्रत्येक वर्ष 10 छात्रों को चयनित कर अधिकतम 50,000 की 100 फीसदी ट्यूशन फीस सहायता एवं 5000 प्रतिमाह तक 100 प्रतिशत स्टाईपेंड प्रदान किया जाएगा।

फिल्म डायरेक्ट्री और ऑनलाइन पोर्टल बनेगा

पर्यटन विभाग राज्य की सभी शूटिंग लोकेशन्स की विस्तृत डायरेक्टरी तैयार करेगा। साथ ही एक ऑनलाइन पोर्टल विकसित किया जाएगा, जिसमें निर्माता निर्देशक से लेकर कलाकार, तकनीशियन, संगीतकार, कोरियोग्राफर और लाइन प्रोड्यूसर तक सभी की सूची उपलब्ध रहेगी। यह पोर्टल फिल्म निर्माताओं के लिए वन-स्टॉप समाधान बनेगा।

थिएटर में रिलीज होने वाली हिंदी फिल्मों को न्यूनतम 200 स्क्रीन, राजस्थानी फिल्मों को 25 स्क्रीन और अन्य भाषाओं की फिल्मों को 100 स्क्रीन पर रिलीज करना अनिवार्य होगा। सभी सब्सिडी प्राप्त फिल्मों के लिए राज्य सरकार और पर्यटन विभाग को श्रेय देना अनिवार्य होगा।

मंत्री किरोड़ी ने किया सरस राजसखी मेले का अवलोकन

जयपुर (कासं)। जवाहर कला केन्द्र स्थित शिल्पग्राम में आयोजित सरस राजसखी राष्ट्रीय मेले में बुधवार को मुख्य अतिथि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल रहे। विशिष्ट अतिथि राज्य मिशन निदेशक, राजीविका नेहा गिरि तथा विशेष अतिथि अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित दिव्याकृति सिंह रहीं।

मंत्री किरोड़ीलाल ने मेले का अवलोकन करते हुए राजीविका से जुड़ी स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) की महिलाओं से संवाद किया। इस दौरान एसएचजी दीदियों ने अपने अनुभव, आजीविका से जुड़े नवाचार और आत्मनिर्भरता की यात्रा साझा की, जिसकी माननीय मंत्री ने सराहना की। इस मौके पर आजीविका ग्रामीण एक्सप्रेस योजना के अंतर्गत चयनित 16 वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। मेले में आयोजित इन्फ्लुएंसर्स मीट ने युवाओं और डिजिटल मीडिया का विशेष ध्यान आकर्षित किया। शहर के प्रमुख डिजिटल कंटेंट क्रिएटर्स ने इसमें भाग लिया। इन्फ्लुएंसर्स को 30 दिसंबर तक मेले से संबंधित कंटेंट तैयार कर सोशल मीडिया पर साझा करने का अवसर दिया गया है।

4 जनवरी को सर्वश्रेष्ठ स्टोरी टैलर्स का चयन किया जाएगा, जिसमें प्रथम पुरस्कार 1.50 लाख, द्वितीय 1 लाख और तृतीय 50 हजार रखा गया है। विजेताओं का चयन कंटेंट की गुणवत्ता, रचनात्मकता, स्टोरी टैलिंग, इंगेजमेंट और समग्र प्रभाव के आधार पर होगा। कार्यक्रम के समापन पर मंत्री ने इन्फ्लुएंसर्स से संवाद किया और मीडिया के प्रश्नों के उत्तर भी दिए।

देशी-अंग्रेजी शराब की तस्करी पर जयपुर पुलिस का शिकंजा

792 पव्वे बरामद, तस्करी में काम ली जा रही कार जब्त

जयपुर (कासं)। खोरा बीसल पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध शराब की तस्करी का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 792 अवैध शराब के पव्वे यानी 17 पेटी बरामद करते हुए तस्करी के काम में ली जाने वाली मारुति 800 कार जब्त की है। पुलिस गिरफ्तार अभियुक्त से अवैध शराब तस्करी करने वाले अन्य लोगों के बारे में गहनता से पूछताछ करने में जुटी है।

- **जयपुर से अवैध शराब लेकर ग्रामीण इलाकों सप्लाई करते थे बदमाश**

खोरा बीसल पुलिस ने अवैध शराब की तस्करी का पर्दाफाश किया।

उपायुक्त पश्चिम हनुमान प्रसाद ने बताया कि शहर में अवैध शराब तस्करों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया गया है । इस विशेष अभियान के लिए विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने तकनीकी सहायता और मुखबिर की सूचना पर बैनाड रोड मारुति 800 कार को रोककर उसकी तलाशी ली। तलाशी के दौरान कार की डिग्गी से पुलिस ने 17 कार्टून अवैध शराब के पव्वे जब्त कर लिए। पुलिस पूछताछ में आरोपी अर्जुन (36) पुत्र पूरण लक्ष्मी नगर, निवारु रोड झोटवाड़ा निवासी ने बताया कि वो जयपुर से अवैध शराब खरीद कर ग्रामीण इलाकों में सप्लाई करता है। पुलिस ने आरोपी के पास से 4 कार्टून ब्लैक जगरुआर ट्रिपल एक्स रम के 168 पव्वे, 2 कार्टून व्हाईट वोटका, के 96 पव्वे, 1 कार्टून विटेज ऑरेंज वोटका के 48 पव्वे, 5 कार्टून देशी शराब जिसमें 240 पव्वे घूमर ,5 कार्टून देशी मदिरा शराब 240 पव्वे जब्त किए है। पुलिस ने अवैध शराब तस्कर के खिलाफ कार्रवाई करते हुए मारुति 800 कार भी जब्त कर ली है। पुलिस गिरफ्तार आरोपी से अन्य शराब तस्करों के बारे में पूछताछ में जुटी है।

नाबालिग से दुष्कर्म पर युवक को सजा

जयपुर । पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत क्रम-1, महानगर प्रथम ने नाबालिग के साथ कई बार दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त रामखिलाडी सैनी को बीस साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने 23 साल के इस अभियुक्त पर पचास हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। पीठासीन अधिकारी मीना अवस्थी ने आदेश में कहा कि अभियुक्त ने न केवल पीडिता के साथ कई बार दुष्कर्म किया, बल्कि आपत्तिजनक फोटोग्राफ के जरिए उसे मजबूर किया। ऐसे में अभियुक्त के प्रति नरमी का रुख नहीं अपनाया जा सकता।

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक सुरेन्द्र सिंह राजावत ने अदालत को बताया कि घटना को लेकर पीडिता ने 11 सितंबर, 2024 खोह-नागोरियान थाने में रिपोर्ट दी थी। रिपोर्ट में कहा गया कि वह सात भाई-बहिन है और पिता की मौत हो चुकी है। एक बार उन्होंने रामखिलाडी के पिता को घर की हालत बताई तो रामखिलाडी के जरिए जयपुर में काम पर लगाने की बात कही। जून-2023 को रामखिलाडी उसकी मां को विश्वास में लेकर उसे और बडी बहन को अपने साथ सीबीआई फाटक ले आया। 5 दिसंबर को आरोपी ने दुष्कर्म किया और आपत्तिजनक फोटो से ब्लैकमेल कर शोषण करने लगा।

राजस्थान के निर्यात में 10 प्रतिशत की वृद्धि : राठौड़

- **भारत सरकार के आंकड़ों के मुताबिक, ''अप्रेल से अक्टूबर-2024 में जहां राजस्थान का कुल निर्यात रूपये 52.673.94 करोड रु. था, जो कि अप्रेल से अक्टूबर 2025 में बढ़कर रूपये 58029.33 करोड रु. हो गया।''**

जयपुर (कासं)। भारत सरकार ने वर्ष 2025-26 के निर्यात आंकड़े जारी किए गये है, जिसके मुताबिक अप्रेल से अक्टूबर-2024 में जहां राजस्थान का कुल निर्यात रूपये 52.673.94 करोड रु. था, वहीं अप्रेल से अक्टूबर 2025 में यह बढ़कर रूपये 58029.33 करोड हो गया है। इस प्रकार राज्य के निर्यात में लगभग 10 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है, जो कि वर्तमान सरकार की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह जानकारी प्रदेश के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्द्धन सिंह राठौड़ ने दी है। उन्होंने बताया कि राजस्थान में वर्ष 2022-23 में कुल निर्यात 77771.37 करोड़ था, जो वर्ष 2024-25 में बढ़कर 97 हजार 171.68 करोड़ हो गया है। वर्ष 2024-25 का निर्यात, वर्ष 2022-23 की तुलना में लगभग 25 प्रतिशत अधिक रहा है। मंत्री राज्यवर्धन राठौड ने बताया कि उद्योग एवं वाणिज्य विभाग निर्यातकों के उत्थान के लिए निरन्तर प्रयासरत है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा निर्यातकों को प्रोत्साहित करने के लिए एक्सपोर्ट प्रमोशन पॉलिसी-2024, एक जिला एक उत्पाद नीति -2024, तथा राइजिंग राजस्थान समिट-2024 लाई गई, जिससे प्रदेश के उद्योगों को बढ़ावा मिला।

मंत्री राठौड़ ने बताया कि राज्य ने निर्यात में जिन उत्पादों में मुख्य रूप से वृद्धि दर्ज की है, उनमें जैम एण्ड ज्वैलरी, एग्रो एण्ड फूड प्रोडक्ट, स्टोन मार्बल ग्रेनाईट एवं लेदर प्रोडक्ट आदि है। इन क्षेत्रों मे न केवल राज्य के निर्यात को नई गति दी है, बल्कि बड़े पैमाने पर राज्य के व्यक्तियों को रोजगार भी मिला है। राज्य की इस वृद्धि से उत्पादों को अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में भागीदारी बढ़ाने में सहायता के साथ-साथ नये मार्केट तक पंहुच बढ़ी है।

सार-समाचार

डॉक्टर्स प्रीमियर लीग की ट्रॉफी लॉन्च

जयपुर । जयपुर स्थित वेदा पाणिग्रह में डीपीएल क्रिकेट लीग के 18वें सीजन का भव्य शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर डीपीएल ट्रॉफी के साथ-साथ विमेन डॉक्टर्स प्रीमियर लीग की ट्रॉफी भी औपचारिक रूप से लॉन्च की गई। इस दौरान लीग में शामिल सभी 20 टीमों की जर्सी और डॉक्टर्स क्रोनिकल मैगजीन के कवर पेज का भी का अनावरण भी किया गया। जिसे डीपीएल के चेयरपर्सन डॉ. शिवराज सिंह राठौड़ ने मंच से लॉन्च किया। इस आयोजन में देशभर से लगभग 700 प्रतिष्ठित डॉक्टर्स की उपस्थिति रही। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राजस्थान के पुलिस महानिदेशक राजीव शर्मा, एसएमएस मेडिकल कॉलेज के अधीक्षक एवं प्राचार्य दीपक माहेश्वरी, महात्मा गांधी यूनिवर्सिटी ऑफ मेडिकल साइंस एंड टेक्नोलॉजी के एमेरिटस चेयरपर्सन डॉ. एमएल स्वर्णकार विशेष रूप से उपस्थित रहे। आयोजन समिति के सदस्यों और लीग चेयरपर्सन डॉ. रिमी शेखावत ने सभी अतिथियों को बुके, स्मृति चिन्ह और शॉल भेंट कर स्वागत किया। कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण इंडिया ग्लैम की मॉडल्स द्वारा प्रस्तुत रैंप वॉक रहा। जिसमें सभी टीमों की जर्सी पहनकर मंच पर शानदार प्रस्तुति दी। चेयरपर्सन डॉ. शिवराज सिंह राठौड़ ने कहा कि यह केवल एक क्रिकेट प्रतियोगिता नहीं है, बल्कि डॉक्टरों को व्यस्त जीवन से कुछ समय निकालकर आपसी संवाद, टीम भावना और मानसिक सुकून प्रदान करने का एक सशक्त मंच है। मरुधर हॉस्पिटल की डायरेक्टर एवं विमेन डॉक्टर्स प्रीमियर लीग की चेयरपर्सन रिमी शेखावत ने महिला डॉक्टरों की खेलों में बढ़ती भागीदारी पर प्रकाश डाला।

विमेंस आर्ट औरा की कला प्रदर्शन

जयपुर । हवा महल में चल रही विमेंस आर्ट औरा की समूह कला प्रदर्शनी में सुनीता जोशी की तंजोर व राजस्थानी शैली की फ्यूजन कृति ''बणी थणी''एवं अलौकिक लहरों पर आधारित अमूर्त पेंटिंग्स दर्शकों को विशेष रूप से आकर्षित कर रही है। हवामहल की कला दीर्घा में चल रही इस समूह प्रदर्शनी में देश के विभिन्न राज्यों से आई महिला कलाकारों ने भाग लिया है। पारंपरिक से लेकर समकालीन दृष्टि तक फैली ये कृतियां रंग, टेक्सचर और विषय-वस्तु के स्तर पर दर्शकों को नया अनुभव दे रही है। सुनीता जोशी ने तंजोर की सुस्पष्ट रेखाओं, सुनहरे आभा वाले स्वरूपों और राजस्थानी लोक-तत्वों को संयोजित कर फ्यूजन रचनाएं प्रस्तुत की हैं, जो देवत्व और लोकजीवन दोनों की झलक एक साथ दिखाती हैं। उनके कैनवास पर पारंपरिक तंजोर आभूषण, राजस्थानी पोशाक और स्थानीय स्थापत्य की झांकी मिलकर ऐसा दृश्य रचती है, जो हवामहल आने वाले हर कला प्रेमी को ठहरकर निहारने को विवश कर देती है। प्रदर्शनी में आने वाले दर्शक सुनीता जोशी की कृतियों के सामने सेल्फी लेते, नोट्स बनाते और कला के प्रतीकार्थ पर चर्चा करते नजर आ रहे हैं। विनीता आर्ट्स के अनुसार इन रचनाओं ने युवा दर्शकों को भी भारतीय परंपरा और आधुनिक प्रयोगशीलता के साथ जुड़ने का मौका दिया है, जिससे हवामहल सिर्फ पर्यटन स्थल नहीं, बल्कि जीवंत कला-केंद्र के रूप में उभर रहा है।

30 हुक्का बारों पर पुलिस की छापेमारी

जयपुर । पुलिस कमिश्नरेट की सीएसटी टीम ने अलग-अलग जगहों पर छापेमारी की कार्रवाई कर तीस से अधिक हुक्का बार के खिलाफ कार्रवाई कर मैनेजर सहित कई लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इस कार्रवाई के दौरान तीस से अधिक हुक्के सहित कई तहर के फ्लेवर जब्त किए है। सीएसटी टीम ने पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल के निर्देश व स्पेशल कमिश्नर राहुल प्रकाश के सुपरविजन में सीएसटी टीम ने जयपुर के कई इलाकों में एक साथ छापेमारी की। सीएसटी टीम ने जवाहर सर्किल, विधायकपुरी सहित अन्य क्षेत्रों में स्थित रेस्टो-बार और रूफटॉप कैफे पर दबिश दी। इस दौरान बर्लिसिस रेस्ट्रो बार, इजारा रूफ़टॉप समेत अन्य स्थानों पर अवैध रूप से हुक्का परोसे जाने का खुलासा हुआ।छापेमारी के दौरान पुलिस ने 30 से अधिक हुक्का, फ्लेवर और अन्य आपत्तिजनक सामग्री बरामद की। मौके से मैनेजर सहित कई लोगों को गिरफ्तार किया गया है। सीएसटी टीम ने कार्रवाई के दौरान 7 से अधिक लोगों को शांति भंग के आरोप में गिरफ्तार किया गया। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि शहर में अवैध हुक्का संचालन और नियमों के उल्लंघन को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आने वाले दिनों में भी ऐसे प्रतिष्ठानों के खिलाफ लगातार अभियान जारी रहेगा।

वरिष्ठ अधिवक्ता रूंगटा का सम्मान आज

जयपुर । पिंक सिटी प्रेस क्लब में गुरूवार प्रात: 10 बजे वर्ल्ड ब्लाइंड यूनियन के अध्यक्ष निर्वाचित होने पर संतोष कुमार रूंगटा, सीनियर एडवोकेट सुप्रीम कोर्ट नई दिल्ली के साथ ही राजस्थान प्रशासनिक सेवा में चयनित दो दृष्टि दिव्यांग अधिकारियों तथा वर्ल्ड कप जीत कर आई एक महिला खिलाड़ी के सम्मान के लिए समारोह आयोजित किया जा रहा है। राजस्थान नेत्रहीन सेवा संघ के महासचिव जय राम मीणा ने बताया कि समारोह में उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी तथा डॉ. प्रेम चंद बैरवा, शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत, प्रगतिशील मंच, पूर्व विधायक संघ के अध्यक्ष जीतराम चौधरी तथा भाजपा उपाध्यक्ष बिहारी लाल विश्नोई सहित कई गणमान्य समाज सेवी शिरकत करेंगे। उल्लेखनीय है कि पिछले 40 साल से अब तक वर्ल्ड ब्लाइंड यूनियन की अध्यक्षता यूरोपीय देशों के प्रतिनिधियों के हाथ में रही है। पहली बार भारत के संतोष कुमार रूंगटा, इस संस्था के चेयरमैन निर्वाचित हुए हैं जो राजस्थान के झुंझुनू जिले के मूल निवासी है।

पिता ने लगाया बेटे की हत्या का आरोप

जयपुर । मालवीय नगर थाना इलाके में सितम्बर माह में रेलवे ट्रैक के पास मिले हितेश के शव को लेकर अब नया मोड सामने आया है। इस मामले में मृतक हितेश के पिता ने अपने पुत्र की हत्या कर उसके शव को रेलवे ट्रैक पर फेंकने का आरोप लगाते हुए हत्या का मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने पीड़ित पिता की शिकायत पर हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है। गौरतलब है कि सितम्बर माह में मालवीय नगर इलाके में गौरव टावर के पीछे रेलवे लाइन पर हितेश का शव पड़ा मिला था। जिसके बाद राहगीरो की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर उसकी शिनाख्त कर मामले की जानकारी मृतक के परिजनों को दी। वहीं इस मामले में मृतक हितेश के पिता ने अज्ञात लोगों के खिलाफ हत्या कर शव को रेलवे ट्रैक पर फेंकने का आरोप लगाया है।

गोपालगढ़ हिंसा के समय आरोपी नाबालिग, किशोर न्याय बोर्ड करे सुनवाई : एसीजेएम

जयपुर (कासं)। सीबीआई मामलों की एसीजेएम कोर्ट ने गोपालगढ़ हिंसा से जुडे मामले में एक आरोपी को घटना के समय नाबालिग मानते हुए उसके प्रकरण को सुनवाई के लिए स्थानीय किशोर न्याय बोर्ड में भेज दिया है। अदालत ने कहा है कि संबंधित पक्षकार आगामी 27 जनवरी को बोर्ड के समक्ष पेश हों। इसके साथ ही अदालत ने सीबीआई को कहा है कि वह नाबालिग के संबंध में सक्षम अदालत में चालान पेश करें। अदालत ने यह आदेश आरोपी के प्रार्थना पत्र को स्वीकार करते हुए दिए। अदालत ने आरोपी के खिलाफ पूर्व में जारी गिरफ्तारी वारंट और संपत्ति कुर्क व नीलामी करने की कार्रवाई को भी रद्द कर दिया है।

प्रार्थना पत्र में अधिवक्ता त्रिलोकचंद शर्मा ने बताया कि उसका इस मामले से कोई लेना-देना नहीं है, लेकिन फिर भी पुलिस ने उसे आरोपित किया है। पूरक चार्जशीट में आरोपी के पिता का नाम शेरी नलवाला है, जबकि उसके पिता का नाम शेरसिंह है। सीबीआई ने उसके पिता का सरनेम गलत लिखा है। प्रार्थना पत्र के साथ दस्तावेज पेश कर कहा गया कि घटना के समय उसकी उम्र 16 साल एक महीने ही थी। इसके बावजूद भी उसके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी कर उसे भगोड़ा किया और उसकी संपत्ति को कुर्क व नीलाम करने के आदेश जारी कर दिए। इसलिए उसे भगोड़ा घोषित करने और कुर्की व नीलामी की कार्रवाई के आदेश को रद्द किया जाए। इसका विरोध करते हुए सरकारी वकील ने कहा कि इस मामले की ट्रायल एडीजे कोर्ट-4 में चल रही है और उसमें 83 गवाहों के बयान दर्ज हो चुके हैं। प्रार्थी गिरफ्तारी वारंट के बावजूद भी पेश नहीं हुआ।

श्याम धनी के आईपीओ ने हासिल किए 25 हजार करोड़ के बिड्स

जयपुर (कासं)। राजस्थान की श्याम धनी इंडस्ट्रीज लि. ने एसएमई आईपीओ बाजार में 25 हजार करोड़ से अधिक के बिड्स हासिल करके इतिहास रच दिया है, जो एसएमई बाजार में अब तक का सबसे अधिक सब्सक्रिब किया गया आईपीओ बन गया है।

इस आईपीओ में निवेशकों की भारी मांग देखी गई है, जो कंपनी के मजबूत बिजनेस फंडामेंटल्स, ग्रोथ पोटेंशियल और गवर्नेंस फ्रेमवर्क में विश्वास को दर्शाता है। आईपीओ का प्रबंधन राजस्थान स्थित प्रमुख मर्चेंट बैंकिंग फर्म होलानी कंसल्टेंट्स प्राइवेट लि. द्वारा किया गया है, जो एसएमई बाजार में बेहतरीन कंपनियों को लिस्ट करने के लिए जानी जाती है। टोटल सब्सक्रिप्शन 918 गुना ओवर-सब्सक्राइब हुआ है। यह जानकारी चैयरमैन रामावतार अग्रवाल, निदेशक ममता अग्रवाल और विठ्ठल अग्रवाल ने दी है।

रामावतार अग्रवाल

ममता अग्रवाल

विठ्ठल अग्रवाल

पारदर्शी और डिजिटल सार्वजनिक उपापन की दिशा में मील का पत्थर एस.एच.पी.पी.

सिंगल होलिस्टिक प्रोक्योरमेंट पोर्टल की लॉन्चिंग कार्यशाला संपन्न

सिंगल होलिस्टिक प्रोक्योरमेंट पोर्टल के परिचय के लिए अधिकारियों की कार्यशाला आयोजित हुई।

जयपुर । वित्त विभाग के तत्वाधान में सार्वजनिक उपापन प्रणाली को अधिक पारदर्शी, प्रभावी एवं पूर्णत: डिजिटल बनाने की दिशा में बुधवार को महत्वपूर्ण पहल की गई। सिंगल होलिस्टिक प्रोक्योरमेंट पोर्टल (एसएचपीपी) के परिचय, आमुखीकरण एवं लॉन्चिंग के लिए बुधवार को कार्यशाला हुई। जिसकी अध्यक्षता वित्त विभाग के प्रमुख शासन सचिव वैभव गालरिया ने की।

गालरिया ने सार्वजनिक उपापन प्रणाली की वर्तमान चुनौतियों का उल्लेख करते हुए एसएचपीपी को एक यूनिफाइड सॉल्यूशन बताया, जो विभिन्न प्रक्रियाओं को एकीकृत कर सरकारी खरीद को अधिक सरल, पारदर्शी एवं जवाबदेह बनाएगा। शासन सचिव बजट राजन विशाल ने एसएचपीपी की अवधारणा, उद्देश्य एवं कार्यप्रणाली का विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया। उन्होंने बताया कि एस.एच.पी.पी. की प्रभावी क्रियान्विति से संविदा प्रबंधन एवं सार्वजनिक उपापन प्रणाली सुदृढ़ होगी, जिससे राजकीय योजनाओं एवं परियोजनाओं के लिए आवंटित बजट का समयबद्ध एवं प्रभावी उपयोग सुनिश्चित होगा तथा विकास कार्यों को गति मिलेगी। उन्होंने बताया कि एसएचपीपी एक इंटीग्रेटेड सिस्टम है, जिसमें एसएचपीपी, ई-प्रोक्योरमेंट, जैम एवं वाम जैसे प्लेटफॉर्म्स को एकीकृत कर एक ही सिंगल डिजिटल प्लेटफॉर्म विकसित किया गया है। कार्यशाला के दौरान एसएचपीपी के चार प्रमुख मॉड्यूल- रिक्वेस्ट फॉर कोटेशन, लिमिटेड बिडिंग, प्रोक्योरेंट फ्रॉम नोटिफाइड एजेंसीज, व्हीकल ऑन हायरिंग का औपचारिक लॉन्च किया गया तथा लाइव डेमो के माध्यम से इसकी कार्यप्रणाली का प्रस्तुतीकरण किया गया। कार्यशाला में विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष , वित्तीय सलाहकार, मुख्य लेखाधिकारी सहित वित्त विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। एसएचपीपी के माध्यम से राज्य सरकार की मंशानुसार सार्वजनिक उपापन प्रक्रिया को आधुनिक, पारदर्शी एवं तकनीक-सक्षम बनाते हुए सुशासन की दिशा में एक सशक्त कदम उठाया गया है।

फ्लाई-पास्ट अभ्यास के दौरान पतंगबाजी पर रोक

जयपुर। सेना दिवस पर प्रस्तावित फ्लाई पास्ट (विमान परेड) अभ्यास को लेकर प्रशासन ने सुरक्षा के मद्देनजर कड़े निर्देश जारी किए हैं। जिसके चलते राजधानी में जगतपुरा इलाके में महल रोड के पांच किलोमीटर के दायरे में 14 दिन पतंगबाजी पर रोक लगा दी गई है। इस संबंध में जयपुर के अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर डॉ. राजीव पचार ने इस संबंध में बीएनएस की धारा 163 के तहत आदेश जारी किया है। आदेश के अनुसार जयपुर में सेना दिवस के अवसर पर 15 जनवरी को परेड महल रोड पर होगी। इससे पहले करीब 13 दिन तक फ्लाई पास्ट (विमान परेड) की रिहर्सल होगी। इसी को ध्यान में रखते हुए महल रोड के पांच किलोमीटर के दायरे में पतंग उड़ाने पर प्रतिबंध लगाया गया है।

अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर (कानून-व्यवस्था) डॉ. राजीव पचार ने बताया सेना दिवस के परेड स्थल महल रोड (हरे कृष्णा मार्ग) जगतपुरा के ऊपर के क्षेत्र में फ्लाई पास्ट अभ्यास (विमान परेड) का आयोजन होगा। इस दौरान विमान बहुत कम ऊंचाई पर उड़ान भरेंगे। इस दौरान बड़ी संख्या में लोग इकट्ठे भी होंगे। जिनकी सुरक्षा के मद्देनजर महल रोड, हरेकृष्णा मार्ग, जगतपुरा के पांच किलोमीटर के दायरे में पतंग उड़ाने पर रोक लगाई गई है। उन्होंने बताया कि 2 जनवरी 2026 से 14 जनवरी 2026 तक दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक पतंगबाजी पर रोक रहेगी।

खुद को पुलिसकर्मी बताकर जेवर लूट ले गए बदमाश

- **महिला के सोने के आभुषण लेकर फरार हुए बाइक सवार आरोपी**

जयपुर। महेश नगर इलाके में शातिर बाइक सवार बदमाश ने बुजुर्ग महिला दंपति को रोका और गले में पहने हुए सोने के मंगल सूत्र के असली और नकली होने की जानकारी ली। असली होने की जानकारी मिलने के बाद शातिर बाइक सवार बदमाश ने पीड़िता को अपनी बातों में उलझाया और सोने का मंगलसूत्र, हाथों में पहने कड़े और अंगूठी लेकर फरार हो गए। शातिर बदमाश जाते वक्त पीड़िता को कागज की पुड़िया थमा गए। शातिर बदमाशों के फरार होने के बाद पीड़िता ने कागज की पुड़िया खोली तो उसमें पीतल की तीन चूड़ियां मिली। जिसके बाद पीड़िता को खुद के साथ हुई धोखाधड़ी का एहसास हुआ और उसने मामले की जानकारी तुरंत पुलिस कंट्रोल रुम को दी। कंट्रोल रुम की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने पीड़िता के बयानों के आधार पर धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश शुरु कर दी है।

पुलिस ने बताया कि गोविंदपुरी स्वेज फॉर्म निवासी गोविंद सिंह और उकसी पत्नी रमा देवी सब्जी खरीदने के लिए घर से निकले थे। इसी दौरान शाम साढ़े पांच बजे ज्योतिबा फुले कॉलेज के पास एक बिना नंबर की काली बाइक पर दो बदमाश आए और खुद को पुलिसकर्मी बताते हुए बुजुर्ग दम्पति को रोक लिया। युवकों ने रौब दिखाते हुए खुद को पुलिसकर्मी बताया और पास ही एक सीनियर सिटीजन के साथ वारदात होने की बात कहते हुए उनकी तलाशी लेने को कहा। बाइक सवार शातिर बदमाशों ने बुजुर्ग महिला के गले में पहने मंगल सूत्र के असली या नकली होने के बारे में पूछताछ की। घबराई महिला ने मंगलसूत्र खोले कर अपने पति को दे दिया। तभी बाइक सवार बदमाश ने हाथ पर झपट्टा मार सोने का मंगल सूत्र छीन लिया और पति के हाथ में पहनी हुई सोने की अंगूठी जबरन उतरवा ली। विरोध करने पर शातिर बदमाशों ने बुगुर्ग दम्पति से गाली-गलौच करना शुरु कर दिया और एक कागज की पुड़ियां पकड़ाकर फरार हो गए। बदमाशों ने जाने के बाद बुजुर्ग दम्पति ने पुड़िया खोलकर देखी तो उसमें पीतल की तीन चूड़ियां मिली। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर बाइक सवार बदमाशों के खिलाफ लूट का मामला दर्ज कर तलाश शुरु कर दी है।

तिरंगा यात्रा के साथ घर पहुंचा सीआईएसएफ जवान का शव, सैनिक सम्मान से हुआ अंतिम संस्कार

पावटा(निसं)। राजस्थान के कोटपुतली बहरोड जिले के ग्राम बड़नगर निवासी सीआईएसएफ जवान शंकर लाल जाट का अंतिम संस्कार बुधवार दोपहर सैनिक सम्मान से हुआ। इससे पहले सीआईएसएफ जवान शंकर लाल जाट का शव तिरंगा यात्रा के बीच पावटा से गांव बड़नगर पहुंचा। जहां शहीद अमर रहे के गगनभेदी नारों के बीच जवान की अंतिम यात्रा निकाली गई। अंत्येष्टि स्थल पर बड़ी बेटी अंशिता व भतीजे ईशान ने जवान को मुखाग्नि दी।

> ■ शव तिरंगा यात्रा के बीच पावटा से गांव बड़नगर पहुंचा जहां शहीद अमर रहे के गगनभेदी नारों के बीच जवान की अंतिम यात्रा निकाली गई

पावटा में तिरंगा यात्रा के साथ घर पहुंचा सीआईएसएफ जवान का शव।

सीआईएसएफ सब इंस्पेक्टर विजय कुमार ने बताया कि 40 वर्षीय जवान शंकर लाल जाट सीआईएसएफ टर्निंग सेंटर थकोला तमिलनाडु में कार्यरत थे, अपनी यूनिट (चेन्नई) में ड्यूटी पर तैनात थे। इसके बाद जवान शंकर लाल जाट का शव बुधवार दोपहर को ही घर पहुंचा। जहां अंतिम दर्शन के बाद अंतिम क्रिया की गई। जवान की मौत पर परिजनों का जहां रो- रो कर बुरा हाल था। वहीं, पूरा गांव भी स्तब्ध रहा। इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक कुलदीप धनकड, एसडीएम साधना शर्मा, भाजपा जिला उपाध्यक्ष सुरेश गिठाला, पूर्व सरपंच मदनलाल यादव, पूर्व सरपंच रामकरण यादव, रामनिवास टाईगर, पंसस लालचंद यादव, महेश बैराठी, प्रागपुरा थाना प्रभारी भजनाराम सहित जनप्रतिनिधियों व लोगों ने जवान को श्रद्धांजली अर्पित की। 40 वर्षीय जवान शंकर लाल जाट की सेना में नियुक्ति 10 साल पहले हुई थी। 16 साल पहले रजनेश के साथ विवाह हुआ था। उनके तीन बेटियां है जिनमें अंशीता 16 वर्ष,तोषिका 3 वर्ष व एक 8 माह की बेटी लड्डु है। दो भाइयों में सबसे बड़ा भाई राजेंद्र जाट ज्यों कि आर्मी से रिटायर होकर पटवारी पद पर कार्यरत है। बूढ़े माता- पिता प्रहलाद जाट व छोटी देवी घर पर ही रहते हैं। पावटा पहुंचने के बाद जवान शंकर लाल जाट के शव को बाइक तिरंगा रैली के साथ घर लाया गया। जिसमें नारे लगाते हुए गांव के युवा शामिल हुए। इस दौरान ग्रामीणों ने भी जगह जगह पुष्प वर्षा की।

निर्माणाधीन दुकानों से सरियों के बंडल चोरी

पावटा (निसं)। नगर क्षेत्र में चोरी की वारदातें लगातार बढ़ती जा रही हैं। ताज़ा मामला पावटा कस्बा स्थित मारूति सुज़ुकी ऑफिस के पास श्री कृष्णा कॉम्प्लेक्स का है, जहां निर्माणाधीन दुकानों को निशाना बनाते हुए अज्ञात चोर सरियों के बंडल चुराकर फरार हो गए। पूरी वारदात पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है।रंजीत यादव मंढा, रोहिताश यादव निवासी वीर तेजाजी नगर ने बताया कि 22 दिसम्बर सोमवार देर रात चोर निर्माणाधीन दुकानों में घुसे और वहां रखे सरियों के बंडलों को वाहन में भरकर ले गए। चोरी की यह घटना आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों में रिकॉर्ड हो गई, जिसमें चोरों की गतिविधियां स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही हैं।

> ■ चोरी की यह घटना आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों में रिकॉर्ड हो गई, जिसमें चोरों की गतिविधियां स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही

गांवों को आत्मनिर्भर बनाने वाली प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के 25 साल

कोटपूतली- बहरोड़ (निसं)। स्वतंत्रता के दशकों बाद तक भारत के ग्रामीण क्षेत्र बुनियादी सुविधाओं से वंचित थे। इन सुविधाओं तक पहुँचने के लिए एक मार्ग की जरूरत थी। इसी जरूरत को समझते हुए पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी ने 25 दिसंबर 2000 को प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के रूप में भारत के असंबद्ध गांवों को सड़क से जोड़ने की मजबूत नीव रखी।

जिसके तहत सामान्य क्षेत्र की 500 से अधिक एवं मरूस्थलीय तथा आदिवासी क्षेत्र की 250 से अधिक आबादी की बसावटों को सर्वकालिक पक्की सड़कों से जोड़ने का लक्ष्य निर्धारित किया गया तथा आगे चलकर इसमें प्रमुख ग्रामीण सड़कों का चैड़ाईकरण सुदृढ़ीकरण करने का लक्ष्य भी सम्मिलित किया गया। इसी लक्ष्य की प्राप्ति में राजस्थान ने अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। उक्त योजना के तहत सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा गत 25 वर्षों में प्रदेश में 75 हजार किमी. सड़कों का निर्माण किया गया एवं 15983 बसावटों/गांवों को आलवेदर पक्की सड़कों से जोड़ा गया। यह केवल सड़कों का विस्तार नहीं है बल्कि दूर दराज के गांवों तक शिक्षा, स्वास्थ्य और नये अवसरों को पहुँचाने की पहल रही है। इस अवधि में कोटपूतली बहरोड़ जिले में लगभग 230 करोड़ रुपये की लागत से 845 किमी. सड़कों का निर्माण करवाकर 214 बसावटों को आलवेदर सड़कों से जोड़ा गया है। प्रथम चरण में जिले में लगभग 137 करोड़ रूपये की लागत से 646 किमी. लम्बाई की सड़कों का निर्माण कर 214 बसावटों को ऑलवेदर पक्की सड़कों से जोड़ा गया। इसके साथ ही 169 किमी. सड़कों का चैडाईकरण व सुदृढ़ीकरण का कार्य किया गया।

राजगढ़ बंद पूर्ण सफल

राजगढ़(निसं)। कस्बे में राजगढ़ के नाम से स्वीकृत केंद्रीय विद्यालय को बाहर खोलने के विरोध को लेकर बुधवार को राजगढ़ बंद पूर्ण सफल रहा। राजगढ़ आवाज मंच एवं व्यापारियों के समर्थन मैं बंद के आ ान के बाद बुधवार बुधवारको मंच के मुकेश जैमन एवं व्यापारियों सहित अन्य प्रमुख जागरूक लोगों ने पंडित भवानी सहाय स्मारक से जुलूस निकाला। जुलूस के दौरान मंच के कार्यकर्ता एवं जागरूक लोगों ने उपखंड एवं तहसील परिसर में विरोध जताया।राजगढ़ बंद के दौरान प्रमुख भजनों के बैंड के बाद गोल मार्केट पर सभा का आयोजन किया गया। इसमें सभी वक्ताओने केंद्रीय विद्यालय को राजगढ़ में खोलने की मांगकी। राजगढ़ से बाहर केंद्रीय विद्यालय खोलने को राजगढ़ के हितों के साथ कूठाराघात बताया। प्रमुख मार्गो में कार्यकर्ताओं की रैली के बाद गोल मार्केट पर सभा का आयोजन हुआ। इस सभा में दर्जनों वक्ताओ ने राजनीति से ऊपर उठकर राजगढ़ के भविष्य को लेकर केंद्रीय विद्यालय राजगढ़ की जरूरत बताया। आमसभा में मुकेश जैमन, सरपंच राजू वकील, पंचायत समिति सदस्य एन एल वर्मा, सुरजीत सिंह, अजय प्रधान, पार्षद धर्म सिंह धर्मी, अशोक शर्मा, उमेश सैनी, एवं अनेक वक्ताओं ने विचार व्यक्त किए। गुरुवार को सब्जी मंडी भी बंद रहेगी। वर्ष 2020 में राजगढ़ के नाम से एक केंद्रीय विद्यालय स्वीकृत होने के बादगुपचुप में रेणी के दलालपुरा में खोलने के प्रयास किया जा रहे हैं। इसको लेकर राजगढ़ आवाज मंच एवं अनेक संगठनों ने केवीएस को राजगढ़ में खोलने को लेकर बंद का आव्हान किया। गुरुवार से राजगढ़ बंद के आंदोलन में महिला शक्ति एवं अन्य समाजों के जुड़ने की संभावना है।

विवाधकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन

(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
न्यायालय सहायक कलेक्टर (फास्ट टैक) आमेर जिला जयपुर

अर्चना गुप्ता विरूद्ध बसन्ती देवी वगै.
वाद बाबत विभाजन व स्थायी निषेधाज्ञा
वाद संख्या 68 सन् 2025

बनाम महावीर प्रसाद पुत्र दानाराम जाति महाजन स्थान ग्राम जेठूवाला बास तह.फतेहपुर जिला सीकर वादीया ने आपके विरूद्ध कोर्ट में प्रकरण के लिए वाद पंजीयत किया है। आपका इस न्यायालय में तारीख 07.01.26 को दिन में 10 बजें दावे का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिए वचन दिया जाता है। आप न्यायालय में स्वंय या किसी ऐसी प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते है जिसे सम्यक अनुदेश दिए गये हो ओर जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपकों यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य दाखिल करें ओर उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जें में या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या दाखिल / सुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है। ओर यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे व शक्ति में हो अपना प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावें के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो आप ऐसी दस्तावेजों को उल्लिखित समय के बाद उपबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय मै उपंसजात नही होगे तो वाद की सुनवाई ओर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

यह वाद ता. 24/12/2025 को मेरे हस्ताक्षर से ओर न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

मोहर अदालत

आज्ञा से
सहायक कलेक्टर (फास्ट टैक)
आमेर, मुख्यालय जयपुर

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)

कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर

राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस

समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2025/1027 चूंकि प्रार्थी श्री RAISA PATHAN 744 KISHAN BAG, KACHCHI BASTI, JAIPUR ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास क्राइम बैन अगेस्ट ह्यूमन ट्रस्ट SURVEY NO. 102 KISHAN BAG, VIJAY NAGAR KACHCHI BASTI, SHASTRI NAGAR, JAIPUR के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।

अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा पूदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।

और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 22.12.2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 05.03.2026

मोहर अदालत

सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)

कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर

राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस

समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2025/1010 चूंकि प्रार्थी श्री NEHA JAIN, 65-B KHWAS JI KA BAGH SINDHI BASTI DURGAPURA JAIPUR 302018 ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास SANKALP NEST FOUNDATION TRUST, PLOT NUMBER 18 VISHNUPURI COLONY DURGAPURA JAIPUR 302018 के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।

अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।

और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 22.12.2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 27.02.2026

मोहर अदालत

सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

नम्बर मिलाइए
9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

आम सूचना दि.24-12-2025

डॉ अम्बेडकर मेमोरियल वेलफेयर सोसायटी राजस्थान, 13-14, झालाना डूंगरी, जयपुर पंजीयन क्रमांक 290/80-81 के केंद्रीय कार्यसमिति चुनाव वर्ष 2025-26 हेतु पूर्व में नियुक्त चुनाव अधिकारी श्री जेपी विमल को चुनाव अधिकारी के पद से हटाया जा चुका है, परंतु श्री जेपी विमल द्वारा सोसायटी परिसर के बाहर अन्य स्थान से कथित रूप से चुनाव करवाए जा रहे हैं जो अवैधानिक है, जिसके लिए सोसायटी जिम्मेदार नहीं है। वैधानिक चुनाव श्री छगन बेनीवाल, चुनाव अधिकारी द्वारा करवाए जा रहे है|सूचना सार्वजनिक हित में जारी की जाती है।

गणपत लाल वर्मा, महासचिव (M. 9829688869)
डॉ अम्बेडकर मेमोरियल वेलफेयर सोसायटी राजस्थान, जयपुर

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत्त-प्रथम, प्रताप नगर, जयपुर
क्रमांक- 9135 — **जाहिर आम-सूचना** — दि. 17.12.2025

राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर, सांगानेर योजना में आवास संख्या 50/191 (EWS), (एरिया 36.00 वर्गमीटर) प्रताप नगर, सांगानेर का आवंटन श्रीमती शकुन्तला देवी पत्नी श्री हरि राम को किया जाकर आवंटन पत्र क्रमांक 1523 दिनांक 30.04.1992 को जारी किया गया। जिसका भौतिक कब्जा दिनांक 01.07.1992 को प्राप्त कर लिया गया। श्रीमती शकुन्तला देवी की मृत्यु दिनांक 01.11.2006 को हो जाने के कारण इनके भाई श्री राम मोहन अग्रवाल पुत्र श्री राधेश्याम गोयल द्वारा अपंजीकृत वसीयतनामा के आधार पर उक्त आवास स्वयं के नाम हस्तान्तरण करने हेतु आवेदन किया गया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नही हैं, श्री राम मोहन अग्रवाल पुत्र श्री राधेश्याम गोयल का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा।

सम्पदा प्रबन्धक वृत्त - प्रथम, राज. आवा. मण्डल, जयपुर

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा अभिभाष्य श्री राजकुमार राव पुत्र श्री हरलाल, जाति राव, निवासी-प्लॉट नम्बर-डी-738, सिद्धार्थ नगर, जगतपुरा, जयपुर, राजस्थान (भारत) 302017 निवासी है तथा मेरा अभिभाष्य यह घोषणा करता है कि वे अपने पुत्र राहुल राव को अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करता है और अपने समस्त रिश्ते-नातो को खत्म करता है। यदि राहुल राव किसी भी प्रकार के गैर कानूनी कार्य में संलग्न पाया जाता है तो मेरा अभिभाष्य का किसी भी प्रकार से कोई उत्तरदायित्व नही होगा तथा उपरोक्त के संबंध में किया गया कोई भी संव्यवहार मूलतः शुन्य, अवैध, बातिल, बेअसर होगा। अतः सर्वसाधारण सावधान व सुचित रहे।

(सुनील कुमार वर्मा) एडवोकेट, मो.-7976017006

सूचना

भागीदारी फर्म मैसर्स श्री राजस्थान डीजल्स, एग्जीबिशन रोड़, भरतपुर- राज. रजि. नं. 21/05/88 में पूर्व में 2 भागीदार थे जिनमें 1. इन्द्रा जैन, 2. प्रवीण जैन थे। यह कि हमारी उक्त भागीदारी फर्म में से भागीदार संख्या 1 पर इन्द्रा जैन पत्नी स्व. श्री प्रकाश जैन निवासी सी-108, रनजीत नगर, भरतपुर इस फर्म में से दिनांक 1.4.2006 से रिटायर हो गई हैं तथा अब यह फर्म दिनांक 1.4.2006 से प्रोपराईटरशिप में हो गई है। अब इस फर्म में प्रवीण जैन प्रोपराईटर हो गये हैं। यदि इस सम्बन्ध में किसी को कोई आपत्ति हो तो जिला कलैक्टर कार्यालय, भरतपुर में सात दिवस में अपनी आपत्ति लिखित में प्रस्तुत कर सकते हैं।

प्रवीण जैन, मैसर्स श्री राजस्थान डीजल्स, एग्जीबिशन रोड़, भरतपुर (राज.)

खोया पाया

मेरे प्लाट नं. 109 एवं 110, विनायक रेजीडेंसी, लखावास, कलवाडा रोड, सांगानेर, जयपुर के मूल दस्तावेज अलोटमेंट लेटर, साईट प्लान एवं रसीदें कहीं खो गये है कृपया मिलने पर सूचित करें। गिरीश चौधरी 9829067161

मेरे प्रॉपर्टी 9(E)853(C) इन्द्रा गांधी नगर, जयपुर का मूल आवंटन पत्र कहीं गुम हो गए है मिलने पर सूचित करें। खेमराज मीना, 9414336527

नाम परिवर्तन

मैने अपना नाम सत्यनारायण कुमावत से बदलकर सत्यनारायण रख लिया है भविष्य में मुझे सत्यनारायण के नाम से ही जाना पहचाना जावे निवासी ई-46 करधनी गोविंदपुरा जयपुर

मै मुमल सिंह, पूर्व में मुमल बेश, पुत्री महेन्द्र बेश, निवासी-24 महादेव नगर, जयपुर-302013, ने अपना नाम मुमल बेश से बदलकर मुमल सिंह शपथ पत्र दिनांक 28-जुलाई-2018 द्वारा किया है।

I,MUSKAN MEENA d/o Shankarlal Meena R/o Bass ki dhani, gunawata,dhand, amer, Jaipur, Rajasthan -302028 declared that My name in aadhar card is Muskan Meena which has now been changed to Meena Muskan Shankarlal as per my 10th Marksheet.Henceforth,i shall be known as Meena Muskan Shankarlal.

I HAVE CHANGED MY NAME FROM RAMESH KUMR TO RAMESH KUMAR THEREFORE I WILL BE KNOWN OR DISTINGUISHED IN PUBLIC BY NEW NAME OF RAMESH KUMAR, V.P.O KHUDANIA JHUNJHUNU RAJASTHAN-333031

I, Samundeeswari A, spouse of No-17006364F Hav-Ashok kumar M resident of Vill -Anna Nagar P. O-Mittahalli (Teh & Dist)- Krishnagiri Sate- Tamil nadu Pin-635112 have changed my Name from Samundeeswari A to Samundeeswari R vide Affidavit No IN-RJ46105531351023X dated 18 Dec 2025 before Notary public Sanganer Jaipur (Raj.)

I have changed my name from Devendra agarwal to Devendar Agarwal r/o flat no f-102 Aditya residency plot no d 52 RAS colony jagatpura Jaipur

I have changed my name from reshma bano to reshama parvin r/o 04 mahaveer Nagar -b station road sanganer Jaipur

---

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी नगरपालिका किशनगढबास, खैरथल-तिजारा

क्रमांक:-4430 — **लोक सूचना** — दिनांक:-24/12/2025

प्रारूप-10 नियम 6 (7) देखिए)

आवेदक / खातेदार श्री अंशूल वत्स पुत्र श्री बलवान, श्री कैलाश चंद पुत्र श्री जगदीश चंद, श्री नरेन्द्र सिंह पुत्र श्री केहरसिंह, श्री बलवानवतस पुत्री श्री लीलूराम, श्री राजेन्द्र पुत्र श्री बिशनस्वरूप निवासी गुड़गांव तह0 व जिला गुड़गांव राज्य हरियाणा ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का गैर-कृषिक प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिये आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात :-

जिले सहित तहसील का नाम	ग्राम का नाम	खसरा नं.	क्षेत्र
किशनगढबास, खैरथल-तिजारा	कुलताजपुर हल्का पटवार कुलताजपुर	681,677,648,652,653, 655,659,676,654	1.6000 है0

इसलिये, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियो को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिये भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 07 दिवस के भीतर-भीतर कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजो के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा। उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नही है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जावेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मोहर के अधीन आज 24.12.25 को जारी की गयी।

प्राधिकारी अधिकारी, नगरपालिका किशनगढबास

कार्यालय जिला परिषद् (ग्रा0वि0प्र0), जयपुर

सवाई जयसिंह हाईवे, जिला कलेक्ट्रेट, बनीपार्क, जयपुर,
E-Mail ID :- pd-jaip-rj@nic.in, Phone No. :- 0141-2202039

क्रमांक :- एफ.06(01)स्टोर/स्थाई सम्पति क्रय/2025-26/ — दिनांक :- 17/12/2025

ई-निविदा आमंत्रण सूचना संख्या 3/2025-26

विधायक स्थानीय क्षेत्र विकास योजना (विधानसभा क्षेत्र सिविल लाईन्स, जयपुर) अन्तर्गत **"वार्ड 37 के अन्तर्गत जिला परिषद ग्रा0वि0प्र0 जयपुर के कार्यालय में सुविधाओं का विकास, आवश्यक निर्माण, उन्नयन कार्य एवं अन्य विकास कार्य कराने हेतु"** के निर्माण कार्य हेतु इच्छुक संवेदकों से जीएसटी पंजीकृत पंचायती राज विभाग/राजकीय विभाग एवं राजकीय उपक्रम में पंजीकृत फर्मो/संवेदकों से निर्माण कार्य हेतु ई-प्रॉक्यूरमेंट पोर्टल **www.eproc.rajasthan.gov.in** के माध्यम से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। जिसकी विस्तृत जानकारी वेबसाइट **http://sppp.rajasthan.gov.in** पर भी उपलब्ध है।

NIB :- ZJP2526A1356, UBN :- ZJP2526WSOB02036

राज.संवाद/सी/25/16437 — मुख्य कार्यकारी अधिकारी

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी नगरपालिका किशनगढबास, खैरथल-तिजारा

क्रमांक:-4433 — **लोक सूचना** — दिनांक:-24/12/2025

प्रारूप-10 नियम 6 (7) देखिए)

आवेदक / खातेदार श्री कैलाश चंद पुत्र श्री जगदीश चंद, श्री नरेन्द्र सिंह पुत्र श्री केहरसिंह, श्री बलवानवतस पुत्री श्री लीलूराम, श्री राजेंद्र पुत्र श्री बिशनस्वरूप निवासी गुड़गांव तह0 व जिला गुड़गांव राज्य हरियाणा ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का गैर-कृषिक प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिये आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात :-

जिले सहित तहसील का नाम	ग्राम का नाम	खसरा नं.	क्षेत्र
किशनगढबास, खैरथल-तिजारा	कुलताजपुर हल्का पटवार कुलताजपुर	153,154,155	1.6000 है0

इसलिये, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियो को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिये भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 07 दिवस के भीतर-भीतर कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजो के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा। उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नही है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जावेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मोहर के अधीन आज 25.12.25 को जारी की गयी।

प्राधिकारी अधिकारी, नगरपालिका किशनगढबास

कार्यालय, नगरपालिका पावटा-प्रांगपुरा (कोटपूतली-बहरोड़)

नवोदय स्कुल के पास पावटा-303106, राज.
फोन.01421-294619 — Email Id: Nagarpalikapaotapragpura@gmail.com
क्रमांक : न.पा.पाव.प्रा./2025-26/भूमि/1023 — दिनांक-24/12/25

आपत्ती आमंत्रण सूचना

निम्न आवेदक ने नगरपालिका कार्यालय में 69-क/स्टेट ठांट / कृषि भूमि नियमन पट्टा पत्रावली प्रस्तुत की है, उक्त पत्रावली में किसी को कोई आपत्ती हो तो 07 कार्य दिवस में नगरपालिका कार्यालय में आपत्ती प्रस्तुत करें अन्यथा पत्रावली में अग्रिम कार्यवाही की जावेगी।

क्र. सं.	आवेदक का नाम व पता	खसरा संख्या	राजस्व ग्राम	क्षेत्रफल (वर्गगज/वर्गमीटर)	प्रयोजनार्थ
1	श्री प्रमोद कुमार जाट पुत्र श्री हनुमान सहाय जाट	630	किराडोद	384.24	आवासीय
2	श्री विक्रम चौधरी पुत्र श्री मूलचंद गिठाला	630	किराडोद	141.07	आवासीय
3	श्री मालीराम जाट पुत्र श्री रामस्वरूप जाट	115/2369	पावटा	22.97	मिश्रित

अधिशाषी अधिकारी
नगरपालिका पावदा-प्रागपुरा

Khadi India
आज़ादी का अमृत महोत्सव

खादी ग्रामोद्योग प्रदर्शनी, 2025-26

राजस्थान खादी ग्रामोद्योग संस्था संघ, बजाज नगर, जयपुर
(राजस्थान की प्रमाणित खादी एवं ग्रामोद्योग संस्थाओं का मध्यवर्ती संगठन)

प्रदर्शनी दिनांक 20 नवंबर 2025 से प्रारम्भ

प्रवेश नि:शुल्क | समय दोपहर 12 बजे से रात्रि 8.30 बजे तक | पार्किंग नि:शुल्क

प्रान्तीय खादी वस्त्रों पर 50% की छूट

25% की छूट परप्रान्तीय उत्पादित खादी वस्त्रों पर

प्रदर्शनी स्थल: राजस्थान खादी ग्रामोद्योग संस्था संघ, बजाज नगर, गांधी नगर रेलवे स्टेशन के सामने, जयपुर

(खादी और ग्रामोद्योग आयोग भारत सरकार, द्वारा प्रसारित)

आप सभी सादर आमंत्रित हैं

राजस्थान भारत का अतुल्य राज्य !

पर्यटन विभाग एवं जिला प्रशासन, जयपुर

अधिक जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें: पर्यटक स्वागत केन्द्र, जयपुर, फोन: 0141-2822863

trcjaipur-dot@rajasthan.gov.in | www.tourism.rajasthan.gov.in

rajasthantourism | my_rajasthan | rajasthan_tourism | Rajasthan Tourism Channel

अपरिहार्य परिस्थितियों के कारण कार्यक्रम में बदलाव संभव है

राजस्थान संवाद

सरकार का मूल मंत्र है "विरासत के संरक्षण के साथ विकास"- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने कहा कि यमुना के पानी से शेखावाटी की भूमि हरी-भरी होगी

सीकर/जयपुर, 24 दिसम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार विरासत के संरक्षण के साथ-साथ विकास के मूल मंत्र पर संकल्पित होकर कार्य कर रही है। शर्मा बुधवार को सीकर के रामगढ़ शेखावाटी में राज्य सरकार के 2 वर्ष पूरे होने के

- **शेखावाटी में आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि झुंझुनूं, सीकर व चूरू की 662 हवेलियों को संरक्षण व पुनरुद्धार के लिए चिह्नित किया गया है। इन ऐतिहासिक हवेलियों के संरक्षण व विकास के लिए एक कानून भी लाया जाएगा।**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को रामगढ़ शेखावाटी में सीकर जिले के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री दीयाकुमारी, नगरीय विकास राज्य मंत्री झाबर सिंह खर्रा, सैनिक कल्याण सलाहकार समिति के अध्यक्ष प्रेम सिंह बाजौर, पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ मौजूद थे।

उपलक्ष्य पर आयोजित विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण एवं शिलान्यास समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि शेखावाटी के उद्यिमयों में समाज सेवा और परोपकारिता की भावना भरी हुई है। इस मिट्टी में जन्म लेने वालों में मातृभूमि की सेवा करने का जुनून भी होता है। यहां के लोग बड़ी संख्या में सेना एवं सशस्त्र बलों में शामिल होकर मां भारती की सेवा कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शेखावाटी की हवेलियां हमारी अद्वितीय धरोहर हैं और इनके संरक्षण के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रही है। झुंझुनूं, सीकर और चूरू की 662 ऐतिहासिक हवेलियों को संरक्षण और पुनरुद्धार के लिए चिन्हित किया गया है, जिन्हें पर्यटन हब के रूप में विकसित कर स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत किया जाएगा। इनके संरक्षण और विकास के लिए एक कानून भी लाया जाएगा।

शर्मा ने कहा कि शेखावाटी क्षेत्र में पानी उपलब्ध कराने के लिए यमुना जल समझौते की क्रियान्विति की जा रही है। उन्होंने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि शेखावाटी को यमुना का भरपूर पानी मिलेगा और शे ाावाटी की यह भूमि हरी-भरी होगी। नगरीय विकास राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) झाबर सिंह खर्रा ने कहा कि हमारी सरकार ने प्रदेश में पानी की आवश्यकता को समझते हुए रामजन सेतु लिंक परियोजना तथा यमुना जल समझौते जैसे ऐतिहासिक निर्णय लिए हैं। इससे शेखावाटी के जिलों में यमुना का पानी उपलब्ध हो सकेगा।ष्कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने सीकर जिले के लिए 155 करोड़ रुपये से अधिक राशि के विकास कार्यों का शिलान्यास और लोकार्पण किया।

इससे पहले मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया तथा मुख्यमंत्री दिव्यांग स्कूटी योजना के तहत लाभार्थियों को स्कूटी वितरित की।

इस अवसर पर सैनिक कल्याण सलाहकार समिति के अध्यक्ष प्रेम सिंह बाजौर, विधायक गोरधन, सुभाष मील, हरलाल सहारण, राजेन्द्र भांबू, पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ सहित बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

'डिप्टी सीएम की पोस्ट से खुश हूँ'

नयी दिल्ली, 24 दिसंबर। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने प्रदेश में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों को खारिज करते हुए बुधवार को कहा कि मुख्यमंत्री पद को लेकर कोई विवाद नहीं है और वे उपमुख्यमंत्री बने रहने में संतुष्ट हैं।

शिवकुमार ने यहां कर्नाटक भवन में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि

- **कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने प्रदेश में किसी भी प्रकार के बदलाव को खारिज किया व कहा कि मुख्यमंत्री पद को लेकर कोई विवाद नहीं है।**

कांग्रेस में आंतरिक मतभेदों या कांग्रेस नेतृत्व के साथ बैठकों की बातें केवल अफवाहें हैं, जो मीडिया में फैली हुई हैं।

उन्होंने कहा, "मैं कांग्रेस आलाकमान में किसी से मिलने नहीं आया हूं। मैं उपमुख्यमंत्री बने रहकर खुश हूं। मुझे पार्टी कार्यकर्ता बनना पसंद है।" शिवकुमार ने कर्नाटक में मुख्यमंत्री पद पर संभावित बदलाव के बारे में पूछे गये सवालों को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि किसी भी नाम को लेकर अटकलें नहीं लगायी जानी चाहिये और नेतृत्व से संबंधित कोई भी निर्णय पूरी तरह से कांग्रेस पार्टी के हाथ में है। नेतृत्व जो भी फैसला करेगा, उसे स्वीकार किया जाएगा। शिवकुमार ने दोहराया कि दिल्ली की उनकी यात्रा पूरी तरह से प्रशासनिक है, राजनीतिक नहीं। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे सिंचाई और शहरी विकास सहित, राज्य से संबंधित मुद्दों पर केन्द्रीय मंत्रियों से मिलने के लिये दिल्ली आए थे।

अरावली में खनन के नए पट्टे नहीं दिए जाएंगे

केन्द्र सरकार ने यह फैसला किया और सभी संबंधित राज्य सरकारों को इससे संबंधित दिशा निर्देश दिए

नयी दिल्ली, 23 दिसंबर। केन्द्र सरकार ने अरावली में खनन को लेकर जारी विवाद के बीच खनन के नये पट्टे देने पर रोक लगा दी है।

सरकार ने निर्णय लिया है कि जब तक पूरे अरावली क्षेत्र के लिए सतत खनन प्रबंधन योजना तैयार नहीं की जाती है, तब तक किसी नयी खदान का पट्टा नहीं दिया जाएगा।

- **केन्द्र सरकार ने यह खनन निषेघ समूचे अरावली क्षेत्र में लगाया जाएगा और इसका मुख्य उद्देश्य अरावली का संरक्षण**
- **वन एवं पर्यावरण मंत्रालय ने भारतीय वानिकी अनुसंधान और शिक्षा परिषद को निर्देश दिया है पूरे अरावली क्षेत्र में सतत खनन के लिए व्यापक वैज्ञानिक योजना बनाई जाए और फिर योजना पर जनता से सुझाव मांगे जाए।**
- **केन्द्र सरकार ने कहा योजना के आधार पर संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान की जाएगी।**

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने बुधवार को यहां कहा कि दिल्ली से गुजरात तक फैली संपूर्ण अरावली श्रृंखला को अवैध खनन से बचाने के लिए उसने बड़ा कदम उठाया है, और फैसला लिया है कि अरावली में कोई भी नया खनन पट्टा नहीं दिया जाएगा। इस बारे में सभी जरूरी निर्देश सबंधित राज्यों को भी दिये गये हैं। केन्द्र सरकार ने कहा है कि पूरे अरावली क्षेत्र की रक्षा के मकसद से उसने निर्णय लिया है कि अरावली में कोई भी नया खनन पट्टा नहीं दिया जाएगा और संरक्षित क्षेत्र का विस्तार किया जाएगा।

मंत्रालय ने कहा है कि यह खनन निषेध पूरे अरावली क्षेत्र में समान रूप से लागू होगा। दिशा निर्देशों का उद्देश्य गुजरात से राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली तक फैली अरावली श्रृंखला को संरक्षित कर सुरक्षा प्रदान करना है और इस क्षेत्र में होने वाली अनियमित खनन गतिविधियों को पूरी तरह से रोकना है।

अरावली को खनन से बचाने के लिए मंत्रालय ने भारतीय वानिकी अनुसंधान और शिक्षा परिषद (आईसीएफआरई) को संपूर्ण अरावली में पारिस्थितिकी तथा भूवैज्ञानिक स्तर पर अतिरिक्त क्षेत्रों की पहचान करने का निर्देश देते हुए कहा है कि इस क्षेत्र में खनन निषिद्ध होना चाहिए।

आईसीएफआरई ने पूरे अरावली क्षेत्र में सतत खनन के लिए व्यापक वैज्ञानिक प्रबंधन योजना तैयार करने को भी कहा है और जब योजना तैयार हो जाएगी तो इसे सार्वजनिक कर इस पर लोगों के सुझाव मांगे जाएंगे और जो सुझाव आएंगे, उनमें संचयी पर्यावरणीय प्रभाव और पारिस्थितिक वहन क्षमता का आकलन कर, उसके आधार पर पारिस्थितिकीय रूप से संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान की जाएगी।

मंत्रालय ने यह भी कहा है कि केन्द्र की यह कवायद स्थानीय स्थलाकृति, पारिस्थितिकी और जैव विविधता को ध्यान में रखते हुए संपूर्ण अरावली में खनन को निषिद्ध करने के लिए है। केन्द्र ने यह भी कहा है कि पहले से ही चल रही खदानों के लिए संबंधित राज्य सरकारें पर्यावरणीय सुरक्षा उपायों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करेंगी और उच्चतम न्यायालय के आदेश के अनुरूप काम करेंगी।

उद्धव ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तवज्जो न देने की कोशिश की है। पार्टी के नेता और मौजूदा मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़नवीस ने कहा, "बेकार का शोर मचाया जा रहा है, मानो पुतिन और ज़ेलेंस्की एक हो गए हों। राज और उद्धव दोनों ही फुस्स हो चुके पटाखे हैं, जिन्हें महाराष्ट्र के मतदाताओं ने बार-बार नकारा है। यह अवसरवादी गठबंधन कोई असर नहीं डालेगा।"

पड़ोसी देशों के...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

थीं। साफ तौर पर, असमान हैसियत वाले पड़ोसी देशों के बीच ऐसी स्थिति एक सामान्य बात है।

दोनों देशों के बीच पूरी तरह से विश्वास की कमी है और आपसी रिश्तों में बहुत कम सकारात्मकता बची है। कुछ विश्लेषक और विशेषज्ञ चेतावनी दे रहे हैं कि यह आपसी कड़वाहट नियंत्रण से बाहर भी जा सकती है।

इस बात के साफ संकेत हैं कि पाकिस्तानी तत्वों ने समाज के सबसे उग्र चरमपंथी तत्वों पर नियंत्रण कर लिया है। चरम कट्टरपंथी इस्लामी समूह, जो पहले हाशिए पर थे, अब खुद को मुख्यधारा का हिस्सा दिखाने लगे हैं, और यही सबसे बड़ी चिंता की वजह है।

इस पूरी निराशाजनक स्थिति में एकमात्र सकारात्मक बात यह है कि कपड़ा कारखाने में काम करने वाले दीपू चंद्र दास की अमानवीय हत्या की बड़े पैमाने पर आम लोगों ने ज़ोरदार निंदा की है। देश के अलग-अलग नागरिक संगठनों ने कई विरोध मार्च भी निकाले हैं।

हिंसा का अचानक भड़क उठना, बड़े पैमाने पर आगजनी और हमले साफ तौर पर यह दिखाते हैं कि देश में शासन की कमजोरी और गहरी अस्थिरता है। इन अनिश्चित हालात का बांग्लादेशी समाज में कट्टरपंथी तत्वों ने पूरा फायदा उठाया है।

संसद में स्मार्ट गैजेट्स पर रोक

नई दिल्ली, 24 दिसंबर। संसद की सुरक्षा और गोपनीयता को और पुख्ता करने के लिए लोकसभा सचिवालय ने सांसदों के लिए महत्वपूर्ण एडवाइज़री जारी की है। बुधवार को जारी एक बुलेटिन के जरिये लोकसभा सचिवालय ने सांसदों से अपील की है कि वे संसद परिसर में स्मार्ट डिवाइस, जैसे स्मार्ट चश्मा, पेन कैमरा और स्मार्ट घड़ी का इस्तेमाल न करें। सचिवालय का कहना है कि ऐसे उपकरणों से सांसदों की निजता को खतरा हो सकता है और संसदीय विशेषाधिकारों का उल्लंघन भी हो सकता है।

उन्नाव दुष्कर्म पीड़िता अपनी मां के साथ राहुल और सोनिया से मिली

नयी दिल्ली, 24 दिसंबर। उन्नाव दुष्कर्म के आरोपी कुलदीप सेंगर की सज़ा निलंबित होने के बाद, पीड़िता ने अपनी मां के साथ बुधवार को यहां कांग्रेस नेता राहुल गांधी से मुलाकात की और अपने लिए सुरक्षा की मांग की।

यह मुलाकात कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी के आवास 10 जनपथ पर हुई। इस दौरान सोनिया गांधी भी बैठक में मौजूद थीं। पीड़िता ने मुलाकात के बाद संवाददाताओं से कहा, "हमने राहुल जी और सोनिया जी से मुलाकात की और उन्हें बताया कि हम किस दौर से गुज़र रहे हैं। मैं प्रधानमंत्री, केन्द्रीय गृह मंत्री और राष्ट्रपति से भी मिलना चाहती हूं। मुझे सिर्फ न्याय चाहिये। मैंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह से मिलने की गुहार लगाई, लेकिन कोई नहीं मिला। वहीं, राहुल भैया का सामने से फोन आया और उन्होंने मुझे मिलने के लिए बुलाया। उन्होंने मुझे न्याय दिलाने का भरोसा दिलाया है।

कांग्रेस के सूत्रों के अनुसार, राहुल गांधी के साथ मुलाकात के दौरान, पीड़िता और उसके परिवार ने मुख्य रूप से तीन तरह की सहायता मांगी, जिसमें सुरक्षा के साथ-साथ अपने मामले की पैरवी के लिये किसी वरिष्ठ वकील की सेवा और परिवार को किसी कांग्रेस शासित राज्य में स्थानांतरित होने में मदद की मांग शामिल है। पीड़िता का कहना है कि उसे और उसके परिवार के सदस्यों को उत्तर प्रदेश में हत्या किए जाने का डर है और वे अपनी सुरक्षा को लेकर आश्वस्त नहीं हैं।

'मैं दिल्ली में दो...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पहुंचाना होगा। मैं अक्सर देखता हूं कि मुसलमान क्या करते हैं, चाय और पंचर की दुकानें चलाते हैं, शिक्षा की कमी है और जनसंख्या बहुत ज्यादा है।"

गडकरी ने कहा कि देश में "हिंदू-मुस्लिम मुद्दे" कांग्रेस की वोट बैंक राजनीति का परिणाम हैं। उन्होंने कहा कि धर्मनिरपेक्षता का मतलब "सभी के लिए न्याय" है, लेकिन वोट बैंक राजनीति के लिए लायी गई नीतियों ने इस समस्या को जन्म दिया। उन्होंने कहा, "हमारी संस्कृति सांप्रदायिक और जातिवादी नहीं है। हिंदुत्व उदार और सहिष्णु है।" पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा व्यक्त किये गये विचारों को दोहराते हुए उन्होंने कहा, "भारत एक धर्मनिरपेक्ष देश है। यह धर्मनिरपेक्ष था और धर्मनिरपेक्ष रहेगा। "ऐसा भाजपा या संघ के कारण नहीं है। यह भारतीय संस्कृति, हिंदू संस्कृति और सनातन संस्कृति के कारण है, जो हमें पूरी दुनिया के कल्याण की कामना करना सिखाती है।"

दिल्ली में भाजपा सरकार को राष्ट्रीय राजधानी में बढ़ते वायु प्रदूषण पर काबू पाने में नाकाम रहने के लिए आलोचना का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि यहां वायु गुणवत्ता सूचकांक (एयर क्वालिटी इन्डैक्स -एक्यूआई) कई सप्ताह से 'बहुत खराब' और 'गंभीर' श्रेणियों में बना हुआ है।

कांग्रेस नेता इमरान मसूद ने गडकरी की टिप्पणियों का इस्तेमाल दिल्ली सरकार और केन्द्र, पर दोनों पर हमला करने के लिए किया, क्योंकि दोनों ही जगह भाजपा सत्ता में है। उन्होंने कहा, "गडकरी ने कम से कम यह स्वीकार करने का साहस दिखाया। जब आप सभी समाधान दे रहे हैं, तो कृपया इसके लिए भी कोई समाधान सुझाएं। मुझे नहीं लगता कि वाहन ही प्रदूषण का एकमात्र स्रोत हैं। वाहन तो दिल्ली के बाहर भी चलते हैं।"

सरकार ने किया ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अगस्त 2022 में इस मंदिर में हुई एक भगदड़ में दो लोग मर गए थे, तीन साल बाद भी मंदिर में न तो उचित निकासी मार्ग हैं, न भीड़ नियंत्रण के उपाय और न ही सुरक्षा इंतजाम। यह मंदिर 1,200 वर्ग फीट में फैला है और श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के समय 5 लाख तक श्रद्धालु यहाँ आते हैं। आप खुद सोच सकते हैं कि इससे क्या परिणाम हो सकते हैं।

एक मंदिर, जिसकी 300 करोड़ रूपए की संपत्ति है, को सुप्रीम कोर्ट के आदेश और तीन साल की कानूनी लड़ाई की जरूरत क्यों पड़ी। तथा सही निकासी बनाने से पहले ये मौतें क्यों हुईं।

उत्तर प्रदेश सरकार ने मंदिर के 300 करोड़ रूपए के कोष का उपयोग करते हुए, मंदिर के चारों ओर 5 एकड़ ज़मीन खरीदने और एक सुरक्षा गलियारा बनाने का प्रस्ताव दिया था। लेकिन इलाहाबाद हाई कोर्ट ने इसे अस्वीकार कर दिया था और कहा था कि मंदिर पर कानूनी अधिकार किसका है, क्योंकि मंदिर को पीढ़ियों से चलाने वाले गोस्वामी सेवायतों के बीच इस बारे में मुकदमा लंबित हैं। यह प्रकरण सुप्रीम कोर्ट तक पहुँचा मई 2025 में, कोर्ट ने कहा, ठीक है, मंदिर के फंड का उपयोग करें, लेकिन एक शर्त है: ज़मीन की रजिस्ट्री भगवान के नाम पर होनी चाहिए, न कि सरकार के नाम पर। यह शर्त बहुत कुछ बयान कर देती है। कोर्ट को राज्य पर भरोसा नहीं था कि वह ईमानदारी से काम करेगा, लेकिन कोर्ट को मौजूदा प्रबंधन पर उससे भी कम विश्वास था। सरकार ने त्वरित कदम उठाए। 26 मई 2025 को उत्तर प्रदेश ने एक अध्यादेश जारी करके मंदिर पर नियंत्रण लिया और एक नया ट्रस्ट बनाया। आलोचकों ने इसे सरकार का हस्तक्षेप बताया। फिर सुप्रीम कोर्ट ने अगस्त में उस अध्यादेश पर रोक लगा दी, तथा सरकार की जल्दबाजी पर सवाल खड़े किये। राज्य ने फिर से इसे पूर्व अधिनियम के रूप में विधानमंडल से पारित कराकर इस महीने अधिसूचित कर दिया। बांके बिहारी संकट अकेला नहीं है। सुप्रीम कोर्ट के निर्णय से मथुरा में "रिसीवर राज" का मुद्दा सामने आया। मथुरा में फिलहाल 197 मंदिर कानूनी विवादों में फंसे हुए हैं। इनमें से बहुत से मंदिरों का प्रबंधन कोर्ट द्वारा नियुक्त किए गए रिसीवर्स द्वारा किया जा रहा है, जो दरअसल एक पक्ष के वकील होते हैं। उन्हें मंदिर का प्रबंधन करने के लिए वेतन मिलता है और वे भुगतान पाते रहने की खातिर, संबंधित केसों को कोर्ट में लटकाये रहते हैं।

सिद्धार्थ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) ने इसी आदेश में ओमप्रकाश बैरवा का कॉलेज शिक्षा आयुक्त से राज्य विद्युत नियामक आयोग में सचिव के पद पर किया गया तबादला रद्द कर दिया है। बैरवा, फिलहाल कॉलेज शिक्षा आयुक्त ही रहेंगे।

लोकसभा में 22 भाषाओं में अनुवाद सेवा शुरु

नयी दिल्ली, 24 दिसंबर। भारत की विविध संस्कृति और भाषाओं का सम्मान करने के लिए 18वीं लोकसभा का हाल ही में संपन्न हुआ शीतकालीन सत्र बहुत खास रहा, जिसमें सांसदों ने संविधान की अनुसूची आठ में डाली गयीं 22 भाषाओं में समानांतर अनुवाद सेवा का इस्तेमाल किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस पहल के लिए लोक सभा अध्यक्ष ओम बिड़ला और सदस्यों को बधाई दी है। लोक सभा सचिवालय की ओर से उपलब्ध करायी गयी जानकारी के अनुसार, संबोधनों के समानान्तर भाषान्तर की इस सेवा के तहत सांसद अपनी भाषा में बोल सकते हैं और बाकी लोग उसे अपनी पसंद की भाषा में सुन सकते हैं। यह सेवा बिड़ला ने 19 अगस्त को शुरू की थी। मोदी ने इस पहल की बहुत सराहना की है और कहा है कि यह भारत की बहुभाषी विरासत को मनाने का एक बड़ा कदम है। उन्होंने कहा कि भारत की भाषाओं और संस्कृतियों की विविधता हमारी ताकत है। प्रधानमंत्री ने सांसदों और लोक सभा अध्यक्ष ओम बिड़ला को इस काम के लिए बधाई दी है और कहा है कि अब सांसद अपनी मातृभाषा में भाषण दे सकते हैं।

राहुल-प्रियंका-सचिन...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दावेदार के रूप में पेश किए जाएंगे। इस बात पर पूर्ण सहमति है कि उनका संगठन महासचिव के रूप में कार्यकाल समाप्त हो चुका है। अब बड़ा सवाल यह है कि केसीवी के स्थान पर अगला संगठन महासचिव कौन होगा।

कांग्रेस एक बड़े बदलाव से गुजर रही है, जिसमें प्रियंका गांधी के लिए एक महत्वपूर्ण और बड़ा रोल सामने आ सकता है। एक अंतरंग सूत्र ने कहा, ग्रह गोचर पर भरोसा रखने वाली इस पार्टी में 14 जनवरी से पहले कोई बड़ा बदलाव नहीं होगा। 14 जनवरी के बाद मलमास की अशुभ अवधि समाप्त हो जाएगी और ज्योतिषीय दृष्टिकोण से ग्रहों की स्थिति अनुकूल हो जाएगी। जाहिर है, प्रियंका गांधी को एआईसीसी के चुनाव प्रबंधन विभाग का प्रमुख नियुक्त करने का पत्र सप्ताहों से तैयार पड़ा है। यह देखना होगा कि क्या वह पत्र अब रद्द कर दिया जाएगा और प्रियंका को कोई नया कार्यभार सौंपा जाएगा।

विस्तार से देखा जाए तो वेणुगोपाल की जगह लेने के लिए कई दावेदार हैं। पार्टी के नेताओं का एक शक्तिशाली समूह, जिसे "जय जगत ग्रुपीज" कहा जाता है, की नज़र इस प्रतिष्ठित पद पर है। यह समूह उन नेताओं का है, जिनकी सोच वामपंथी और सामाजिक न्याय पर आधारित है। इसमें शशिकांत सेन्थिल, सचिन राव, मीनाक्षी नटराजन, कृष्णा अल्लावेरू और भंवर जितेन्द्र सिंह जैसे नेता शामिल हैं, जो सभी राज्यसभा का सदस्य बनने की उम्मीद कर रहे हैं। हालांकि, अधिकांश पारंपरिक कांग्रेस नेताओं को इस गुट का ऊपर उठना पसंद नहीं है, जिसके कारण अशोक गहलोत, अजय माकन और दिग्विजय सिंह जैसे अति वरिष्ठ नेता भी इस पद के लिए अपना नाम सामने ला रहे हैं। हालांकि, गहलोत या दिग्विजय का संगठन महासचिव बनना संभावना से परे है, खासकर भाजपा द्वारा 45 वर्षीय नितिन नबीन को कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किए जाने के बाद। कांग्रेस नेतृत्व, यानी राहुल, सोनिया, प्रियंका और एआईसीसी प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे पर दबाव है कि संगठन महासचिव किसी युवा नेता को बनाए।

इस आंतरिक उथल-पुथल के कारण, अब सचिन पायलट के नाम पर जोर दिया जा रहा है, जो वर्तमान में एआईसीसी के महासचिव हैं और छत्तीसगढ़ की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। पर पायलट के दृष्टिकोण में, राजस्थान कांग्रेस का अध्यक्ष पद सबसे महत्वपूर्ण है, जिस पर वर्तमान अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा जुलाई 2020 से अब तक मौजूद हैं और इस पद पर उन्हें पांच साल और छह महीने हो चुके है। सूत्रों का कहना है कि यदि गांधी परिवार पायलट को संगठन महासचिव पद लेने के लिए कहता है, तो उनके पास इसे स्वीकार करने के अलावा कोई और विकल्प नहीं होगा। पार्टी में पायलट की विभिन्न क्षेत्रीय, जाति और लैंगिक विचारों के बीच व्यापक लोकप्रियता को देखते हुए, उनका जीएसओ के रूप में प्रमोशन एआईसीसी सचिवालय में कुछ नयापन और ताजगी ला सकता है।

जाने-माने स्तम्भकार तथा कांग्रेस के करीबी राशिद किदवई लिखते है कि पायलट का प्रियंका गांधी से भी करीबी संबंध है। पार्टी के एक बड़े हिस्से का मानना है कि राहुल, प्रियंका और सचिन पायलट की तिकड़ी 2029 के लोकसभा चुनावों से पहले कांग्रेस को आगे बढ़ाने में सहायक हो सकती है।

किदवई का प्रियंका के बारे में हमेशा यही कहना रहा है कि वे अपने बड़े भाई की मदद के लिए कुछ भी करेंगी। उनका पूरा राजनीतिक एजेंडा राहुल को सफल बनाने के इर्द-गिर्द घूमता है। दरअसल, वे हमेशा उन्हें "मेरे नेता" के रूप में संबोधित करती हैं, उनके नेतृत्व की सराहना करती हैं।

कांग्रेस का परिवारिक इतिहास इस तरह के "जोड़े" के साथ काम करने का रहा है। जब प्रियंका 2019 में राजनीति में शामिल हुईं, तो यह पहला अवसर नहीं था, जब नेहरू-गांधी परिवार के दो सदस्य एक साथ उच्च पदों पर थे।

1959 में, इंदिरा गांधी ने कांग्रेस अध्यक्ष का पद संभाला। यह पार्टी में कई लोगों के लिए एक आश्चर्य था। जब उनके पिता, जवाहरलाल नेहरू, प्रधानमंत्री थे। नेहरू के आलोचकों ने इसे उनके द्वारा इंदिरा को इस प्रतिष्ठित पद पर पहुंचाने की कोशिश के रूप में देखा। हालांकि, उस समय के कांग्रेसियों के एक बड़े हिस्से का मानना था कि इंदिरा ने इस पद को अपनी योग्यता से पाया था। और उनके पास इसे सही मानने का पर्याप्त कारण भी था।

एआईसीसी अध्यक्ष के रूप में इंदिरा ने केरल संकट को कुशलतापूर्वक संभाला, उन्होंने महाराष्ट्र और गुजरात के निर्माण की सिफारिश भी की थी, ताकि वहां भाषाई तनावों को कम किया जा सके। जब उनका कार्यकाल 1960 में समाप्त हुआ, तो कांग्रेस कार्यकारी समिति ने उन्हें पुनः अध्यक्ष बनने के लिए मनाने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने यह अनुरोध दृढ़ता से अस्वीकार कर दिया।

स्वतंत्रता के बाद, भारत की आज़ादी के 79 वर्षों के इतिहास में, गांधी परिवार ने 59 साल तक कांग्रेस का नेतृत्व किया है। कांग्रेस के विभिन्न गुटों के लोग उन्हें पार्टी का नेतृत्व करने के लिए स्वाभाविक रूप से सबसे उपयुक्त मानते हैं और इसके बदले उन्हें चुनावी सफलता और सत्ता की उम्मीद होती है।

जवाहरलाल नेहरू से लेकर इंदिरा, राजीव और सोनिया तक, किसी भी गांधी परिवार के किसी भी सदस्य ने राजनीति से अचानक बाहर जाने का निर्णय नहीं लिया। राहुल, और अब प्रियंका, भी आज वही जिम्मेदारी निभा रहे हैं।

इसरो ने बनाया नया रिकॉर्ड: सबसे भारी विदेशी उपग्रह लॉन्च किया

श्रीहरिकोटा के दूसरे लॉन्च पैड से इसरो ने बाहुबलि रॉकेट से अमेरिकन कंपनी का सैटलाइट "ब्लू बर्ड" प्रक्षेपित किया

श्रीहरिकोटा, 24 दिसंबर। भारत के बाहुबली के नाम से विख्यात भारी प्रक्षेपण राकेट एलएमवी3 ने बुधवार को अमेरिका स्थित कंपनी एएसटी स्पेसमोबाइल के उन्नत संचार उपग्रह ब्लूबर्ड-6 को, प्रक्षेपण के बाद, सफलतापूर्वक पृथ्वी की निचली कक्षा (एलईओ) में स्थापित कर भारत की वाणिज्यिक अंतरिक्ष क्षमताओं में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की।

इस प्रक्षेपण ने एक नया रिकॉर्ड बनाया, क्योंकि यह किसी भारतीय रॉकेट द्वारा ले जाया गया अब तक का सबसे वजनी उपग्रह था। इस मिशन का लक्ष्य ब्रॉडबैंड सिग्नल को सीधे अंतरिक्ष से आम स्मार्टफोन तक पहुंचाना है, जिससे विशेष उपकरण की ज़रूरत खत्म हो जाएगी।

लगभग 24 घंटे की सुचारू उल्टी गिनती के बाद, 43.5 मीटर लंबे, और 640 टन के एलएमवी3 रॉकेट ने सुबह लगभग 0855 बजे सतीश धवन अंतरिक्ष केन्द्र (एसडीएससी) श्रीहरिकोटा रेंज के दूसरे लॉन्च पैड से उड़ान भरी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सफल प्रक्षेपण की सराहना करते हुए इसे भारत की अंतरिक्ष यात्रा में एक "गर्व करने वाली उपलब्धि" बताया।

मोदी ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा, "भारत का अंतरिक्ष क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम।

सफल एलएमवी3 -एम6प्रक्षेपण , जिसने भारतीय धरती से प्रक्षेपित किये गये अब तक के सबसे भारी उपग्रह, अमेरिकी अंतरिक्ष यान, ब्लूबर्ड ब्लाक-2 को उसकी निर्धारित कक्षा में

- **प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में इस उपलब्धि के लिए इसरो की सराहना की तथा इसे गर्व करने वाली उपलब्धि बताया।**

स्थापित किया, यह भारत की अंतरिक्ष यात्रा में एक गर्व करने वाली उपलब्धि है।"

इसरो के चेयरमैन और अंतरिक्ष विभाग के सचिव, डॉ. वी. नारायणन ने मिशन कंट्रोल सेंटर से वैज्ञानिकों को संबोधित करते हुए घोषणा की कि अमेरिकी उपग्रह को सफलतापूर्वक और सटीक रूप से उसकी निर्धारित कक्षा में स्थापित कर दिया गया है। उन्होने कहा "यह एक बड़ी उपलब्धि है। सभी वाहन पैरामीटर सामान्य रूप से काम कर रहे थे।"

इसरो ने बुधवार सुबह एलवीएम3-एम6 रॉकेट से 6,100 किलोग्राम वजनी अमेरिकी सैटलाइट ब्लूबर्ड ब्लॉक-2 लॉन्च किया। भारत से लॉन्च किया गया अब तक का यह सबसे भारी सैटलाइट है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908